ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 09 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-160

हमेशा भाजपा का सदस्य रहूंगा: रघुपति भट @ नम्मा बेंगलूरु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा शपथ-ग्रहण समारोह आज

जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र दामोदरदास मोदी

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री चुने गए नरेंद्र मोदी का शपथ ग्रहण रविवार शाम को होने वाला है। इस बार भारतीय जनता पार्टी को बहुमत नहीं मिला, लेकिन इंडी गठबंधन को मिला कर आई सीटों से अधिक सीटें लाकर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपना स्थान बनाए रही। एनडीए के सहयोगी दल टीडीपी और जदयू के बेहतरीन प्रदर्शन से एनडीए को मजबूती मिली और एनडीए ने सरकार बनाने के लिए जरूरी 272 सीटों से अधिक का संख्याबल हासिल कर लिया। अब एनडीए के पास 303 सांसदों की ताकत है।

मंत्रियों को लेकर चल रहा विचार-विमर्श

मोदी मंत्रिमंडल में दिखेगी संघम-शक्ति

कल होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री का पद संभालने वाले सांसदों की लिस्ट पर भी संघम-शक्ति का असर देखने को मिलेगा। स्पष्ट है कि इस बार टीडीपी और जदयू के नेताओं को अधिक तवज्जो मिलेगी। सियासी गलियारे के साथ-साथ जन-चौपालों में भी इस बात को लेकर चर्चा है कि चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी से कौन मंत्री बनेंगे और नीतीश कुमार के जदयू से कौन। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पवन कल्याण की पार्टी जनसेना टीडीपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ी है, लिहाजा इस बात की चर्चा है कि पवन कल्याण केंद्र में मंत्री बन सकते हैं। इसके अलावा राम मोहन नायडू की भी चर्चा है।

बिहार में भारतीय जनता पार्टी, जदयू और चिराग पासवान की लोजपा, जीत-नराम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को जीत मिली है। अब बिहार में भी मंत्रियों से किस प्रकार से मंत्री बनाए जाएंगे उसका फॉर्मूला भी सामने आ चुका है। बिहार सरकार में जिस फॉर्मूले से मंत्री बनाए गए थे। उसी तरह से केंद्र में भी मंत्री का पद दिया जाएगा। यानी, बिहार से भारतीय जनता पार्टी के जितने सांसद मंत्री बनेंगे, उतने ही जदयू के सांसद भी मंत्री बनेंगे। जदयू और भाजपा अलग-अलग जातीय समीकरण के हिसाब

▶10 पर

शपथ ग्रहण के जरिए चीन को हाशिए पर करने की रणनीति

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की लगातार तीसरी बार जीत के बाद नरेंद्र मोदी रविवार 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इसके साथ ही देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले दूसरे नेता बन जाएंगे। नरेंद्र मोदी के प्रत्येक निर्णय में दूरगामी संदेश और उद्देश्य निहित रहता है। इस बार शपथ ग्रहण समारोह में उन्हीं राष्ट्र प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है, जिससे चीन और पाकिस्तान को अलग-थलग किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी भारत सरकार का फोकस पड़ोसी देशों पर रहेगा और भारत उनसे बेहतर संबंध स्थापित करेगा। भारत सरकार की कोशिश चीन और पाकिस्तान जैसे देशों को अलग-थलग करने की है, क्योंकि ये दो पड़ोसी भारत के खिलाफ श्रीलंका, मालदीव, भूटान, नेपाल और बांग्लादेश का इस्तेमाल करने की रणनीति पर काम करते रहे हैं। भारत सरकार इन देशों से संबंधों को और प्रगाढ़ बनाकर चीन-पाकिस्तान की चाल नाकाम करने की नीति पर चलेगी।

इसीलिए शपथ ग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के नेताओं को विशिष्ट अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया गया है। इसे पड़ोसी देशों के प्रति भारत की प्राथमिकता के तौर पर देखा जा रहा है। लेकिन इस आमंत्रण से चीन और पाकिस्तान को अलग रखा गया है। भारत ने मालदीव के चीन-प्रेमी राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु तक को आमंत्रित किया है, जिन्हें भारत विरोधी बयानबाजी के कारण हाल ही में काफी अपमानित होना पड़ा था।

प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में श्रीलंका

▶10 पर

मोदी के तीसरे कार्यकाल में रक्षा मंत्री पर बड़ी सतर्कता

ताकि पूर्व रक्षा मंत्री की गलतियां दोहराई न जाएं

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार 9 जून को शपथ लेगी। एनडीए के तीसरे कार्यकाल में इस बार रक्षा मंत्री का पद किसे मिलता है, इस पर लोगों की निगाहें टिकी हैं। नए रक्षा मंत्री 11 जून तक पदभार संभाल लेंगे। रक्षा मंत्री जो भी बनेगा, उसके समक्ष कई नई चुनौतियां सामने आने वाली हैं। इनमें इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड, एलएसी पर चीन के साथ तनाव, नए थलसेना अध्यक्ष का चयन और अग्निवीर जैसे तमाम मुद्दे शामिल हैं। इन मसलों पर निर्णायक फैसले की पूरे देश को प्रतीक्षा है।

सिविल इंजीनियर को सेनाध्यक्ष बनाया, अग्निवीर का दुष्प्रयोग किया

सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मसलों पर रक्षा मंत्री को लेना होगा फैसला

रक्षा मंत्री के पद पर एनडीए गठबंधन में शामिल बड़े दलों की निगाहें हैं। जदयू ने रक्षा मंत्रालय देने की मांग की है। लेकिन रक्षा मंत्रालय भाजपा अपने पास रखना चाहती है, क्योंकि विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की नीतिया अंतरसम्बद्ध रहती हैं। जदयू अटल बिहारी वाजपेयी के जमाने का हवाला देकर रक्षा मंत्री का पद हासिल करना चाहता है। उस समय (1998-2004) जॉर्ज फर्नांडिस रक्षा मंत्री थे। देश में नए सेनाध्यक्ष की भी नियुक्ति होनी है। सरकार ने 26 मई को मौजूदा सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे को एक माह का सेवा विस्तार दे दिया था। उनका कार्यकाल 31 मई को खत्म होने वाला था। लेकिन अब वे 30 जून को रिटायर होंगे। सेनाध्यक्ष की नियुक्ति में रक्षा मंत्री की सीधी भूमिका नहीं होती, लेकिन भारतवर्ष में बिना राजनीति के कोई महत्वपूर्ण पद पर बैठने वाला अधिकारी निर्धारित ही नहीं होता। वैसे, लेकिन नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया में सेनाध्यक्ष की नियुक्ति की अनुशंसा वाले पैनल पर रक्षा मंत्री के ही हस्ताक्षर होते हैं और रक्षा मंत्री ही उन नामों को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (अपाइंटमेंट कमेटी ऑफ कैबिनेट, एसीसी) के समक्ष रखते हैं। एसीसी में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी शामिल होते हैं। नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति पर आखिरी फैसला प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट की नियुक्ति कमेटी ही लेती है। पहले ये फैसला कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी करती थी, जिसमें रक्षा मंत्री शामिल होते थे।

सेना में सुधार (मिलिट्री रिफॉर्म्स) सरकार के एजेंडे में शामिल है। अपने संकल्प पत्र में भी भाजपा ने इसे प्रमुखता से शामिल किया था। वहीं, सरकार ने सेना के थिएटराइजेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें नए सेनाध्यक्ष का अहम रोल होगा।

▶10 पर

जीतो ग्रोथ सम्मिट से ऊंचाई पर होगी समाज की ग्रोथ

जीतो ग्रोथ सम्मिट का हुआ आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक गायक, नर्तक, अभिनेता, राजनेता, खिलाड़ी आदि को उनकी कला प्रसिद्धि दिलाती है। ठीक उसी प्रकार से एक बड़े व्यापारी की पहचान उसके व्यापार से बनती है परंतु आज के प्रतिस्पर्धी समय में एक व्यापारी को अपने व्यापार को बड़ा बनाने में अनेकों मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। आज का व्यापारी अपने व्यापार को सुगम बनाने के अनेकों रास्ते ढूंढता है, अपने नेटवर्क, जान-पहचान, नाते-रिश्तेदार जैसे अनेकों मार्गों से बड़े व्यापार की सोच को वास्तव रूप देने की मशक्कत करता है। इन सभी कड़ियों के संगम व व्यापार की नई सोच तथा आधुनिक तकनीक को एक छत के नीचे समेटते हुए जीतो बेंगलूरु के व्यापारिक उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करने वाले दो दिवसीय जीतो ग्रोथ सम्मिट का आगाज बेंगलूरु पैलेस के चामरा वज्रा में हुआ।

ग्रोथ सम्मिट में विशाल ट्रेड फेयर, प्रेरक वक्ताओं के वक्तव्य, जीतो गॉट टैलेंट, युवा सम्मेलन, जेपीएफ सम्मेलन इत्यादि आयोजन से व्यापारिक उन्नति की एक राह निकलेगी। ग्रोथ सम्मिट के शुभारंभ जीतो एपेक्स, केकेजी जोन, बेंगलूरु जीतो के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। सभी गणमान्यों का स्वागत करते हुए जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि इस विकास सम्मेलन का उद्देश्य उद्योग जगत के दिग्गजों को एक साथ लाना है, ताकि वे नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों एवं प्रथाओं का पता लगाकर बेहतर व्यवसायिक परिणामों को बढ़ावा दे सके। उन्होंने कहा आयोजन में भाग लेने से व्यवसायिक नेटवर्किंग का एक मजबूत मंच मिलेगा। इस अवसर पर केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा ने कहा कि ग्रोथ सम्मिट से अपने ब्रांड को प्रदर्शित करने एवं व्यवसाय को नई ऊंचाइयो पर ले जाने के अवसर को भुनाना चाहिये। एपेक्स उपाध्यक्ष कुशाल गुलेच्छा ने कहा कि बरसो पूर्व तेजराज गुलेच्छा ने जीतो नाम की चिंगारी लगाई थी जो आज विशाल आग का रूप लेकर समाज को रोशनी दे रही है। जीतो एपेक्स के उपाध्यक्ष राजेंद्र छाजेड ने कहा कि ग्रोथ सम्मिट के माध्यम से केवल आर्थिक सुदृढ़ता ही नहीं मिलेगी बल्कि ज्ञान और व्यवसायिक रिश्तों का भी विकास होगा। एपेक्स के पूर्व अध्यक्ष गणपत चौधरी ने एकजुटता पर कहा कि अखंडता जरूरी है क्योंकि शक्तियों के बटवारे से बड़े आयोजन होना संभव नहीं है, जीतो आज इस मुकाम पर पहुंचा है तो केवल सदस्यों के पुरुषार्थ व साधु भगवंतों के अदृश्य आशीर्वाद से। उन्होंने कहा कि धर्म की सेवा करने के लिये घर छोड़ने वाले साधु भगवंतों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर तेजराज गुलेच्छा ने व्यवसाइयो से कहा कि जीतो की स्थापना हमारे जैन व्यवसाइयों की ग्रोथ के लिये की गई। इस ग्रोथ सम्मिट की खास बात यह है कि आयोजन से बचने वाले धन का उपयोग शिक्षा के जरूरतमंद भाइयो के लिये स्कॉलरशिप में किया जायेगा। जीतो बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश सिंघवी ने कहा कि ग्रोथ सम्मिट से व्यापारियों को दूरगामी परिणाम मिलेंगे। ग्रोथ सम्मिट आयोजन के अवसर पर रमेश बोहरा एवं हेमराज पालगोता ने श्रमण आरोग्यम योजना के ट्रस्टी बनकर साधु भगवंतों की सेवा में मजबूती से कदम बढ़ाये। उद्घाटन समारोह का संचालन महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने किया। इस अवसर पर वीडियो द्वारा एस पी गुलेच्छा बॉयज हॉस्टल की एक झांकी भी प्रस्तुत की गई। जीतो ग्रोथ सम्मिट में कला के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन के अवसर वाले आयोजन जीतो गॉट टैलेंट के सेमिफाइनल का आयोजन जीतो बेंगलूरु साउथ की महिला विंग की देख-रेख हुआ। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आये 550 प्रतिभागियों के ऑडिशन के पश्चात 60 प्रतिभागियों को चुना गया।

महिला अध्यक्ष सुनीता गांधी ने उपस्थित सभी सदस्यों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए शुभकामनाएँ दीं। महामंत्री मोनिका पीरगल ने जीतो गॉट टैलेंट की टीम से परिचय कराया एवं सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जीतो एपेक्स निदेशक विनोद जैन एवं हितेश पालरेचा ने सेमिफाइनल में पहुंचे सभी प्रतिभागियों का फाइनल में अच्छे प्रदर्शन हेतु मनोबल बढ़ाया। ऑडिशन में शामिल एकल गायन, समूह गायन, नृत्य, हूला हूप, रोप क्लाइम्बिंग, स्केटिंग, चित्रकारी, तबला वादन, गिटार वादन, बांसुरी वादन, ड्रम बजाना,क्लासिकल व भरतनाट्यम, बीट बॉक्सिंग आदि प्रतियोगिताओं के सेमिफाइनिलिस्ट का निर्णय निर्णायक एकता शाह, मेल्विन हेरी, राहुल शर्मा व चन्दना कांकरिया ने दिया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर एपेक्स महिला उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा, मेंटर ललिता गुलेच्छा, हेल्थ व न्यूट्रीशियन संयोजक निशा सामर, पूर्व अध्यक्ष मधु डोसी, अनीता पीरगल व पिंकी जैन, नॉर्थ अध्यक्ष बिंदु रायसोनी व महामंत्री सुमन वेदमुथा, गर्ल्स हॉस्टल संयोजक चित्रा मेहता के साथ साउथ उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी व प्रभा गुलेच्छा सहमंत्री नीलम ललवानी व तरुणा मेहता, निशा टूकलिया, उर्मिला बरडिया, बिंदु मेहता तथा कार्यकारिणी सदस्य रेखा जैन, लता बोहरा, ललिता नागौरी, पुष्पा गुलेच्छा,संगीता मालानी,नंदा मेहता, साक्षी नाहर, प्रतिमा जैन, सविता पोरवाल, रेश्मा बडोला, वसंती जैन आदि उपस्थित थे।

जीतो ट्रेड फेयर में खरीदी के लिये उमड़ी भीड़ से अमित ओसतवाल ने कहा कि यह देखकर खुशी हुई कि युवा व्यापार में रुचि दिखा रहे है। एक और आगंतुक मंजु लुनावत ने कहा कि प्रदर्शनी की व्यवस्थाएं अच्छी है और खरीददारी हेतु अनेकों विकल्प उपलब्ध है। एक दंपति चंदन गुप्ता व विजया गुप्ता ने कहा कि प्रदर्शनी स्थल पर वातानुकूलित व्यवस्था अच्छी है, लेकिन खरीददारों को ज्यादा छूट की आस है।

रणनीतियों को समझाया

जीतो ग्रोथ सम्मिट में दिन भर युवा विंग की विभिन्न गतिविधियाँ रही, जिसमें उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ डेट प्रमुख रही जिसके अन्तर्गत 250 से अधिक युवा सदस्यों ने उद्योग दिग्गजों के साथ गोलमेज सम्मेलन में उद्योग की बारीकियों को जाना।

सम्मेलन में जीतो प्रोफेशनल फोरम द्वारा वित्तीय उद्योग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें वित्तीय उद्योग के विशेषज्ञ वरुण मल्होत्रा ने शेयर बाजार में आगे बढ़ने के लिये मूल्यवान दृष्टिकोण व व्यावहारिक सुझाव दिये। उन्होंने शेयर बाजार में निवेश की मूल बाते, वित्तीय लक्ष्य निर्धारण व जोखिम का आंकलन, पोर्टफोलियो निर्धारण तथा दीर्घकालिक धन सृजन की रणनीतियों को समझाया। जीतो ग्रोथ सम्मिट व ट्रेड फेयर की व्यवस्थाओं को अंजाम देने के लिये जीतो बेंगलूरु साउथ की पूरी टीम व कार्यालय कर्मचारी सजग दिखे। उपाध्यक्ष अशोक गजानन के अनुसार रविवार को आयोजित होने वाले हर्षवर्धन जैन व जया किशोरी के कार्यक्रमों की तैयारियाँ पूरी हो चुकी है।

मोदी की कमजोर गठबंधन सरकार के लिए 5 साल पूरे करना होगा मुश्किल : एमबी पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गठबंधन सरकार कमजोर है और पूरे पांच साल तक सरकार चलाना मुश्किल है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर निर्भर रहना होगा। नीतीश कुमार जब और जहां चाहते हैं अपना रुख बदलते रहते हैं। इसलिए सरकार का कार्यकाल पूरा करना आसान काम नहीं है। राजस्थान, महाराष्ट्र और बिहार समेत कई जगहों पर बीजेपी को झटका लगा है। कांग्रेस ने राज्य में 9 सीटें जीती हैं। उसके कारण सभी जानते हैं।

उन्होंने कहा कि हम इस पर चारदीवारी के भीतर चर्चा करेंगे। उन्होंने वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में मंत्री शरण प्रकाश पाटिल का नाम आने पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा हमें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि उनका व्यक्तित्व साफ-सुथरा है। पूरे राज्य के लोग जानते हैं कि शरणप्रकाश पाटिल, जो एक सक्रिय मंत्री हैं, सबूत नष्ट करने वाले और भ्रष्टाचार करने वाले व्यक्ति नहीं हैं। निगम का प्रबंध निदेशक बहुत भ्रष्ट व्यक्ति है। वह कल मेरा नाम लिख सकता है। क्या अब भी प्रश्न पूछना संभव है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मौखिक निर्देश दिया हो, तो क्या उस पर विश्वास किया जाएगा? यह किसी एक पार्टी तक सीमित नहीं है। किसी भी पक्ष से सोच-समझकर बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पकड़े गये भ्रष्टाचारियों की बातों पर विश्वास करने से पहले सोचना होगा। कई निगमों में ऐसे लोग हैं जो इस तरह धन का दुरुपयोग करते हैं। मैंने स्वयं हमारे विभाग में कई खामियाँ पाई हैं। मंत्री ने शरणप्रकाश पाटिल के पक्ष में वकालत करते हुए कहा कि हो सकता है कि यह भ्रष्टाचार न हो, लेकिन खामियां भी हुई हैं।

मौलिकता रहे सुरक्षित, परिवर्तन सदा अपेक्षित: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर द्वारा एबीटीएमएम द्वारा निर्देशित आचार्य श्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस विसर्जन दिवस पर विदुषी साध्वी उदित यशाजी के सानिध्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वीजी के नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला प्रारंभ हुई। बहनों द्वारा तुलसी अष्टकम का संगान किया गया।

अध्यक्षा सुमन पटावरी ने सभी का स्वागत किया। बहनों ने सुमधुर गीत से मंगलाचरण किया। मौलिकता रहे सुरक्षित, परिवर्तन सदा अपेक्षित'' विषय पर पूर्व अध्यक्ष कंचन छाजेड़, सरोज आर. बैद एवं लता बाफना ने अपने विचार रखते हुए कहा जड़ को सिंचित किए, बिना कोई पल्लवित नहीं हो सकता और आधारभूत परिवर्तन आगे बढ़ाने के लिए सदैव अपेक्षित है। आचार्यों द्वारा समय के साथ परिवर्तन को आवश्यक बताया गया है। साध्वी संगीतप्रभा जी के सुरीले संगान से पूरी परिषद भावित हो गई। साध्वी भव्ययशा जी ने विसर्जन के महत्व को बताते हुए अपने विचार रखें। साध्वी उदितयशा जी ने विषय पर और प्रकाश डालते हुए कहा कि विसर्जन की परंपरा तेरापंथ धर्मसंघ मे आचार्य भिक्षु से चली आ रही है। संग्रह प्रवृत्ति को छोड़ विसर्जन करने वाला व्यक्ति ही महान होता है। पद के पीछे भागने वाला नेता कार्य को गौण कर देता है। अहंकार, आशक्ति, ममत्व, पद आदि का यथा समय विसर्जन होना चाहिए। इस अवसर पर साध्वी ने डिजीटल डिटॉक्स की बात कहते हुए उपस्थित सभी श्रावक श्राविकाओं को महीने में एक दिन मोबाइल का सीमित उपयोग का संकल्प करवाया। कार्यशाला का सुंदर संचालन संयोजिका आशा लोढ़ा एवं सह-संयोजिका ममता सिंघवी ने किया। आभार मंत्री पदमा मेहर ने किया।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी शिष्या साध्वी उदितयशा जी की विशेष प्रेरणा से राजाराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद एवं तेरापंथ महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

तेरापंथ धर्मसंघ की तीनों मुख्य संस्थाओं के पूर्व व वर्तमान सभी पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण एवं अन्य सदस्यगणों से सुसज्जित कार्यशाला में साध्वीवृन्द ने कार्यकर्ताओं को एक नये परिप्रेक्ष्य से अवगत कराया। साध्वी शिक्षाप्रभाजी ने एक सुमधुर गीतिका से सबको तन्मय कर दिया। साध्वी संगीतप्रभाजी ने दायित्व बोध में समुच्चारित एक-एक संकल्पों का विश्लेषण करते हुए कहा कि पद पर आप आज आए हो कल कोई और आएगा, लेकिन धर्मसंघ के कार्यकर्ता आप आजीवन रहोगे। कोई भी संस्था बिना नियम, संविधान, अनुशासन, मर्यादा के नहीं हो सकती। संस्था के पद पर आने वाला व्यक्ति का गरिमामयी होना आवश्यक है। हमें संघ का आभारी होना चाहिए, क्योंकि संघ ने हमें पहचान दी है। हमारे संघ को केवल कार्यकर्ता नहीं श्रावक कार्यकर्ता चाहिए। साध्वी उदितयशाजी ने कहा संगठन का आधार आध्यात्म होना चाहिए, निरन्तरता होनी चाहिए। सही नेतृत्व नये कार्यकर्ता तैयार करें। सफल नेतृत्व हेतु तीन बातें आवश्यक हैं, चिन्तन, निर्णय एवं क्रियान्विति। श्रेष्ठ नेतृत्व वह होता है जो पूर्व अध्यक्ष द्वारा किये गए कार्यो का निरन्तर विकास करे। साथ ही गुरु इंगित नये कार्यों को करते हुए संघ की प्रभावना में वृद्धि करे।

पहली बार हुई इस तरह की कार्यशाला में सभी कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से प्रेरित किया। प्रसन्नता की बात है कि हमारे एक आह्वान पर राजाराजेश्वरी नगर की सभी संस्थाओं ने तुरन्त ही कार्यशाला का आयोजन किया एवं उपस्थित होकर मनोयोग से सुना। यह आपकी जागरूकता का परिचायक है। इस तरह के प्रशिक्षण समय-समय पर होते रहने चाहिए एवं कम से कम तीन घंटे की होनी चाहिए एक अत्यंत मन्त्रमुग्ध वातावरण में कार्यशाला संपन्न हुई।

हृदयालय के ब्लड बैंक का अवलोकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने नारायण हृदयालय के ब्लड बैंक का अवलोकन अभातेयुप परिवार, तेयुप विजयनगर टीम के साथ किया। नारायण हृदयालय प्रतिदिन लगभग 40 से 50 रक्त यूनीट्स संग्रहीत कर एडवांस तकनीक द्वारा प्रसंस्करण कर जरूरतमन्दों को उपलब्ध करवाती है।

ब्लड बैंक मैनेजर भानुप्रकाश ने बताया कि बैंक यूनिट्स के संग्रहण से ज्यादा रक्त यूनिट्स की जरुरत रहती है, जिसे तेयुप विजयनगर जैसी संस्थाओं के सतत सहयोग से संग्रहित किया जाता है। उन्होंने बताया कि एन.एच ब्लड बैंक देश की गिनी चुनी ऑटोमैटिक लैब्स में से एक है। इस अवसर पर बेंगलूरु संभाग प्रमुख एवं एमबीडीडी साउथ कर्नाटक प्रभारी अमित दक ने एसडीडीपी की यूनिट का दान किया। इस अवसर पर दिनेश मरोठी, अमित दक, राकेश दक, राकेश पोखरणा, अरविंद दक, कन्यालाल गांधी, कमलेश चोपड़ा उपस्थित रहे।

हम सभी चाहते हैं कि राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनें: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम के धन के अवैध हस्तांतरण के मामले में एसआईटी अधिकारी आरोपियों द्वारा बताए गए नामों का सत्यापन करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कई गिरफ्तार आरोपियों के नाम और परिस्थितियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारी इसकी जांच करेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे। हम जांच के स्तर पर किसी भी तरह का बयान, सिफारिश या हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम किसी भी तरह की व्याख्या नहीं करते। सिर्फ आरोपी ही नहीं बल्कि जनता भी अलग-अलग राय व्यक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि एसआईटी के अधिकारी घोटाले के आरोपियों के कहे अनुसार मंत्री के सीसीटीवी फुटेज को जब्त करने और उसकी जांच करने की भी कार्रवाई करेंगे। लोकसभा चुनाव की चल रही प्रक्रिया के कारण पीएसआई पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में देरी हुई। अब आचार संहिता पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि अब भर्तियों में तेजी लायी जायेगी। तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी को बधाई। जवाहरलाल की तरह

नरेंद्र मोदी भी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, ऐसा उन्होंने खुद दावा किया है। हम सभी चाहते हैं कि राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनें। इसका फैसला कांग्रेस पार्टी और भारत गठबंधन करेगा। राहुल गांधी ने लोगों की समस्याओं को समझने के लिए देश भर में सफलतापूर्वक यात्रा की है। राहुल गांधी संसद में ज्वलंत मुद्दे उठाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह चुने जाते हैं तो यह कांग्रेस पार्टी के लिए अच्छा होगा।

विधायक ने लिया राष्ट्रसंत नरेश मुनि का आशीर्वाद

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली धारवाड़ सेंट्रल क्षेत्र के विधायक महेश टेंगिंकाई ने कंचगार गल्ली स्थित स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत श्रमण संघीय उप प्रवर्तक नरेश मुनि, युवा मनीषी शालिभद्र मुनि के दर्शन वंदन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान राष्ट्रसंत श्रमण संघीय उप प्रवर्तक नरेश मुनि ने फरमाया की टेंगिंकाई सदैव ही जनता की सेवा के लिए तत्पर हैं। वे जनता से साथ सीधे जुड़े हुए रहते है। इस दौरान स्थानकवासी समाज हुब्बल्ली के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने कहा टेंगिंकाई का जुड़ाव क्षेत्र की जनता के साथ बहुत अच्छा है। वे विकास कार्य के लिए तत्पर रहते है। इस दौरान स्थानकवासी समाज हुब्बल्ली के अध्यक्ष उकचंद बाफना, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट ने विधायक टेंगिंकाई का समस्त जैन समाज की तरफ से सम्मान किया। इस दौरान स्थानकवासी समाज के सह कार्यदर्शी महेंद्र विनाकिया, निदेशक गौतम गोलेछा, प्रकाश बाफना, सुरेश बोहरा, मागराज बलाघाट, आशीष बोहरा, भारतीय जैन संघठना हुब्बल्ली शाखा के अध्यक्ष प्रकाश कवाड़, जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा के राष्ट्रीय युवा मंत्री सुभाषचंद्रा डंक सहित अन्य उपस्थित थे। इस दौरान टेंगिंकाई ने सम्मान के लिए सभी का आभार जताया।

अंत में राष्ट्रसंत श्रमण संघीय उप प्रवर्तक नरेश मुनि ने मांगलिक देकर सभी को आशीर्वाद दिया।

मैं असफलता से कभी नहीं भागूंगा

हमेशा भाजपा का सदस्य रहूंगा: रघुपति भट

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व विधायक रघुपति भट ने कहा मैं असफलता से कभी नहीं भागूंगा, मैं इसे स्वीकार करूंगा। मैं हमेशा भाजपा का सदस्य रहूंगा। यहां शनिवार को मीडिया को संबोधित करते हुए भट ने कहा समय की कमी के कारण, मैं सभी से उनके बहुमूल्य वोट के लिए संपर्क नहीं कर सका।

मैंने बड़ी उम्मीदों के साथ एमएलसी चुनाव लड़ा था, लेकिन असफलता की उम्मीद नहीं थी। मैं इस चुनाव में लगातार मेरा समर्थन करने वाले प्रत्येक व्यक्ति से संपर्क करूंगा और मैं उनका धन्यवाद करना चाहूंगा। कई लोगों ने अपनी पार्टी की संबद्धता की परवाह किए बिना मेरी मदद की है और मैं हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। अपनी उम्मीदवारी के कारण पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, मुझे वास्तव में निराशा हुई जब भाजपा ने मुझसे वादा करने के बावजूद किसी अन्य उम्मीदवार को एमएलसी सीट की पेशकश की। इस चुनाव में किसी पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं है, इसलिए मेरे भाग लेने से भाजपा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा ने जीतने वाले उम्मीदवार को सीट की पेशकश केवल उसके वित्तीय संसाधनों के कारण की। मैंने इस मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए चुनाव लड़ा। चुनाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा उडुपी क्षेत्र ने मुझे बड़े पैमाने पर समर्थन दिया। मैं जरूरतमंदों की मदद करने के लिए विधान परिषद का सदस्य बनना चाहता था, जैसा कि मैंने हमेशा किया है। मुझे खुशी है कि मैंने निष्पक्ष चुनाव लड़ा। मैंने कभी भी मतदाताओं को रिश्वत देने या झूठे वादे करने का सहारा नहीं लिया। मैंने उनके वोट किसी वास्तविक कारण से मांगे। भाजपा द्वारा मुझे सांसद पद की पेशकश किए जाने के बाद भी मैं अपने फैसले से पीछे नहीं हटा, क्योंकि कई लोगों ने मेरी मदद की और मैं उन्हें धोखा नहीं देना चाहता था। मतदाता नामांकन के विषय पर, भट ने कहा तटीय कर्नाटक क्षेत्र में नामांकन सीमित है। मैं चाहता हूं कि नामांकन प्रणाली में बदलाव हो। एक बार स्नातकों का नामांकन हो जाने के बाद, उनका नामांकन आजीवन जारी रहना चाहिए। विश्वविद्यालयों में, नामांकन हर तीन साल में स्वचालित रूप से पंजीकृत होना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा सदस्य शिवराम उडुपा, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष जराल फर्नांडिस, उपेंद्र नायक, महेश टाकुर, रोशन शेट्टी आदि उपस्थित थे।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में 11 जून तक ऑरेंज अलर्ट

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अगले चार दिनों तक तटीय क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। 11 जून तक ऑरेंज अलर्ट लागू है, इसके बाद 12 जून को येलो अलर्ट जारी किया जाएगा। शुक्रवार को दक्षिण कन्नड़ जिले में मानसून ने थोड़ी गति पकड़ी। शुक्रवार सुबह मेंगलूरु शहर, उल्लाल और आसपास के अन्य ग्रामीण इलाकों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। शनिवार को फिर से कई इलाकों में दोपहर तक भारी बारिश दर्ज की गई। मेंगलूरु में शुक्रवार सुबह 31.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार, अगले सात दिनों में तटीय क्षेत्र में एक या दो स्थानों पर तेज हवाओं के साथ भारी बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

शुक्रवार को तटीय क्षेत्र में मौसम धूप और बादलों के बीच बदलता रहा, जिससे अपेक्षाकृत ठंडा तापमान रहा। आईएमडी के पूर्वानुमान में दक्षिण कन्नड़, उडुपी और कासरगोड जिलों में गरज के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है।

शुक्रवार को अरब सागर में तेज हवाएं चलने की संभावना थी। अगले 48 घंटों में कर्नाटक और गोवा में भारी बारिश का अनुमान है। शुक्रवार को जिले में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

गैस रिसाव के बाद करीब 20 लोग अस्पताल में भर्ती

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बाहरी इलाके हेल केसारे में शुक्रवार शाम को एक स्क्रैप यार्ड में सिलेंडर से लीक हुई गैस के कारण बीमार पड़े करीब 20 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि प्रभावित लोगों ने गैस के कारण सांस लेने में तकलीफ, खांसी और गले और सीने में बेचैनी की शिकायत की।

गैस के क्लोरीन होने का संदेह है। यह गैस इलाके के एक स्क्रैप यार्ड में सिलेंडर से लीक हुई थी। ऐसा माना जा रहा है कि स्क्रैप यार्ड में सिलेंडर को संभालने के दौरान उसमें बची हुई गैस सिलेंडर से बाहर निकल गई। सांस लेने में तकलीफ, गले और सीने में तकलीफ जैसी शिकायतों की शिकायत करने वाले प्रभावित व्यक्तियों को इलाज के लिए आसपास के विभिन्न निजी अस्प-तालों और सरकारी जिला अस्प-ताल ले जाया गया। एक अधिकारी ने कहा प्रभावित व्यक्तियों का इलाज किया गया और स्थिति नियंत्रण में है।

मैसूरु के डिप्टी कमिश्नर के.वी. राजेंद्र ने शुक्रवार रात को स्थिति का जायजा लेने के लिए स्क्रैप यार्ड का दौरा किया।

स्क्रैप यार्ड चलाने वाले व्यापारी के खिलाफ एन.आर. पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

गैस खाली किए बिना सिलेंडरों की बिक्री और स्क्रैप यार्ड में सिलेंडरों को संभालने की प्रक्रिया के दौरान पालन किए जाने वाले नियमों की जांच की जा रही है। इस बीच, स्वास्थ्य कार्यकर्ता इलाके में घूम रहे थे और निवासियों से पूछ रहे थे कि क्या उन्हें कोई अन्य लक्षण महसूस हो रहा है।

तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता वाले लोगों को अस्पताल पहुंचाने के लिए इलाके में एक एम्बुलेंस तैनात की गई थी। इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि वे स्क्रैप यार्ड में संग्रहीत सभी सिलेंडरों को निष्क्रिय करने की योजना बना रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें बची हुई गैस, यदि कोई हो, को निकाल दिया जाए।

राज्य में लगातार हो रही बारिश के बाद सूखे से परेशान किसान खुश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मई महीने के बाद राज्य में लगातार बारिश हो रही है, जिससे सूखे से परेशान किसान समुदाय में खुशी आ गई है। साथ ही प्रमुख जलाशयों में पानी की आवक और भी खुशी देने लगी है। राज्य के 14 प्रमुख जलाशयों में से मालाप्रभा जलाशय को छोड़कर सभी जलाशयों में पानी का प्रवाह शुरू हो गया है। हालाँकि आवक अपेक्षा के अनुरूप नहीं थी, फिर भी सभी जलाशयों में कुछ-न-कुछ आवक देखी गई। पिछले साल मानसून और मानसूनी बारिश की भारी कमी के कारण राज्य सूखे की काली छाया में था। पिछली गर्मियों में सचमुच धूप वाली भूमि बन गई थी। राज्य में मानसून की बारिश शुरू हो चुकी है और लगातार हो रही है।

इससे कृषि गतिविधियां शुरू हो गई हैं। राज्य के 14 प्रमुख जलाशयों में सिर्फ 174.32 टीएमसी फीट पानी है। पिछले साल इसी अवधि में 192.75 टीएमसी फीट पानी था। पिछले साल की तुलना में जल भंडारण 18 टीएमसी कम है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के मुताबिक, 22 हजार क्यूसेक से ज्यादा का इनफ्लो है। लगातार बारिश से आवक और बढ़ने की संभावना है। तुंगभद्रा जलाशय में 1,400 क्यूसेक से अधिक, अलमत्ता में 2,500 क्यूसेक से अधिक और नारायणपुर जलाशय में 12,000 क्यूसेक से अधिक का प्रवाह है। कावेरी बेसिन के जलाशयों में कुल प्रवाह 15,000 क्यूसेक से अधिक है। जलविद्युत उत्पन्न करने वाले लिंगनमक्की, सुपा और वरही जलाशयों में 1,500 क्यूसेक से अधिक पानी बह रहा है। हरंगी और हेमावती जलाशय, जिन्हें कावेरी से पानी नहीं मिलता, में मामूली प्रवाह है। केआरएस जलाशय में 1,400 क्यूसेक से अधिक का प्रवाह है जबकि काबिनी जलाशय में 3,000 क्यूसेक से अधिक का प्रवाह है। इन चारों जलाशयों में सिर्फ 34 टीएमसी फीट पानी है। पिछले साल 33.50 फीट टीएमसी पानी था। अनुमान है कि इस बार मानसून सामान्य रहेगा। साथ ही अभी एक सप्ताह और बारिश का अनुमान है। इसलिए आमद बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन केरल के वायनाड हिस्से में भारी बारिश नहीं हुई है, भले ही यह मानसून अवधि से पहले शुरू हो गई हो।

खाद्य तेल का टैंकर पलटा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के संथेकट्टे में एक खाद्य तेल का टैंकर उस वक्त पलट गया, जब चालक निर्माणाधीन अंडरपास क्षेत्र से गुजरते समय नियंत्रण खो बैठा। यह घटना शनिवार सुबह प्रकाश में आई। ऐसा संदेह है कि टैंकर चालक द्वारा गलती से उडुपी से कुंडापुर जाने वाली बंद सर्विस रोड पर गाड़ी चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई। कीचड़ के कारण सड़क की स्थिति खराब हो गई थी, जिसके कारण वाहन नियंत्रण खो बैठा और अंततः निर्माणाधीन अंडरपास साइट पर पलट गया।

वाल्मिकी विकास निगम मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं: मंत्री शरणप्रकाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरणप्रकाश पाटिल ने स्पष्ट किया है कि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति के धन के अवैध हस्तांतरण के मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है, मैं आरोपी प्रमाण पत्र में उल्लिखित दिन पर कार्यालय नहीं गया था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच में आरोपियों ने एक सर्टिफिकेट जमा किया है। मैंने जो पढ़ा उसके अनुसार मेरी मुलाकात मंत्री के कार्यालय में एक व्यक्ति से हुई।

इस संदर्भ में वहां के दृश्यों को संरक्षित करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह नहीं कहा कि बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री मौजूद थे। सर्टिफिकेट के आधार पर कोर्ट जांच का निर्देश दे। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं 24 तारीख को मंत्री के कार्यालय नहीं गया। तब आचार संहिता लागू थी। विकास सौधा स्थित उनका कार्यालय सरकारी संपत्ति है। वहां बहुत सारे लोग आते, बैठते और जाते हैं। जब मैं वहां नहीं था तब भी कई विधायक आते थे और बैठकर बात करते थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका हमसे कोई लेना-देना नहीं है। वह मेरा निजी कार्यालय नहीं है। इसलिए मुझे सीसीटीवी चेक करने की जरूरत नहीं है। यदि आप मुझे पूछताछ के लिए नोटिस देंगे तो मैं सहयोग करूंगा। अगर दफ्तर में ऐसी चर्चाएं और बैठकें होती हैं तो इसकी जांच कराई जाए। मुझे इस मामले के बारे में मीडिया से पता चला। इसके अलावा मुझे कोई जानकारी नहीं है। सर्टिफिकेट की बात सामने आते ही मैंने पूछताछ की। लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि ऐसी कोई बैठक नहीं हुई थी। उन्होंने कहा मेरी अनुपस्थिति में जो कुछ हुआ उसके लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूं, मेरे कार्यालय में जो हुआ उसकी जांच कराकर सच्चाई सामने आने दीजिए। विपक्षी दलों द्वारा मेरा इस्तीफा मांगने का कोई औचित्य नहीं है। वे किस आधार पर ऐसी मांग कर रहे हैं? मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं पहले 5 साल तक मंत्री के रूप में काम कर चुका हूं। मैं भ्रष्टाचार और घोटालों के खिलाफ हूं। उन्होंने कहा कि उन्हें पारदर्शी व्यवस्था पर भरोसा है।

एसआईटी ने प्रज्वल रेवन्ना की गर्लफ्रेंड को पूछताछ में शामिल होने का नोटिस दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार आरोपी प्रज्वल रेवन्ना की विदेश में मदद करने वाली उसकी गर्लफ्रेंड को एसआईटी ने नोटिस जारी किया है।

पेन ड्राइव का वीडियो वायरल होने के बाद प्रज्वल वोटिंग के बाद जर्मनी जाकर छुप गए थे। एसआईटी जांच से यह बात सामने आई है कि जब प्रज्वल करीब 34 दिनों तक बिना किसी से संपर्क किए जर्मनी में था तो उसकी गर्लफ्रेंड ने उसकी मदद की थी। इसलिए एसआईटी अधिकारियों ने प्रज्वल की गर्लफ्रेंड को सुनवाई में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया है। यौन उत्पीड़न का मामला सामने आने के बाद सरकार ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। मामला दर्ज होने के बाद प्रज्वल को सुनवाई में शामिल होने के लिए नोटिस दिया गया था, लेकिन वह नहीं आये। प्रज्वल ने दो बार फ्लाइट का टिकट बुक किया था और आखिरी वक्त में उसे कैंसिल कर दिया था। बाद में 31 मई को जब प्रज्वल आधी रात को बेंगलूरु पहुंचे तो एसआईटी अधिकारियों ने उन्हें ह वाई अड्डे पर हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

राहुल गांधी का कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक

क्या यह घोटाले पर पर्दा डालने की कोशिश है? अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने शुक्रवार को कहा कि क्या राहुल गांधी वाल्मिकी विकास निगम के 187 करोड़ के गबन घोटाले पर पर्दा डालने के लिए केपीसीसी कार्यालय में बैठक करने आये थे? क्या बैठक मुख्यमंत्री का इस्तीफा लेने के लिए बुलाई गई थी। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा यह वह सरकार है जिसने दलितों का पैसा लूटा है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या वह इस सरकार का इस्तीफा मांगने आये हैं। उन्होंने कहा ऐसा लगता है कि घोटालों का एक बहुत बड़ा नेटवर्क है। ऐसा

लगता है कि हर किसी ने फायदा उठाया है। इसलिए सभी संदेहों का उत्तर दिया जाना चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि नागेंद्र का इस्तीफा बड़ी मुश्किल से बिना कोई जवाब दिए अनुष्ठानिक तरीके से लिया गया। उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, गिरफ्त-ारी का काम सीबीआई पर छोड़ दीजिए। प्रदेश की पूरी कांग्रेस सरकार भ्रष्ट है। उन्होंने यह भी पूछा कि दलितों का पैसा दूसरे राज्यों में पहुंचाने और सबूत मिटाने पर आपके पास क्या जवाब है। डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने मांग की कि यदि मुख्यमंत्री में नैतिकता, मूल्य और अपने अनुभव के प्रति सम्मान है तो उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए। आपके विभाग में घोटाला हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से नैतिक जिम्मेदारी पर इस्तीफा देने की मांग की। बिना सबकी भागीदारी के, बिना सरकार की सहमति के, बिना सबके ध्यान में आए राज्य के खजाने से पैसा ट्रांसफर करना कैसे संभव है? मुख्य लेखाकार परशुराम ने अपने शपथ पत्र में यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि साक्ष्य नष्ट न हों। इस घोटाले को लेकर 25 मई को चिकित्सा मंत्री शरणप्रकाश पाटिल के कक्ष में मंत्री नागेंद्र और वाल्मिकी निगम के चेयरमैन-विधायक बसवनगौड़ा दद्दल के साथ मामले पर चर्चा हुई। इसलिए उन्होंने उस बैठक के सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने के लिए अदालत में एक हलफनामा दायर किया था। इन लोगों की सुरक्षा, प्रतिनिधित्व, सशक्तिकरण और विकास के लिए डॉ. अम्बेडकर ने आरक्षण दिया है। उस दौड़ में शामिल होकर और आरक्षण क्षेत्र से चयनित होकर वे किस तरह का विश्वासघात कर रहे हैं? नागेंद्र और दद्दल देश को लूट रहे हैं। वह कमीशनखोर है। यह सीधे राजकोष से लूट है। वित्त मंत्री सिद्धरामैया की आवाज चली गई है।

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *मैसूरु और कोडागु निर्वाचन क्षेत्र के नए सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने बेंगलूरु से नई दिल्ली की यात्रा से पहले बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अधिकारियों से चर्चा की। यदुवीर ने अधिकारियों के साथ बैठक की और मैसूरु हवाई अड्डे और विमानन के उन्नयन से संबंधित आवश्यक कार्य करने के लिए जानकारी प्राप्त की। यदुवीर ने संबंधितों से चर्चा कर जल्द ही इसे लागू करने का वादा किया।*

दिल्ली-हरियाणा में आपा से गठबंधन तोड़ सकती है कांग्रेस

सीडब्ल्यूसी बैठक में चर्चा, राहुल के वायनाड सीट छोड़ने के आसार

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस दिल्ली और हरियाणा में आम आदमी पार्टी आपा से गठबंधन तोड़ सकती है। वहीं, राहुल वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे। यह संकेत शनिवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की मीटिंग से मिले हैं।

मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस महिला मोर्चा की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा, भ्रष्टाचार के आरोप में केजरीवाल समेत बड़े नेताओं के जेल में होने और स्वाति मालीवाल से मारपीट की वजह से कांग्रेस पार्टी को गठबंधन से नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि पंजाब में हमने आपा के साथ गठबंधन नहीं किया, इसका हमें सीधा फायदा हुआ है।

सीडब्ल्यूसी की मीटिंग दिल्ली के अशोका होटल में करीब 3 घंटे चली। राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने के लिए पार्टी सांसदों ने एक प्रस्ताव भी पारित किया। इस पर राहुल ने कहा, मुझे सोचने का वक्त दीजिए। यह पद पिछले 10 साल से खाली है। लोकसभा में पिछले 10 साल से नेता

प्रतिपक्ष का पद खाली है। 2014 में कांग्रेस को 44 सीटें और 2019 में 52 सीटें मिली थीं। भाजपा के बाद सबसे ज्यादा सीटें कांग्रेस को मिली थीं। फिर भी कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी नहीं मिली थी। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए किसी भी पार्टी के पास लोकसभा की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटें होना चाहिए। यानी 543 सीटों में से कांग्रेस को इसके लिए 54 सांसदों की जरूरत होती है। कांग्रेस ने इस बार अपने दम पर 99 सीटें हासिल की हैं।

2014 में विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद भी उस वक्त पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देने से इनकार कर दिया था। पिछली लोकसभा में कांग्रेस का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर रहा, लेकिन तब भी 54 सीटें नहीं हुईं। अधीर रंजन चौधरी कांग्रेस के नेता बनाए गए, लेकिन नेता प्रतिपक्ष तब भी कोई नहीं हो सका।

बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के कई अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। बैठक में खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में हो या नहीं, हमें निरंतर काम करते रहना है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस कार्यसमिति देशभर में फैले कांग्रेस पार्टी के नेताओं और करोड़ों कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करती है, जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में अथक परिश्रम किया। मैं आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प और परिश्रम के लिए बधाई देता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि जनता ने हम पर विश्वास जताकर तानाशाही शक्तियों और संविधान विरोधी ताकतों को कड़ा जवाब दिया है। हिंदुस्तान के मतदाताओं ने भाजपा के 10 साल की विभाजनकारी, नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति को खारिज किया है। इसके अलावा कांग्रेस नेता ने कांग्रेस के सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी। कहा कि18वीं लोकसभा का सदस्य बनने पर सभी को शुभकामनाए। आप लोगों ने विपरीत परस्तिथियों में चुनाव लड़कर जीत हासिल की।

खरगे ने सोनिया गांधी का भी आभार जताया। कहा, इस अवसर पर मैं सोनिया गांधी को भी धन्यवाद देना चाहूंगा, जिन्होंने चुनाव की तैयारियों, गठबंधन की बैठकों में बढ़चढ़कर भाग लिया और अपने लंबे अनुभव के आधार पर हम सब का मार्गदर्शन किया।

मैं लोगों के चहेते राहुल गांधी को भी बधाई दूंगा, जिन्होंने संविधान, आर्थिक गैर बराबरी, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय और सौहार्द्र जैसे मसलों को जन-जन का मुद्दा बना दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह राहुल के नेतृत्व में दो साल पहले चार हजार किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा और फिर 6,600 किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का फल है, जिसकी मदद से हमें जनता से जुड़ने और उनकी समस्याओं, सरोकारों, और आकांक्षाओं को जानने में मदद मिला। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी ने अपना चुनावी अभियान तैयार किया। इसके अलावा, खरगे ने प्रियंका को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम प्रियंका को अमेठी और रायबरेली के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी जोरदार प्रचार करने के लिए बधाई देते हैं।

केजरीवाल के प्रिय विभव कुमार को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रिय सहयोगी विभव कुमार को जमानत देने से अदालत ने फिर इन्कार कर दिया। विभव कुमार को मई में आपा की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हमला करने और उनके साथ बदसलूकी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

तीस हजारी कोर्ट की विशेष न्यायाधीश एकता गौबा मान ने उन्हें जमानत देने से इनकार किया। उन्होंने कहा, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि विभव कुमार पर माननीय मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर राजनीतिक दल की एक महिला सदस्य के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप है, जहां न केवल उनके राजनीतिक दल के निर्वाचित सदस्य माननीय मुख्यमंत्री से मिल सकते हैं बल्कि यहां तक कि आम जनता भी अपनी शिकायतों के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री से मिल सकती है। इससे आम जनता के मन में अपने नेता से मिलने के लिए डर और घबराहट पैदा होती है।

जज एकता गौबा ने कहा कि पीड़िता के मन में अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर डर है और उसे लगातार धमकियां मिल रही हैं। जज ने कहा कि यह भी माना गया कि जमानत मिलने पर विभव कुमार गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। बता दें कि विभव कुमार अभी न्यायिक हिरासत में हैं। स्वाति मालीवाल की मेडिकल जांच रिपोर्ट के अनुसार उन्हें लगी चोटें स्पष्ट हैं। कोर्ट में विभव कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर भी विचार किया गया। विभव पर आईपीसी की धारा 308, 341, 354, 354बी, 506, 509 और 201 के तहत आरोप लगाए गए हैं। ये सभी आरोप गंभीर हैं।

विभव कुमार ने मुख्यमंत्री आवास के ड्राइंग रूम में स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट की थी। गंदी गालियां दी थीं और उनके साथ बदसलूकी की थी। कोर्ट ने इस तथ्य को भी ध्यान में रखा कि विभव कुमार मुख्यमंत्री के निजी सचिव हैं और उन पर न केवल उसी पार्टी के संसद सदस्य, बल्कि एक महिला के साथ भी दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है।

ईडी ने छत्तीसगढ़ में फिर की छापेमारी

रायपुर, 08 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कस्टम मिलिंग घोटाला की जांच के संबंध में छत्तीसगढ़ के विभिन्न ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी की।

ईडी की टीम ने आज दो शहरों में छापेमारी की। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ शहर में राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल के यहां ईडी की छापेमारी चल रही है।

अग्रवाल के घर में आज सुबह पांच बजे से कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि मनोज अग्रवाल के घर दो अलग-अलग गाड़ियों में टीम पहुंची है और घर में दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने किस मामले में ये कार्रवाई की है।

जो ऐतिहासिक मंदिर खाक हो गया, उसका पुजारी था मुसलमान

गुलमर्ग, 08 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग की पहाड़ी पर स्थित महारानी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध शिव मंदिर में 5 जून 2024 की तड़के आग लग गई। आग को तो बुझा लिया, लेकिन मंदिर पूरी तरह जल गया। आग लगने का कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। लगभग 109 साल पुराने इस मंदिर को कश्मीर के महाराजा हरि सिंह की धर्मपत्नी महारानी मोहिनी बाई सिसोदिया ने सन 1915 में बनवाया था।

महारानी मंदिर में मोहिनीश्वर शिव स्थित हैं। यह घास के मैदानों से घिरी एक पहाड़ी पर स्थित था। लकड़ी और पत्थरों से बने 109 साल पुराने इस शिव मंदिर का विशिष्ट पिरामिडनुमा गुंबद है। इसमें ऐसी खिड़कियाँ थीं, जो गुलमर्ग के सभी कोनों से दिखाई देती थीं। मंदिर के पुजारी पुरुषोत्तम शर्मा ने मंदिर में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया। हालांकि, अभी असली वजह का पता नहीं चल पाया है।

कश्मीर में 1990 के हिंदू विरोधी नरसंहार से पहले इस महारानी मंदिर की भव्यता और प्रसिद्धि अपने चरम पर थी। यही कारण है कि यहाँ ना सिर्फ हिंदू श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता था, बल्कि फिल्मों में इसे दिखाने की होड़ लगी रहती थी। उस समय तक मंदिर में पुजारी से लेकर इसका प्रबंधन तक हिंदुओं के हाथों में हुआ करता था। महाराजा हरि सिंह के समय से ही मंदिर में ब्राह्मण पुजारी नियुक्त थे।

यह मंदिर पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय था। इतना ही नहीं, इस मंदिर को बॉलीवुड की कई फिल्मों में भी दिखाया जा चुका है। राजेश खन्ना और मुमताज अभिनीत सुपरहिट फिल्म आप की कसम का लोकप्रिय गाना जय जय शिव शंकर इसी मंदिर में फिल्माया गया था। इसके अलावा इसके अलावा फिल्म रोटी, अंदाज और कश्मीर की कली जैसी फिल्मों की शूटिंग भी इस मंदिर में हो चुकी है।

1990 के दशक में घाटी में इस्लामी आतंकियों द्वारा हिंदुओं के खिलाफ छेड़े गए अभियान और हिंदुओं के पलायन के बाद यहां के हिंदू-सिखों के ही नहीं, बल्कि मंदिरों के भी दुर्दिन शुरू हो गए। हिंदुओं के पलायन के बाद पलायन के बाद यह मंदिर लंबे समय तक बंद रहा। बाद में बारामुला जिले के दंडमुह निवासी गुलाम मोहम्मद शेख ने 23 सालों तक इस मंदिर की देखभाल और पूजा-अर्चना की।

गुलाम मोहम्मद शेख को धर्मार्थ ट्रस्ट की ओर से मासिक वेतन पर शुरू में चौकीदार के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में उन्होंने हिंदुओं के पवित्र कर्मकांड एवं अनुष्ठान की विधि को सीखा। मंदिर में जब नियमित पुजारी की अनुपस्थिति हो गई तो गुलाम मोहम्मद शेख पूजा के साथ-साथ शाम और सुबह की आरती करने लगे। साल 2021 में वह इस काम से सेवानिवृत्त हो गए।

गुलमर्ग पुलिस थाने के प्रभारी सब इंस्पेक्टर फारूक अहमद के अनुसार, मंदिर की देखरेख पुजारी समेत तीन लोग करते हैं। इनमें दो लोग स्थानीय मुस्लिम समुदाय से हैं। इनमें से एक गुलाम मोहम्मद शेख का भांजा है। मंदिर छोटा होने के चलते रात को दोनों मंदिर के निकट स्थित हट में चले जाते थे। घटना की रात मंदिर का पुजारी भी निकटवर्ती गुरुद्वारे में सो रहा था।

अब यह मंदिर जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के अधीन है। नवंबर 2023 में धर्मार्थ ट्रस्ट ने पुरुषोत्तम शर्मा को मंदिर का पुजारी नियुक्त किया है। ट्रस्ट मंदिर के पुनर्निर्माण की तैयारी कर रहा है। वहीं, फारूक अहमद ने बताया कि शुरुआती जाँच में पता चला कि मंदिर में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके कारण आग लगी। वहीं, पुजारी पुरुषोत्तम शर्मा ने मंदिर में आगजनी की घटना से इनकार किया है।

ऐसे में लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब मंदिर में न पुजारी सो रहा था और न ही उसका सहयोगी तो कैसे पता चला कि किसी ने आगजनी नहीं की। बिजली के तारों में भी छेड़छाड़ करके शॉर्ट सर्किट किया जा सकता है, क्योंकि घटना के वक्त मंदिर में कोई मौजूद नहीं था।

ओड़ीशा में पोंजी फर्म निदेशक 123 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 08 जून (एजेंसियां)। ओड़ीशा आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों से 123 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में एक कंपनी के निदेशक तुषार भांजो को पश्चिम बंगाल के हरिदेवपुर पुलिस थाने के अंतर्गत उसके आवास से गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू सूत्रों ने कहा आरोपियों ने ओड़ीशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, त्रिपुरा, महाराष्ट्र और यहां तक कि बंगलादेश के लगभग 34,000 निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की थी।

आरोपी निदेशक भांजो को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं तथा आयकर अधिनियम की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्हें पांच जून को एसीजेएम, अलीपुर, कोलकाता की अदालत में पेश किया गया और ट्रांजिट रिमांड के आधार पर भुवनेश्वर लाया गया और शनिवार को कटक में ओडिशा जमाकर्ताओं के हितों का संरक्षण (ओप-ीआईडी) अधिनियम के तहत अदालत के समक्ष पेश किया गया।

कंपनी हरित कृषि निधि लिमिटेड, मेसर्स ट्रांसविजन ड्रीम मल्टी ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक तुषार भांजों के खिलाफ भुवनेश्वर के शिकायतकर्ता मनमोहन डोरा के लिखित आरोप पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता डोरा ने आरोप लगाया था कि भांजो ने उसे और कई अन्य निवेशकों को अच्छा रिर्टन पाने के लिए अपनी कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था। आरोपी भांजा ने उन्हें निवेश राशि पर 11 प्रतिशत का मासिक ब्याज और नए सदस्यों को जोड़ने पर चार से पांच प्रतिशत अतिरिक्त कमीशन देने का प्रलोभन दिया था।

कंपनी ने चार लाख रुपये के निवेश पर प्रतिमाह 4,000 रुपये, आठ लाख रुपये के निवेश पर 8,000 रुपये ब्याज और इसी तरह मासिक वेतन देने का भी वादा किया था। शिकायतकर्ता ने आर-ोप लगाया कि भांजो हजारों निवेशकों की निवेशित राशि लेकर फरार हो गया है और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, त्रिपुरा, महाराष्ट्र और यहां तक कि बंगलादेश के लगभग 34,000 निवेशकों से 123 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लेकर फरार हो गया है।

ओडिशा में इस कंपनी के कार्यालय बालासोर, भद्रक, भुव-नेश्वर और राउरकेला में थे और निधि नियम का उल्लंघन करते हुए लगभग 34,000 निवेशकों को प्रलोभन देकर 123 करोड़ रुपए एकत्र किए थे।

इसके अलावा अपनी इस तरह की गतिविधियों को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कंपनी ने सोशल मीडिया में विज्ञापन दिये थे और पत्रक तथा ब्रोशर भी वितरित कर रही थी और विभिन्न स्थानों पर निवेशकों की बैठकें आयोजित कर उन्हें निधि कंपनी में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करती थी।

ईओडब्ल्यू के सूत्रों ने कहा कि कंपनी नए निवेशकों की भर्ती करके डाउनलाइन में चेन बनाकर एक पिरामिडिक संरचित पोंजी स्कीम चला रही थी। कंपनी निवेश की गई राशि पर अतिरिक्त 20 प्रतिशत रिटर्न पाने के उद्देश्य से उसके द्वारा एक पूल खाता खोलकर निवेशकों से एकत्र की गई राशि को विदेशी मुद्रा व्यापार में निवेश किया गया था, जिसके बारे में निवेशकों को कोई भी जानकारी नहीं थी।

कंपनी के निदेशक भांजो ने निवेशकों के निवेश किए गए पैसे से दुबई और बैंकॉक घमूने गया था और निवेशकों से एकत्र की गयी धनराशि को अपने निजी खाते और अपने परिवार के सदस्यों के खातों में स्थानांतरित किया था।

आरएलडी ने कहा

ऑल इज वेल, बने रहेंगे एनडीए के साथ

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। एनडीए सरकार का शपथग्रहण समारोह 09 जून को होना है। लेकिन उससे पहले ही गठबंधन में मनमुटाव की खबरें सामने आने लगीं हैं। शुक्रवार को एनडीए की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुना गया। इस बैठक में भाजपा समेत उसे सभी सहयोगी दलों को आमंत्रित किया गया था। एनडीए में शामिल सभी दल मंच पर मोदी के साथ नजर आए, लेकिन आरएलडी नेता जयंत चौधरी नदारद दिखे। जिसके बाद सपा और कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाते हुए मंच पर जगह नहीं देने को जयंत चौधरी का अपमान बताया है।

शुक्रवार को जब एनडीए बैठक की जो तस्वीरें सामने आई, उसमें नरेंद्र मोदी के बगल वाली सीट पर टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू, उनके साथ नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और अनुप्रिया पटेल बैठे हैं। इनके अलावा पवन कल्याण, अमित शाह, जेपी नड्डा और राजनाथ सिंह भी मंच पर मौजूद हैं। वहीं यूपी में दो सीटों जीतने वाली राष्ट्रीय लोक दल के मुखिया जयंत चौधरी सामने की तरफ दूसरी पंक्ति में बैठे हैं।

समाजवादी पार्टी ने जयंत चौधरी की इन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया और कचाक्ष करते हुए लिखा, आरएलडी पार्टी के मुखिया जयंत चौधरी को मंच पर जगह तक नहीं दी गई, जबकि उनकी दो सीटें हैं, वहीं 1-1 सीट वाले दलों के नेत-ाओं को मंच पर साथ में बिठाया गया है। सपा ने लिखा, भाजपा की जाट समाज से नफरत और स्व. चौधरी चरण सिंह जी एवं चौधरी अजीत सिंह जी के प्रति नाटकीय झूठे सम्मान का भंडाफोड़ हो गया है। जयंत चौधरी जी अगर सच में किसान हितैषी हैं, तो उन्हें एनडीए से दूरी बनानी चाहिए और किसान हितों पर भाजपा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। छोटे और नजदीकी लालच के चक्कर में अपने स्वाभिमान और किसान हितों का सौदा भाजपा से नहीं करना चाहिए।

कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को उठाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जयंत चौधरी को नरेंद्र मोदी के साथ मंच पर जगह नहीं मिली। मोदी जी के यहां जो जाएगा, उसके साथ यही होगा। पार्टी में शामिल करते वक्त बड़े-बड़े गुलदस्ते और हार दिए जाते हैं, लेकिन बाद में अपमानित किया जाता है।

नीट परीक्षा की शुचिता से समझौता नहीं किया गया : सुबोध

कृपांक पाने वाले विद्यार्थियों के परिणामों की पुन: जांच करेगी चार सदस्यीय समिति

एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को सौंपेगी समिति

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के परीक्षा परिणाम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच चार सदस्यीय समिति गठन है और यह समिति एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपेगी।

इस मुद्दे पर शनिवार को यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के. संजय मूर्ति, एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू उपस्थित थे। इस मौके पर श्री सिंह ने कहा, नीट-यूजी में कृपांक पाने वाले 1,500 से अधिक अभ्यर्थियों के परिणामों की पुन: जांच करने के लिये शिक्षा मंत्रालय ने चार सदस्यीय समिति गठित की है। यह समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को सौंपेगी।

उन्होंने बताया कि इस समिति के अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष होंगे, लेकिन उन्होंने अध्यक्ष के नाम का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि नीट के जिन अभ्यर्थियों को कृपांक दिये गये हैं, उनके परिणाम संशोधित किए जा सकते हैं और इससे प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर हमारी समिति की बैठक हुई और परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज के विवरणों पर गौर किया। इस दौरान कुछ केंद्रों पर समय बर्बाद हुआ और छात्रों को इसकी भरपाई की जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि समिति ने सोचा कि वे शिकायतों का समाधान कर सकते हैं और विद्यार्थियों को मुआवजा दे सकते हैं, तो कुछ छात्रों के अंक बढ़ा दिये गये, जिसको येलेकर कुछ छात्रों ने आपत्तियां जतायी हैं। उन्होंने बताया कि कुछ उम्मीदवारों को 718 और 719 अंक मिले और छह छात्र टॉपर बन गए। हमने सभी चीजों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया और परिणाम जारी किये।

एनटीए महानिदेशक ने बताया कि नीट-यूजी की परीक्षा देशभर में 4750 केंद्रों पर आयोजित की गयी, जिसमें से छह केंद्रों में समस्या आयी थी। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों में एक केंद्र हरियाणा, एक केंद्र चंडीगढ़, दो केंद्र छत्तीसगढ़, एक गुजरात और एक केंद्र मेघायलय का है। उन्होंने बताया की नीट-यूजी में करीब 24 लाख छात्र शामिल हुये थे, लेकिन सिर्फ 1600 छात्रों को ही इस समस्या का सामना करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि इस परीक्षा की शुचिता से समझौता नहीं किया गया और किसी भी विद्यार्थी को मुसीबतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस दौरान उन्होंने कोई पेपर लीक होने की सूचना को खारिज कर दिया और कहा कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ था।

यूपी में भितरघात के कारण हारी भाजपा

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। यूपी में हार से भाजपा को बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को भाजपा की बैठक हुई और इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। पार्टी परिणामों की समीक्षा कर रही है। जब से पार्टी राज्य की 80 में से केवल 33 सीटों पर सिमटी है, तब से भाजपा के अंदर सुगबुगाहट बढ़ रही है। योगी आदित्यनाथ गुरुवार शाम दिल्ली पहुंचे और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की।

शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद कहा गया कि योगी आदित्यनाथ ने पार्टी नेतृत्व के साथ बंद कमरे में दो घंटे की एक बैठक की। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा भी मौजूद थे। जिन लोगों की भूमिका जांच के दायरे में होगी और जिनसे विस्तृत रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद की जाती है, उनमें यूपी सरकार के शीर्ष मंत्री और उनके सहयोगी शामिल हैं। इसमें सीएम और डिप्टी सीएम के साथ-साथ पिछले साल प्रसार के लिए अलग-अलग जिलों का प्रभार वाले मंत्री भी शामिल हैं।

कुछ नेताओं को पूर्व, पश्चिम और मध्य यूपी क्षेत्रों में ब्राह्मणों, ठाकुरों, भूमिहारों, बनियों और ओबीसी के जाति समीकरणों को मैनेज करने का भी काम सौंपा गया था। कई भाजपा नेताओं ने पहले से ही आंतरिक भितरघात के बारे में खुलकर बात करना शुरू कर दिया है। भाजपा के रामपुर उम्मीदवार घनश्याम सिंह लोधी ने अपनी हार के लिए मुख्य रूप से धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया और पार्टी के कुछ नेताओं पर सहयोग नहीं करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पार्टी संगठन को उनके बारे में सूचित कर दिया गया है। पार्टी और मेरे द्वारा विस्तृत समीक्षा की जा रही है।

2022 के उपचुनाव में सपा का गढ़ छीनने के बाद घनश्याम लोधी इस बार दिल्ली के एक मस्जिद के मौलवी मोहिबुल्लाह से 87,000 से अधिक वोटों से हार गए। मोहिबुल्लाह सपा ने चुनाव मैदान में उतारा था। लोधी ने कहा, चुनाव पूरी तरह से जाति और हिंदू-मुस्लिम आधार पर लड़ा गया था। मोहनलालगंज (एससी-आरक्षित) सीट पर निवर्तमान मोदी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भाजपा के कौशल किशोर सपा के आरके चौधरी से 70,292 वोटों से हार गए। कौशल किशोर ने कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं पर उनके खिलाफ काम करने का आरोप लगाया और कहा कि नेतृत्व को उनके बारे में पता था। इसके अलावा उन्होंने इंडी ब्लॉक के अभियान को जिम्मेदार ठहराया जिसमे उसने कहा कि अगर मोदी सरकार वापस आई तो वह संविधान को बदल देगी। कांग्रेस ने गरीब परिवार की महिला के बैंक खाते में हर महीने 8,500 रुपए देने का भी वादा किया। कौशल किशोर ने कहा कि बसपा का मुख्य जाटव वोट सपा-कांग्रेस गठबंधन के कारण पार्टी से छिटक गया।

पूर्वी यूपी की श्रावस्ती सीट पर स्थानीय पार्टी नेताओं ने एक पूर्व सांसद और प्रभावशाली भाजपा नेता पर भितरघात का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने ब्राह्मणों और कुर्मियों सहित मुख्य भाजपा मतदाताओं को पार्टी के खिलाफ वोट करने के लिए राजी किया। वहां भाजपा के उम्मीदवार प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव और राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के बेटे साकेत मिश्रा थे। साकेत सपा के राम शिरोमणि वर्मा से 76,673 वोटों से हार गए, जिन्होंने 2019 में बसपा के टिकट पर सीट जीती थी।

लालगंज की एससी-आरक्षित सीट से हारने वाली भाजपा उम्मीदवार नीलम सोनकर ने भी सपा के दरोगा प्रसाद सरोज से 1.15 लाख वोटों से अपनी हार के लिए स्थानीय पार्टी पदाधिकारियों द्वारा भितरघात को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को पता था कि कुछ नेताओं ने सपा उम्मीदवार की मदद की थी। पूर्व सांसद नीलम सोनकर ने कहा कि विपक्ष भी संविधान के बारे में अपना संदेश घर-घर पहुंचाने में सफल रहा जबकि बसपा को जाटव वोट मिले, मुसलमानों ने बसपा को वोट नहीं दिया। पहले मुस्लिम वोट सपा और बसपा के बीच बंट जाते थे, जिससे भाजपा को मदद मिलती थी। लेकिन इस बार सभी मुसलमानों ने सपा को वोट दिया।

संभल से भाजपा उम्मीदवार परमेश्वर लाल सैनी ने सपा के जिया उर रहमान से अपनी हार का कारण सपा-कांग्रेस गठबंधन के समर्थन में मुस्लिम वोटों के एकजुट होने और हिंदू मतदाताओं के कम मतदान को बताया। सैनी एक ओबीसी नेता हैं जबकि जिया उर रहमान लंबे समय से पूर्व सपा सांसद शफीकुर रहमान बर्क के पोते हैं।

बस्ती, बाराबंकी, फैजाबाद, सुल्तानपुर, इलाहाबाद, कौशांबी, बदांयू और सीतापुर में भी भितरघात के आरोप लगाए गए हैं। खीरी, मुजफ्फरनगर और फतेहपुर जैसी सीटों पर स्थानीय विधायकों और पदाधिकारियों पर व्यक्तिगत या स्थानीय कारणों से उम्मीदवारों के प्रचार के लिए बाहर नहीं निकलने का आरोप लगाया गया है।

यूपी में बसपा ने भाजपा और सपा दोनों का बिगाड़ा खेल

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। इस लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला। यूपी में मत प्रतिशत के हिसाब से बसपा चौथे स्थान पर रही। हालांकि, राज्य में बसपा ने भाजपा-सपा दोनों का खेल बिगाड़ा है। बिना सीट जीते भी कई सीटों पर पार्टी ने असर डाला है।

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ चुके हैं। 293 सीटों के साथ एनडीए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहा है। वहीं इंडिया को 234 सीटें आई हैं। इस चुनाव में केंद्र की सत्ताधारी भाजपा को उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में तगड़ा झटका लगा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा को महज 33 सीटें आई जबकि विपक्षी दल सपा 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी है। इसके अलावा पिछली बार सीटों के लिहाज से राज्य में दूसरे स्थान पर रही बहुजन समाज पार्टी इस बार खाता भी नहीं खोल पाई है। पिछली बार की तुलना में उत्तर प्रदेश के चुनाव नतीजे काफी बदल गए। जहां 2019 में राज्य में बसपा दूसरे स्थान पर थी वहीं इस बार पार्टी अपना खाता भी नहीं खोल सकी। इन नतीजों के बीच आइये जानते हैं कि बसपा को 80 सीटों पर कहां कितने वोट मिले हैं? कितनी सीटों पर यह हार जीत के अंतर से कम है, कितनी पर ज्यादा? अगर बसपा के वोट भाजपा को ट्रांसफर होते तो क्या होता, अगर बसपा का वोट गठबंधन को ट्रांसफर होता तो क्या होता?

इस लोकसभा चुनाव में यूपी में 37 सीटों के साथ समाजवादी सबसे बड़ी पार्टी है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के 33 सांसद जीते हैं। तीसरे स्थान पर कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। दो सांसदों के साथ राष्ट्रीय लोक दल चौथे स्थान पर है। इसके अलावा आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) और अपना दल (सोनेलाल) के एक-एक सांसद जीतकर आए हैं।

यूपी में मत प्रतिशत के हिसाब से बसपा चौथे स्थान पर रही। पार्टी को राज्य में 9.29 फीसदी (82.33 लाख) मत मिले हैं। वहीं पिछले चुनाव में सपा के साथ चुनाव लड़ने वाली बसपा को यूपी में 19.4 फीसदी पड़े थे। इस वोट बैंक के कारण पार्टी के 10 सांसद जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। हालांकि, इस बार मत प्रतिशत भी करीब 10 फीसदी घटा है और सीटों का खाता नहीं खुल सका। इस चुनाव में यूपी में 14 सीटें ऐसी रहीं जहां भाजपा को जीत मिली लेकिन जीत का अंतर बसपा को मिले वोटों से कम था। यदि इन सीटों पर बसपा को मिला वोट इंडिया की तरफ चला जाता तो भाजपा ये सीटें हार भी सकती थी। ये सीटें थीं अकबरपुर, अलीगढ़, अमरोहा, बांसगांव, भदोही, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर सीकरी, हरदोई, मेरठ, मिश्रिख, फूलपुर, शाहजहांपुर और उन्नाव। ऐसा ही कुछ हाल बिजनौर और मिर्जापुर सीटों पर रहा जहां क्रमशः आरएलडी और अपना दल (एस) के उम्मीदवार जीते हैं।

वहीं, दूसरी ओर 28 सीटें ऐसी भी रहीं जहां सपा को जीत मिली लेकिन जीत का अंतर बसपा को मिले वोटों से कम था। यदि इन सीटों पर बसपा को मिला वोट एनडीए की तरफ चला जाता तो सपा ये सीटें हार सकती थी। यही हाल सहारनपुर का रहा जहां कांग्रेस जीत गई। इस तरह से बसपा ने एक भी सीट न जीतकर भी पूरे यूपी में 45 सीटों पर एनडीए या इंडिया का खेल बिगाड़ा है।

ग्रीन कोल प्रोजेक्ट से यूपी आत्मनिर्भर बनेगा

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने भीषण गर्मी में बढ़ती बिजली डिमांड की शत प्रतिशत आपूर्ति करने एवं ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रीन कोल प्रोजेक्ट की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत योगी सरकार द्वारा नोएडा में प्रतिदिन 900 टीपीडी क्षमता वाला प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जहां पर कचरे से बिजली का उत्पादन किया जाएगा। इससे स्वच्छ भारत मिशन को भी रफ्तार मिलेगी। इस प्रोजेक्ट से प्रतिदिन 200 टन ग्रीन कोल और 1000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। बता दें कि स्वच्छ भारत मिशन को गति देने, बिजली सप्लाई को निर्बाध बनाये रखने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने वाली इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सराहना मिल चुकी है। वेस्ट टू एनर्जी के क्षेत्र में अग्रणी मैकॉबर बीके प्राइवेट लिमिटेड (एमबीएल) का यह प्रोजेक्ट भारत का सबसे बड़ा ग्रीन कोल प्रोजेक्ट है। एनटीपीसी लिमिटेड ने लगभग चार साल नगर निगम के कचरे से टॉरिफाइड चारकोल बनाने की योजना बनाई थी। फिर, इसकी सहायक कंपनी एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड ने मैकॉबर बीके को ईपीसी आधार पर परियोजना प्रदान की। ग्रीन कोल प्लांट की कुल क्षमता 900 टीपीडी कचरा प्रबंधन की होगी। यह संयंत्र 900 टीपीडी म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू) के इनपुट के साथ 200 टन ग्रीन कोल का उत्पादन करेगा। मैकॉबर बीके के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम गुप्ता ने बताया कि यह परियोजना मेक इन इंडिया पहल का एक प्रमुख उदाहरण है। हम ग्रेटर नोएडा में 900 टीपीडी की क्षमता वाला सबसे बड़ा वेस्ट ग्रीन कोल प्लांट स्थापित करेंगे। कंपनी ने नगरपालिका के ठोस कचरे को पर्यावरण-अनुकूल ग्रीन कोल में परिवर्तित करने के लिए एक अग्रणी समाधान विकसित किया है। स्वदेशी रूप से विकसित तकनीक कचरे को जीवाश्म ईंधन के व्यवहार्य विकल्प में बदल देती है, जिससे अपशिष्ट से संबंधित चुनौतियों का समाधान करते हुए ऊर्जा उत्पादन में एक नई क्रांति आई है।

सपा विधायक इरफान सोलंकी की सजा घोषित होते ही गई विधायकी

कानपुर, 08 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी को एमपी-एमएलए कोर्ट ने सात साल की सुनाई है। इरफान को एक महिला का घर जलाने और उसके बेटे को पीटने का दोषी पाया है। इस सजा के बाद अब इरफान की विधायकी भी जा सकती है। इरफान के कानपुर दंगों के मुख्य आरोपी के साथ संबंध हैं। इसके अलावा, विधायक के रूप में इसने अवैध बांग्लादेशियों को भारतीय नागरिक के रूप में सत्यापित किया था।

जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में रहने वाली नजीर फातिमा ने सपा विधायक इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान सोलंकी और उसके साथियों पर घर में आग लगाने का आरोप लगाया था। फातिमा का आरोप था कि 7 नवंबर 2022 को वह अपने परिवार के साथ एक रिश्तेदार की शादी में गई हुईं थी। उनका बेटा अपने घर पहुँचा तो देखा कि उसके घर में आग लगी हुई है।

महिला ने यह भी आरोप लगाया था कि इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान सोलंकी और उनके साथियों ने उनके बेटे से मारपीट भी की थी और उसे आग में धकेलने की कोशिश भी की थी। मामले को लेकर जब विधायक सोलंकी के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई तो वह गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हो गया था।

इसी साल अप्रैल में (4 अप्रैल 2024) नजीर फातिमा की 14 वर्षीया नातिन (बेटी की बेटी) लापता हो गई थी। वह अपने भाई के साथ स्कूल गई थी, लेकिन लौटकर घर नहीं आई। गुमशुदा की साइकिल रेलवे स्टेशन के पास लावारिस हालत में बरामद हुई है। लापता नाबालिग के अब्बा असलम ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके पीछे भी शंका इरफान सोलंकी पर जाहिर की थी।

कोर्ट ने शुक्रवार को सुनाई थी सात साल की सजा

बांग्लादेशियों को अवैध रूप से देश में बसाता था

इन सब आरोपों से अलग, इरफान सोलंकी पर बांग्लादेशी मुस्लिमों को भारतीय नागरिक होने का सर्टिफिकेट देने और दंगों के आरोपियों के साथ नजदीकी संबंध होने के भी आरोप हैं। दरअसल, दिसंबर 2022 में कानपुर पुलिस ने अवैध तौर पर रह रहे 5 बांग्लादेशी मुस्लिमों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों में 2 पुरुष, 2 महिला और एक नाबालिग किशोर शामिल थे। ये सभी घुसपैठिए फर्जी पहचान के साथ भारत में रह रहे थे। इनके पास से कई पासपोर्ट और आधार कार्ड बरामद किए गए थे। इनमें से एक बांग्लादेशी नागरिक कई देशों की यात्रा भी कर चुका था और उसके पास तमाम देशों की करेंसी भी बरामद हुई थी। कानपुर विधायक इरफान सोलंकी ने इन सभी के कागजातों को वैध बताया था।

11 दिसंबर को कानपुर के थाना मूलगंज पुलिस को कुछ संदिग्धों के मेस्टन रोड की तरफ जाने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की तो 4 लोग पकड़ में आए। उन्हें जब पहचान पत्र दिखाने को कहा गया तब वो लोग टालमटोल करने लगे। पुलिस को गुमराह करने के लिए सभी संदिग्धों ने पहचान पत्र घर पर होने का बहाना बनाने लगे। पुलिस उन सभी संदिग्धों को लेकर उनके घर पहुँची। वहाँ पुलिस को खालिद माजिद नाम का व्यक्ति पहले से मौजूद मिला। पुलिस ने इनके घर की तलाशी ली तो वहाँ से बांग्लादेशी पासपोर्ट, फर्जी आधार कार्ड, विदेशी करेंसी के साथ लगभग साढ़े 14 लाख रुपए भी बरामद हुए थे। इस बाबत पूछने पर आरोपित कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

आखिरकार पुलिस ने सभी 5 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया था। जब उनसे पूछताछ की गई तो आरोपियों ने बताया कि वो मूल रूप से बांग्लादेश के खुलना जिले के निवासी हैं। संदिग्धों की पहचान 79 साल के ख़ालिद माज़िद, 53 साल के रिजवान मोहम्मद, 45 साल की हिना खालिद और 21 साल की रुखसार के तौर पर हुई थी। एक अन्य नाबालिग भी पकड़ा गया था।

पुलिस को आरोपियों ने बताया था कि वे साल 2016 से भारत में रह रहे हैं। इन सभी के पास 1001 डॉलर विदेशी मुद्रा और सोने के कई आभूषण बरामद हुए हैं। पकड़ा गया रिज़वान पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश और नेपाल कई बार जा चुका है। पुलिस ने बताया था कि इन आरोपियों के कागजात विधायक इरफान सोलंकी ने वेरिफाई किए थे। इरफान ने न सिर्फ पकड़े गए आरोपियों को अपने आधिकारिक लेटरहेड पर भारतीय होने का सर्टिफिकेट दिया था, बल्कि उनके कागजातों को लगातार सत्यापित भी किया था। इरफ़ान के अलावा सपा पार्षद मन्नू रहमान ने साल 2019 में इन बांग्लादेशियों के भारतीय होने का प्रमाण पत्र जारी किया था।

इरफान सोलंकी और उसके साथियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में जबरन उगाही, सरकारी और निजी जमीन पर कब्जे, अवैध निर्माण जैसे कई मुकदमे दर्ज हैं। इरफान सोलंकी की बिल्डर शौकत अली और हाजी वासी खान के साथ साठगांठ की खबरें भी आती रही हैं। वासी खान साल 2022 के कानपुर दंगों की फंडिंग का आरोप है। उस पर बांग्लादेशियों को अवैध तरीके से कानपुर में बसाने के आरोप हैं। इस मामले में हाजी वासी खान और उसके गुर्गों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में भी मामला दर्ज है।

मंत्रिमंडल की बैठक में बोले मुख्यमंत्री

संवाद, समन्वय और संवेदनशीलता के साथ जनता के बीच जाएं मंत्री: योगी

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रीगणों को संवाद, समन्वय और संवेदनशीलता का मंत्र देकर एक बार फिर से जनता के बीच भ्रमण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार जनता के लिए हैं, हमारे लिए जनहित सर्वोपरि है, ऐसे में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की समस्याओं, अपेक्षाओं और आवश्यकताओं का समाधान होना ही चाहिए। मंत्रिगण फील्ड में जाएं, संवेदनशीलता के साथ जनता से संवाद करें और स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा शासन-प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए समस्याओं का समाधान कराएं। जहां भी समस्या हो, मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराएं, हर समय पूरा सहयोग मिलेगा।

शनिवार को मंत्रिमंडल की विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने पर बधाई दी, साथ ही, सांसद निर्वाचित होने वाले मंत्रीगणों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 10 वर्षों में जिस तरह उत्तर प्रदेश में विकास को रफ्तार मिली है, आने वाले 05 वर्षों में हम अनेक नए कीर्तिमान रचने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि सभी माननीय मंत्रिगण केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाएं। डबल इंजन सरकार की नीतियों, निर्णयों और उनके सकारात्मक परिणाम से जनता को अवगत कराएं।

मंत्रियों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि मंत्रिगण हों या कि अन्य जनप्रतिनिधि, सभी को वीआईपी कल्चर से परहेज करना होगा। हमारी कोई भी गतिविधि ऐसी न हो, जो वीआईपी संस्कृति को प्रदर्शित करती हो, इसके लिए सभी को सतर्क और सावधान रहना होगा।

विभागीय कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 1 ट्रिलियन इकॉनमी के लक्ष्य को लेकर कार्य कर रही है। इसमें हर विभाग की जिम्मेदारी पहले से तय है। यह मंत्रीगणों की जिम्मेदारी है कि वह लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की समीक्षा करें, जहां गड़बड़ी हो तत्काल सुधार कराएं। वहीं भावी कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में वृहद पौधारोपण, स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण के कार्यक्रम होने हैं। इनकी सफलता के लिए सभी को प्रयास करना होगा। अपने-अपने क्षेत्रों में सभी माननीय मंत्रीगण इसके लिए अपना योगदान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का यथोचित खर्च किया जाना सुनिश्चित किया जाए। आवंटन और व्यय में तेजी की अपेक्षा है। विभाग स्तर भी पर खर्च की समीक्षा भी जाए। संबंधित मंत्रीगण अपने विभागीय स्थिति की समीक्षा करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा हमें हर संभव सहायता मिल रही है। केंद्र से सामंजस्य स्थापित कर अवशेष धनराशि प्राप्त करें। विभागीय मंत्री स्वयं भारत सरकार के मंत्रीगणों से संवाद करें।

राष्ट्रीय राजनीति में रहेंगे यूपी छोड़ेंगे अखिलेश

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में शानदार जीत दर्ज करने के बाद अब समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष का पद छोड़कर राष्ट्रीय राजनीति पर फोकस करेंगे या यूपी का मोह नहीं छोड़ेंगे। यह सवाल चर्चा में है।

चर्चा है कि अखिलेश यादव करहल विधानसभा सीट को छोड़ सकते हैं और फिलहाल अभी राष्ट्रीय राजनीति पर फोकस करेंगे। समाजवादी पार्टी ने इस बार यूपी में अब तक का बेहतर प्रदर्शन किया है। अखिलेश के सीट छोड़ने के बाद तेज प्रताप यादव का नाम तेजी से चर्चाओं में बना हुआ है। तेज प्रताप पहले पूर्व सीएम मुलायम सिंह यादव और इस चुनाव में डिंपल यादव के साथ मैनपुरी में चुनाव प्रचार कर चुके हैं। वह मैनपुरी से सांसद भी रह चुके हैं।

आज समाजवादी पार्टी के जीते हुए सांसदों की लखनऊ में पार्टी के मुख्यालय में मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में सभी नए सांसद एक मजबूत विपक्ष के रूप में अपने-अपने क्षेत्र में कैसे काम करेंगे और जनता के मुद्दों को सड़क से संसद तक कैसे ले जायेंगे। इस बात पर भी काफी चर्चा हुई। सपा मुखिया अखिलेश यादव कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव जीते हैं।

वहीं, अब सभी के सामने एक बड़ा सवाल ये खड़ा हुआ है कि समाजवादी पार्टी के मुखिया के दिल्ली में राजनीति संभालने के बाद उत्तर प्रदेश में प्रतिपक्ष का पद कौन संभालेगा। ऐसे में यह कयास लगाया जा रहा है कि शिवपाल यादव को विधायक दल का नेता बनाया जा सकता है। क्योंकि शिवपाल यादव अब विधायक दल में सबसे वरिष्ठ नेता है। इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का पद दिया जा सकता है। फिलहाल इस पर अंतिम फैसला समाजवादी पार्टी चीफ अखिलेश यादव ही लेंगे।

उत्तर प्रदेश की कन्नौज लोकसभा सीट से सपा प्रमुख अखिलेश यादव को डेढ़ लाख से ज्यादा वोटों से जीत मिली। अखिलेश को कुल 6 लाख 42 हजार 292 वोट हासिल हुए। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सुब्रत पाठक को 4 लाख 71 हजार 370 मत मिले। बहुजन समाज पार्टी के इमरान बिन जफर को 81 हजार 639 वोटों से ही संतोष करना पड़ा।

सपा के वरिष्ठ नेता डीपी यादव ने आत्महत्या कर ली

मुरादाबाद, 08 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी के पूर्व जिला अध्यक्ष डीपी यादव ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह शुरू से ही सपा के साथ जुड़े हुए थे और हाल ही में उन्हें जिला अध्यक्ष पद से हटाया गया था।

यह घटना मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के बुद्ध विहार कॉलोनी में हुई। सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डीपी यादव ने बुद्ध विहार कॉलोनी में अपने आवास के अंदर ग्राउंड फ्लोर पर बने कमरे में गोली मारकर आत्महत्या की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए और फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची।

लोकसभा चुनाव के दौरान ही डीपी यादव को सपा के जिला अध्यक्ष पद से हटाया गया था। बताया जाता है कि जब समाजवादी पार्टी ने मुरादाबाद से मौजूदा सांसद एसटी हसन का टिकट काटा और उनकी जगह पर रुचि वीरा को उम्मीदवार बनाया, तो इसके बाद विवाद शुरू हो गया। इसी बीच डीपी यादव को जिला अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। इसके बाद यहां पर रुचि वीरा के करीबी जयवीर यादव को जिला अध्यक्ष बनाया गया था।

फिर पूरे चुनाव प्रचार के दौरान डीपी यादव दूर रहे। हालांकि उनकी आत्महत्या का क्या कारण है, इसका पता अभी तक नहीं चल पाया है। न ही अभी तक पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है।

खुशहाली के मंत्र...

हमें जीवन में रोज नया अनुभव होता है, इस दौरान हमसे अच्छे और बुरे काम भी होते हैं, इनसे गम और खुशी होती है, लेकिन इन सब रुकावटों और मुश्किलों को पीछे छोड़कर इन मंत्रों से जीवन को खुशहाल बनाएं।

ठहाके लगाएं

हंसी को सबसे ताकतवर औषधि माना जाता है। जो हंसी के ठहाके लगाते हैं उनका जीवन खुशहाल रहता है। हंसने से हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है, दर्द से निजात मिलती है, दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं जिससे दिल संबंधी बीमारियां नहीं होती हैं। हंसने से मनोवैज्ञानिक रूप से फायदा होती है और हंसकर आप आसानी से अपना तनाव दूर कर सकते हैं। दोस्तों के साथ हों या सहकर्मियों के साथ, परिवार के लोग हों या रिश्तेदार हंसने का कोई मौका गंवाएं नहीं।

जीवन का उद्देश्य बनाएं

अगर आपको अपने जीवन का उद्देश्य पता चल जाए तो आपके सारे दुखों और दुविधाओं का ह्रास हो जाए। सभी के जीवन का एक उद्देश्य होता है और आप उससे अछूते नहीं। कुछ लोगों को जीवन का उद्देश्य पता चल जाता है तो इसे पूरा करने के लिए वे निरंतर प्रयास करते हैं और जिन्हें अपने जीवन का उद्देश्य नहीं पता वे हमेश भटकते हैं और दुखी रहते हैं।

वर्तमान में जिएं

हमें दुःख तभी होता है जब भविष्य के बारे में सोचते हैं या फिर भूतकाल की गलतियों और दुखों को याद करते हैं। जबकि वास्तविकता वर्तमान ही है। भूतकाल में जो हो गया उसे भूल जाइए। भविष्य में क्या होगा उसका पता किसी को नहीं, तो जिसके बारे में आप नहीं जानते उसे लेकर तनाव क्यों लेना। वर्तमान में जीने की कोशिश कीजिए और इस पल हो हसीन बनाइए।

धन्यवाद जरूर करें

एक शोध में यह बात सामने आई है कि जो लोग अपने जीवन में दूसरों को धन्यवाद बोलते हैं वे अधिक खुशहाल होते हैं। तो आप भी अपने जीवन को खुशहाल बनाने के लिए दूसरों को धन्यवाद कहना क्यों नहीं शुरू करते हैं। इससे आपको खुशी मिलेगी साथ ही आप जिसका आभार प्रकट करेंगे उसे दूसरों को मदद करने की प्रेरणा मिलेगी।

माइग्रेन भगाने वाला सीफेली...

दुनिया के हर कोने में माइग्रेन पीड़ितों की तादात में दिन-ब-दिन इजाफा होता जा रहा है। बाजार में ढेरों दवाइयां मौजूद हैं। लेकिन कारगर इलाज आज भी संभव नहीं। अब इलेक्ट्रोनिक हेडबैंड यानी सीफेली आया है। मेडिकल वर्ल्ड इस पर भरोसा जता रहा है। इलेक्ट्रोनिक हेडबैंड यानी बिजली से चलने वाला एक ऐसा उपकरण जो माथे पर आसानी से फिट हो जाता है और दिमाग की नसों में खास कंपन पैदा कर सिरर्द को भगा देता है। इस हेडबैंड को हालांकि अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में इस्तेमाल किया जा रहा है लेकिन अब इसे यूरोप की नेशनल हेल्थ सर्विसेज से भी हारी झंडी मिल गई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही दुनिया के बाकी मुल्कों समेत भारत में भी हेडबैंड उपलब्ध हो जाएगा। जानकारों की मानें तो इस हेडबैंड को दिन में एक बार इस्तेमाल करना है। एक बात काबिल-ए-गौर है कि इस्तेमाल तभी करें जब माइग्रेन का दर्द हो। हेडबैंड आंखों के ठीक ऊपर के हिस्से यानी माथे पर लगाने से माइल्ड इलैक्ट्रिकल तरंगे मस्तिस्क के संपर्क में आती हैं। महज 20 मिनट के इस्तेमाल से माइग्रेन में आराम मिलता है। दावा किया गया है कि 10 में से 4 मरीजों को फायदा जरूर मिलता ही है। जानकार बताते हैं कि माइग्रेन में राहत पहुंचाने के अलावा ये हेडबैंड दर्द से निपटने की क्षमता में बढ़ोतरी भी लाता है। यही नहीं, कुछ मरीजों की नशे की लत भी छुड़वा सकता है। माइग्रेन की वजह से 80 लाख की आबादी वाले ब्रिटेन में 20 लाख महिलाओं को चक्कर, उल्टी और ऐंठन की शिकायत अक्सर रहती है। हालांकि बाजार में बहुत सी ऐसी दवाईयां है जो माइग्रेन के दर्द में फौरी राहत देती हैं लेकिन परमानेंट हल किसी के पास नहीं है। बैटरी से चलने वाला सीफेली हेडबैंड उसी हिट रेट के साथ चलता है और 40 से 70 फीसदी मरीजों तक को फायदा पहुंचाता है। लेकिन चिकित्सकीय प्रयोगों के मुताबित इस हेडबैंड के साइड इफेक्ट भी हैं। हां, ये बात ठीक है कि इसे गर्भावस्था के दौरान महिलाएं इस्तेमाल कर सकती हैं। फिलहाल यूके के बाजार में इस हेडबैंड की कीमत 250 पाउंड है।

पहला ग्राफिन बेस्ड ई-पेपर...

कौन कहता है कि ई-पेपर पुरानी टैक्नोलॉजी हो गई है। चाइना में अभी भी इस पर आधारित नए प्रोडक्ट बन रहे हैं। गुएज ओईडी टैक्नोलॉजी ने

अपने-आप में पहला ग्राफिन बेस्ड ई-पेपर तैयार किया है। ग्राफिन के साथ बना पेपर काफी मजबूत और हल्की स्क्रीन पेश करता है, जिसमें ब्राइटनेस और फ्लैकसीबिल्टी पूरी तरह मौजूद है। खास बात यह है कि सूरज की रौशनी में भी यह ई-पेपर आसानी के साथ पढ़ने में मदद करती है। दूसरे ई-पेपर भी इस तरह कर सकते हैं लेकिन ग्राफिन में इस्तेमाल किया गया कार्बन आसानी से मिल सकता है इसलिए यह काफी सस्ता होगा बल्कि दूसरे ई-पेपर डिवाइसिस में इंडियम मेटल होती है। कंपनी का कहना है कि एक साल के अंदर-अंदर ग्राफिन ई-पेपर का प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। अगर टैक्नोलॉजी आगे बढ़ी तो शायद ग्राफिन, एलईडी और ओएलईडी की जगह भी ले सकती है।

अब वह दौर आ गया है जब ड्रोन मिलिट्री और एडवेंचर स्पोर्ट की रेंज से बाहर निकल सकता है। आने वाला वक्त ड्रोन का होगा और हर व्यक्ति की चाहत होगी कि उसके पास भी एक ड्रोन हो। जानकारों के मुताबिक आगामी पांच से 10 साल के भीतर हर घर में एक ड्रोन हो सकता है। हाल ही में चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी शाओमी का बनाया पहला ड्रोन सामने आया है। शाओमी एमआई ने इस ड्रोन की कीमत ड्रोन बनाने में मार्केट लीडर चीनी कंपनी डीजेआई के ड्रोन फैंटम 3 की कीमत की तुलना में काफी कम रखी है। फिल्मों की शूटिंग के लिए हवा से लिए जाने वाले शॉट्स के लिए हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल होता आया है, लेकिन तकनीक के विस्तार के कारण यह ड्रोन से भी मुमकिन हो गया है।

अब किफायती ड्रोन की ओर...

वर्तमान दौर में भले ही लोग स्मार्टफोन के पीछे दीवाने हों, लेकिन आने वाला वक्त ड्रोन का होगा और हर व्यक्ति की चाहत होगी कि उसके पास भी एक ड्रोन हो। जानकारों के मुताबिक आगामी पांच से 10 साल के भीतर हर घर में एक ड्रोन हो सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ड्रोन का इस्तेमाल माल का वितरण, बुनियादी ढांचे की निगरानी, तलाश व बचाव तथा कृषि निगरानी कार्य में किया जा सकता है। जब ड्रोन बेहद मशहूर हो जाएंगे, तो आसमान में ड्रोन ही ड्रोन दिखाई देंगे, क्योंकि तब उनका वाणिज्यिक तौर पर इस्तेमाल शुरू हो जाएगा। गूगल, एमेजॉन, लॉकहिड मार्टिन, रेथेयॉन, एयरवेयर, ड्रोनडिप्लॉय, मैटरनेट, सिस्को तथा वेरिजॉन के साथ मिलकर नासा छोटे तथा कम ऊंचाई पर उड़नेवाले ड्रोन के एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली के विकास की दिशा में काम कर रहा है।

मिलिट्री रेंज से बाहर

अब वह दौर आ गया है जब ड्रोन मिलिट्री और एडवेंचर स्पोर्ट की रेंज से बाहर निकल सकता है। अमेजन लगातार ड्रोन के जरिए सामान को पहुंचाने के तरीकों पर काम कर रही है। वहीं गूगल ड्रोन के जरिए दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की सुविधा देने की तकनीक विकसित कर रहा है। अब साल ड्रोन के कमर्शियल इस्तेमाल की शुरुआत हो सकती है, हालांकि रेग्युलेटर्स की मंजूरी जरूरी होने के कारण शुरुआत सीमित होने की संभावना है। अगर ये टेक्नोलॉजी शुरू होती है तो आपको दुनिया में कहीं भी सामान और इंटरनेट मिल जाएगा। वहीं आम लोगों के लिए ज्यादा सुरक्षित ड्रोन भी मार्केट में उतरेंगे, इसमें सेल्फी ड्रोन भी शामिल है जो आपकी पहचान कर आपके आस-पास सुरक्षित दूरी पर उड़ने और फोटो खींचने के लिए प्रोग्राम्ड होगा।

आम लोगों का ड्रोन

चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी शाओमी का बनाया पहला ड्रोन सामने आया है। शाओमी एमआई ने इस ड्रोन की कीमत ड्रोन बनाने में मार्केट लीडर चीनी कंपनी डीजेआई के ड्रोन फैंटम 3 की कीमत की तुलना में काफी कम रखी है। एमआई ड्रोन की कीमत लगभग 25 हजार रुपए है जबकि फैंटम-3 की कीमत 50 हजार रुपए है। शाओमी का ड्रोन तकरीबन आधे घंटे तक हवा में रह सकते हैं। इसमें स्टेब्लाइज्ड कैमरे का भी विकल्प मौजूद है। पिछले दिनों मोबाइल बाजार मंदा रहा है और शाओमी अपने टार्गेट पूरे नहीं कर पाई है। कंपनी अपने इस कदम से ड्रोन के तेजी से बढ़ रहे कारोबार में कुछ कर दिखाना चाहती है। एमआई ड्रोन अपने आप एक जगह घेरे में घूम सकता है। एमआई ड्रोन और डीजेआई के फैन्टम-3 के फीचर लगभग एक से हैं। यह नया ड्रोन लोगों को अपील करेगा। लेकिन अनुभवी फ्लाएर्स को विश्वसनीय उत्पाद चाहिए और डीजेआई ने तकनीक के इस क्षेत्र में लंबा समय तय किया है। हालांकि यह नहीं कहा जा सकता कि शाओमी के ड्रोन कितने विश्वसनीय हैं, इसका वीडियो फुटेज कितना सच्चा है या इसका सॉफ्टवेयर कितने बेहतर तरीके से काम कर सकता है। अभी शाओमी को खुद को साबित करने में कुछ समय लगेगा।

एमआई ड्रोन की खासियत

शाओमी के एमआई ड्रोन में हाई-डेफिनेशन कैमरा होगा जिसकी रेंज 1 किलोमीटर होगी। इसकी कीमत है 25,000 रुपए। अगले वर्जन में 4के रेजोल्यूशन का कैमरा होगा और इसकी रेंज 2 किलोमीटर होगी और कीमत होगी लगभग 30,000 रुपए। एमआई ड्रोन काफी उच्च रेजोल्यूशन पर लाइव वीडियो को स्ट्रीम कर सकता है। डीजेआई के फैंटम-3 में भी 4के रेजोल्यूशन का कैमरा है और इसकी रेंज 1200 मीटर है। फैंटम-3 की कीमत है 50,000 रुपए है। शाओमी का कहना है कि ड्रोन आमतौर पर अमीर लोगों के लिए होते हैं, लेकिन शाओमी आम लोगों तक इसकी पहुंच बनाना चाहती है।

सबसे छोटा ड्रोन

अलग अलग तरह के ड्रोन कैमरे के साथ अब मार्केट में आ रहे है, लेकीन अब ॲक्सीस कंपनी ने व्हीडीएस नाम का सबसे छोटा ड्रोन लॉन्च किया है। ड्रोन का सबसे ज्यादा इस्तेमाल एरियल फोटोग्राफी में आजकल ज्यादा हो रहा है। ॲक्सीस कंपनी ने अपना यह पहला ही ड्रोन बनवाया है। इस ड्रोन की लंबाई 4.3 सेंटीमीटर है तो 2.5 सेमी की चौड़ाई है। इसमें एक छोटा सा कैमरा लगवाया गया है जिसकी मदद से आप 420 पिक्सल वीडीओ शुट कर सकते हो और आप इसकी लाईव्ह स्ट्रीमिंग अस ड्रोन कैमरे के ऐप के साथ आपके मोबाईलपर देख सकते हैं। यह ऐप आपके मोबाईल और रिमोट के साथ कंट्रोल किया जा सकता है। इस ड्रोन के साथ 150 मिली एंपिअर की बैटरी आती है जिसकी मदद से आप लगभग 20 मिनट तर इसे हवा में उड़ा सकते हैं। इस ड्रोन को कंपनी ने हर तरह से सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अंधेरे में आपको यह ठीक से दिखाई दे इसलिए इसे एलईडी लाईट्स लगवाए गए हैं। इसकी कीमत लगभग 75 यूएस डॉलर्स है और जल्द ही यह ग्राहकों को उपलब्ध होगा।

फिल्मों की शूटिंग

फिल्मों की शूटिंग के लिए हवा से लिए जाने वाले शॉट्स के लिए हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल होता आया है, लेकिन तकनीक के विस्तार के कारण यह ड्रोन से भी मुमकिन हो गया है। शूटिंग के लिए हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल काफी महंगा साबित होता है। ड्रोन का इस्तेमाल युद्ध के मैदान में पिछले कुछ सालों से अमेरिका और अन्य ताकतवर देश करते आए हैं। फिल्म की शूटिंग में हालांकि यह नया नया प्रयोग है। एशिया में सस्ते प्रोसेसर और सेंसर मिलते हैं, जिनसे ड्रोन बनाना आसान और सस्ता हो गया है। जर्मनी के हैम्बर्ग स्थित ड्रोन कंपनी के लिए भी कारोबार का नया रास्ता खुल गया है। किस तरह का वीडियो बनाना है इस आधार पर ड्रोन चुना जाता है। फिर उस पर कैमरे लगाए जाते हैं। यह तकनीक पेशेवर फिल्म बनाने वालों के लिए वरदान साबित हो रही है। साथ ही इस तरह के ड्रोन को ऑपरेट करना बेहद आसान है।

ड्रोन इन ए फोन

अगर आपको सेल्फी क्लिक करना हो तो, स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। अगर ग्रुप में एरियल फोटो खींचनी हो तो आजकल ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन अगर आपको एक ऐसा फोन मिल जाए, जिसमें ड्रोन भी हो, तो कैसा रहेगा। हाल ही में एक नया कॉन्सेप्ट तैयार किया गया है, जिसका नाम है ड्रोन इन ए फोन, इसमें फोन के साथ एक छोटा सा फोल्डेबल क्वाडकॉप्टर रहता है, जो फोन में बने बॉक्स के अंदर रखा जा सकता है। इस ड्रोन को फोन की बैटरी से पावर मिलती है और यह 25 मिनट तक उड़ सकता है। यह ड्रोन एक वायर के जरिए फोन से जुड़ा रहता है, ताकि तेज हवा में वह खो न जाए। लंदन की बज टेक्नोलॉजी नाम की एक कंपनी ने इस प्रोजेक्ट को फाइनल किया है। ड्रोन में कैमरे की क्षमता के बराबर ही कैमरा होगा। यानी 8 मेगापिक्सल कैमरा वाले फोन के ड्रोन भी इतनी ही क्षमता का कैमरा होगा। इसमें लगे कैमरे से स्टैंडर्ड, वाइड एंगल और मैक्रो तस्वीरें क्लिक की जा सकती हैं। बज टेक्नोलॉजी का कहना है कि इस प्रोटोटाइप के फाइनल होते ही इस साल सितंबर में इस स्मार्टफोन-ड्रोन को लॉन्च कर दिया जाएगा।

नौकरियों पर खतरा

वैश्विक बाजार में ड्रोन नौकरियों पर बड़ा खतरा बनकर मंडरा रहा है। एक शोध में दावा किया गया है कि ड्रोन तेजी से इनसानों की जगह ले रहे हैं। ड्रोन का वैश्विक बाजार अभी करीब दो अरब डॉलर का है जो 2020 तक बढ़कर 127 अरब डॉलर का हो जाएगा। गूगल और अमेजॉन जैसी बड़ी कंपनियां ग्राहकों तक सामानों की जल्द डिलीवरी के लिए इनका इस्तेमाल कर रही हैं। शोध के मुताबिक, छोटे ड्रोन न केवल कुरियर पहुंचा रहे हैं, बल्कि गगनचुंबी इमारतों की खिड़कियां साफ करने, बीमा दावों की जांच और फसलों पर कीटनाशकों के छिड़काव में भी प्रयुक्त हो रहे हैं। परामर्श देने वाली कंपनी पीडब्ल्यूसी के शोध के अनुसार, ड्रोन तकनीक बहुत जल्द ही हमारे रोजमर्रा के जीवन का अंग बन जाएगी।

ड्रोन को लेकर गाइड लाइन

देश में ड्रोन को लेकर कोई पॉलिसी नहीं है और इस वजह से ड्रोन स्टार्टअप समेत सभी स्टेक होल्डर कई मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अब एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने भारतीय आसमान में मानवरहित विमान के इस्तेमाल से जुड़ी ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। गाइडलाइंस की कमी की वजह से ना तो देश में ड्रोन का सही तरीके से इस्तेमाल हो पा रहा था, और न ही सुरक्षा को होने वाले खतरे से निपटने का कोई कानून था। अब डीजीसीए ने जो ड्राफ्ट जारी किया है, उस पर स्टेकहोल्डरों से फीडबैक मांगा है। इसके आधार पर बाकायदा रेगुलेशन जारी कर दिया जाएगा। देश में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे स्टार्टअप ने सरकार के इस कदम की तारीफ की है। ड्रोन पर आए ड्राफ्ट गाइडलाइंस के मुताबिक ड्रोन के कमर्शियल इस्तेमाल के लिए भी नियम-कायदे बनेंगे जैसे हर गाड़ी का नंबर प्लेट होता है ठीक उसी तरह ड्रोन को भी यूएनआई यानी यूनीक आइडेंटीफिकेशन नंबर दिया जाएगा। ये यूएनआई पाने के लिए आपको भारतीय नागरिक होना जरूरी होगा। साथ ही आपका बिजनेस भारत में ही होना होगा। ड्रोन के आइडेंटिफिकेशन प्लेट में आरएफ आईडी टैग या सिम होगा, जिसके जरिए ड्रोन की कंपनी के बारे में पता लगाया जा सकेगा। गाइडलाइंस के मुताबिक चार कैटेगरी के ड्रोन होंगे। आम लोग 2 किलो से कम वजन के ड्रोन 200 फीट से कम ऊंचाई पर उड़ा पाएंगे। ड्रोन पर जारी ड्राफ्ट गाइडलाइंस के मुताबिक जो 4 कैटेगरीज होंगी, उनमें 2 किलो से कम तक के ड्रोन माइक्रो कहलाएंगे। 2 किलो से 20 किलो तक के ड्रोन मिनी कैटेगरी में आएंगे। 20 किलो से 150 किलो तक के ड्रोन स्मॉल कैटेगरी में आएंगे, वहीं इससे बड़े ड्रोन लार्ज कहलाएंगे। उम्मीद है कि इस मसले पर अंतिम गाइडलाइंस आने के बाद देश में ड्रोन का बड़े पैमाने पर बिजनेस में इस्तेमाल होने लगेगा और आपके घर की छत पर सामान की डिलीवरी सीधे ड्रोन से होगी।

एक डुअल सिम वाले फोन पर दो व्हाट्सऐप अकाउंट

व्हाट्सऐप दुनिया भर में सबसे ज़्यादा चलने वाला फ्री मैसेज सर्विस है।100 करोड़ लोग से भी ज्यादा इसे इस्तेमाल करते हैं और भारत में अब करीब 10 करोड़ लोग इसे इस्तेमाल करते हैं। एंड्राइड फोन भारत में काफी पसंद किया जाता है और 80 फीसदी से ज्यादा लोग एंड्राइड ऑपरेटिंग सिस्टम वाले फोन ही इस्तेमाल करते हैं। डुअल सिम वाले फोन भारत में बहुत पसंद किए जाते हैं और बड़े और छोटे शहर में सभी लोगों के पास ऐसे फोन आपको मिल जाएंगे। कई बार लोग अपने काम और निजी नंबर को अलग रखते हैं और इसलिए व्हाट्सऐप भी अलग अलग रखने का प्रचलन बढ़ रहा है। ऐसा करने के लिए आपको थोड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी और स्मार्टफोन की सेटिंग में थोड़ा बदलाव करना होगा। लेकिन एक बार आपने ये कर लिए तो एक ही डुअल सिम वाले स्मार्टफोन पर दो व्हाट्सऐप अकाउंट चला सकेंगे।

पहली स्टेप इसके लिए आपको डुअल सिम वाला स्मार्टफोन चाहिए और उस पर दो एक्टिव मोबाइल नंबर चाहिए। डेटा सर्विस एक पर भी एक्टिव हो तो ये दोनों आपके लिए काम करेंगे। सबसे पहले अपने व्हाट्सऐप पर जाइए और वहां पर सेटिंग को चुनिए और फिर चैट सेटिंग को चुनिए। इसके बाद बैकअप चैट पर क्लिक कर दीजिए ताकि आपके सभी मैसेज का एक बैकअप तैयार हो जाए।

दूसरी स्टेप अब समय है अपने स्मार्टफोन की सेटिंग में जाने का और सेटिंग में ही जो ऐप का विकल्प है उसे चुन लीजिए। वहां पर व्हाट्सऐप को चुन लीजिए और क्लियर डेटा के विकल्प पर क्लिक कर दीजिए और उसे ओके कर दीजिए।

तीसरी स्टेप अब अपने डिवाइस के फाइल एक्स्प्लोरर पर जाइये और व्हाट्सऐप फोल्डर में पहुंच जाइए। वहां पर ऑप्शन पर क्लिक करके आप उसका नाम बदल कर ओ जी व्हाट्सऐप रख दीजिये और फिर ओके पर क्लिक कर दीजिए।

चौथी स्टेप इसके बाद फिर से सेटिंग में जाना होगा, उसके बाद ऐप और फिर व्हाट्सऐप। इसके बाद और व्हाट्सऐप को अनइंस्टॉल कर दीजिए। इसके बाद ओ जी व्हाट्सऐप को इस लिंक से डाउनलोड कर के इनस्टॉल कर लीजिए। इनस्टॉल करने के बाद इसे लॉन्च कर दीजिए। इनस्टॉल करते समय जो आप पहले मोबाइल नंबर इस्तेमाल कर रहे थे उसे लिख दीजिए। उसके बाद अपने पुराने चैट के बैकअप को आप रिस्टोर कर पाएंगे। अपनी सेटिंग को पूरा करने के बाद आपके पुराने नंबर का व्हाट्सऐप काम करने लगेगा।

पांचवी स्टेप अपने स्मार्टफोन के होमस्क्रीन पर आप ओ जी व्हाट्सऐप नाम के दो आइकॉन देख सकेंगे। अब अपने स्मार्टफोन के दूसरे नंबर के लिए आपको गूगल प्लेस्टोर पर जाकर व्हाट्सऐप डाउनलोड कर के इनस्टॉल करना होगा। उसके बाद जब उसमे अपना नंबर देने के समय आएगा तो वहां अपना दूसरा नंबर एंटर कर दीजिए। हो सकता है आपके अपना वेरिफिकेशन कोड भी एंटर करना पड़े। अगर आप ये वेरिफिकेशन कोड नहीं चाहते हैं तो व्हाट्सऐप से कॉल का विकल्प भी चुन सकते हैं। यह कॉल के समय जो छह डिजिट का वेरिफिकेशन कोड आपको बताया जाता है उसे आपको एंटर करना होगा। उसके थोड़ी देर के बाद आपका दूसरे नंबर वाला व्हाट्सऐप काम करने लगेगा। दोनों व्हाट्सऐप नंबर के अकाउंट के आइकॉन अलग अलग होंगे। ये करने के बाद आप काम के नंबर और निजी नंबर के व्हाट्सऐप को अलग अलग कर सकते हैं।

'गोल्ड व्हॉट्सेप' को न करें इंस्टॉल...

अधिकतर लोग व्हॉट्सेप पर एक्टिव रहते हैं। अगर आप भी व्हॉट्सेप यूजर हैं तो हो सकता है आपके पास पिछले कुछ दिनों में एक मैसेज आया होगा, जिसमें आपको अपग्रेड वर्जन 'गोल्ड व्हॉट्सेप' डाउनलोड करने की सलाह दी गई होगी। अगर आपके पास भी यह मैसेज आया है तो आप सतर्क हो जाएं। इस मैसेज में लोगों को सूचना दी जा रही है कि ये अपग्रेड वर्जन लीक हो चुका है और इसे सिर्फ बड़ी हस्तियां इस्तेमाल करती है। इसके साथ ही यूजर्स को ये बताकर चकमा दिया जा रहा कि इसमें वीडियो कॉल, गलती से भेजे गए मैसेज को हटाने की सुविधा और एक साथ 100 फोटोज भेजने की जैसी सुविधाएं है। आपके पास अब तक ये मैसेज नहीं आया है तो आप खुशकिस्मत है। वो इसलिए क्योंकि जिसके पास भी ये मैसेज आया है उनके साथ बहुत बड़ा धोखा दिया जा रहा है। व्हॉट्सेप ने ऐसा गोल्डन वर्जन जैसा कोई अपडेट लॉन्ज ही नहीं किया है। दरअसल यह हैकर्स की सोची समझी चाल है। इसमें यूजर्स को जाल में फंसाने की कोशिश की गई है। इसकी काफी संभावना है कि जिन यूजर्स के पास ये मैसेज आया है उस डिवाइस में वायरस आ चुका है। जल्द से जल्द मोबाइल में एंटी वायरस डाउनलोड कर लें ताकि हैकर्स आपके फोन का व्यक्तिगत डेटा इस्तेमाल न कर पाएं।

कोमल, मुलायम और चंचल

आप सभी बच्चों को खरगोश बहुत पसंद होगा न। खरगोश आपको बहुत प्यारा लगता है। उसकी मुलायम कोमल त्वचा और उसकी चंचलता बरबस ही सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं। जानते हैं कुछ रोचक बातें।

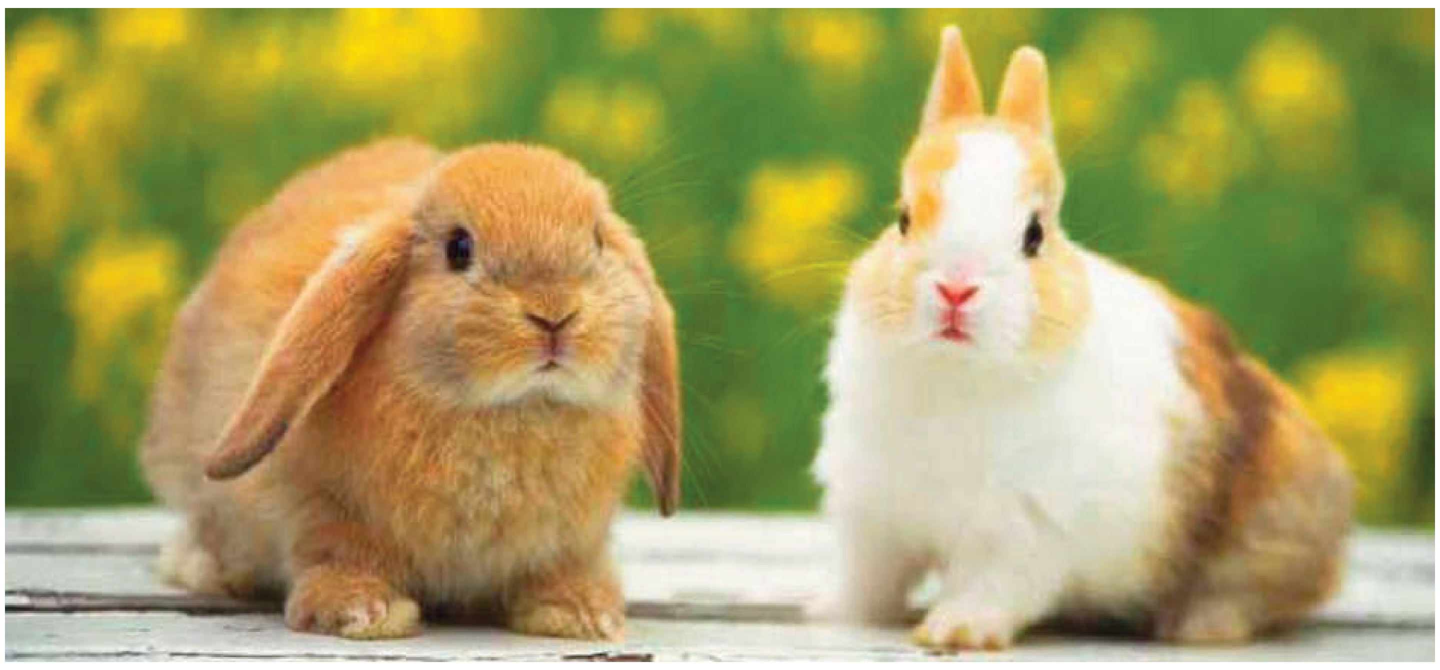

आपने, खरगोश तो देखे ही होंगे। देखने में कितने प्रिय लगते हैं। सामान्तया खरगोश की लम्बाई 18 से 20 इंच तक होती है। इसकी आंखें भूरी और नीली होती हैं। शरीर के अनुपात के हिसाब से इसके कान कुछ बड़े व लंबे होते हैं। इनके कानों से जुड़ा एक रोचक पहलू भी है। दरअसल ये अपने इन्हीं बड़े कानों की मदद से खुद की रक्षा कर पाते हैं। इनके बड़े कान अत्यन्त मद्धम आवाज से उत्पन्न हुई ध्वनि तरंगों को भी सुन लेते हैं। और कोई भी खतरा महसूस होने पर शीघ्र ही कुलांचे भर कर अपनी रक्षा कर लेते हैं। खरगोश में तीव्र श्रवण शक्ति के अलावा दूर तक देख पाने की क्षमता भी गजब की होती है। इनकी पिछली टांगें अगली टांगों की अपेक्षा बड़ी होती हैं। इन्हीं टांगों के बल पर कुंलाचे भरकर दौड़ना इसका प्रिय शौक है।

क्या खाते हैं

खरगोश शुद्ध शाकाहारी प्राणी हैं। आमतौर पर आपने खरगोश की फोटो में उसे गाजर खाते हुए देखा होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। इसका मुख्य भोजन हरी दूब, नर्म पौधे, घास, सब्जियां, फल, चने आदि हैं। इसके मुंह में दो दांत की पंक्तियां होती हैं। जिनकी मदद से यह अपना भोजन कुतर कुतर कर करता है। गाजर, मूली, शकरकंद, आदि की जड़ें इसका प्रिय भोजन है।

रहते हैं समूह में

खरगोश समूह प्रेमी जीव है, जो एक बड़े झुंड के रूप में रहना पसंद करते हैं। ये प्राय: भोजन की तलाश में सांझ ढ़ले या मुंह अंधेरे निकलते हैं। दिन के बाकी वक्त ये घनी झाड़ियों या लंबी घास में छुपे रहते हैं। ये खुद को आमतौर पर शत्रुओं से बचाने के लिए ऐसा करते हैं। अगर आपने भी कभी खेतों- खलिहानों में खरगोश को देखा होगा तो याद कीजिए वो समय कौन सा था? जरूर शाम का वक्त होगा।

चकमा देने में महारत

खरगोश को देखने पर हम में से ज्यादातर लोग उसको पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ लगाते हैं। लेकिन शायद ही कभी किसी ने खेतों व खलिहानों से इन्हें पकड़ने में सफलता पाई हो। दरअसल जब भी हम इनको पकड़ने के लिए इनके पीछे भागते हैं, तो ये हमें चकमा देने के लिए कभी भी एक दिशा में नहीं भागते। जिस वजह से इन्हें पकड़ना आसान नहीं होता।

सबसे बड़ा खरगोश

फलेमिश जायंट प्रजाति के खरगोश आकार में सबसे बड़े व वजनी होते हैं। इनका औसत वजन सात से आठ किलोग्राम तक पाया जाता है। यह प्रजाति इंग्लैंड और बेल्जियम से अन्य देशों में आयात की जाती है। खरगोश की सभी प्रजातियों में सबसे कम वजन के छोटा खरगोश उत्तरी अमेरिका में पाया गया है। इसका नाम पीग्मी रेबिट है। इसका वजन 375 ग्राम से लेकर 500 ग्राम तक होता है। इसकी लम्बाई नौ इंच से लेकर साढ़े ग्यारह इंच तक होती है। इसके छोटे व कम वजन केखरगोशों की प्रजाति नीदरलैंड तथा पोलैंड में भी पाए जाते हैं।

पालें अगर खरगोश

1. अगर आप खरगोश पालने की सोच रहें हैं तो पहले यह सुनिश्चित कर लें कि खरगोश को आप तब तक न पालें जब तक वो अपने जन्म के चार महीने बाद तक अपनी मां के पास न रह लें।

2. खरगोश बहुत छोटी उम्र में ही गर्भ धारण कर बच्चे को जन्म देने लगते हैं। जब कोई नया शिशु खरगोश जन्म लेता हैं, तो उसकी आंखें बंद होती हैं। और उसके शरीर पर एक भी बाल या रोयें नहीं होते। है न कमाल की बात।

3. खरगोश 36 इंच ऊंची छलांग लगा पाने में कुशल होते हैं।

4. खरगोश रात के समय ज्यादा क्रियाशील होते हैं। दिन के समय ये खुद को शत्रुओं से बचाने के लिए अपने बिलों में छुपे रहते हैं।

5. खरगोश के दांत हमेशा बढ़ते रहते हैं।

खरगोश और खरहा में अंतर

आमतौर पर हम खेतों खलिहानों में जिस खरहा को देखते हैं उसे ही खरगोश समझने की भूल कर बैठते हैं। जबकि सच्चाई बिल्कुल इसके उलट है। खरगोश और खरहा में बहुत ही मामूली सा अंतर होता है।

1.खरहा खरगोश की अपेक्षा बड़े और तेज होते हैं।

2. खरगोश की अपेक्षा इनके पैर और कान दोनों ही बड़े होते हैं।

3. खरगोश के बच्चे को जन्म के समय आंखे और रोयें नहीं होते।

4. दोनों की ही पूंछ छोटी होती है।

5. आमतौर पर हम खरगोश को ही पालते हैं। खरहा को कोई नहीं पालता।

बूझो तो जानें

1. किस वजह से पृथ्वी को नीला ग्रह कहते हैं?
2. वायुमंडल में नाइट्रोजन कितने प्रतिशत मौजूद है?
3. बैरोमीटर का प्रयोग किस लिए किया जाता है?
4. कोयला जलने पर कौन-सा गैस उत्सर्जित करता है?
5. ठोस कॉर्बन-डाई-ऑक्साइड किस रूप में मिलती है?
6. पत्तियों के सतह पर तक सांस लेने के लिए बने छिद्रों को क्या कहते हैं?
7. सूरज के सबसे नजदीक कौन-सा ग्रह है?
8. सब्जियों का राजा आलू पौधे का कौन-सा हिस्सा होता है?
9. पानी का रासायनिक सूत्र क्या होता है?
10. मनुष्य शरीर में कितनी इंद्रियां होती हैं?
11. किस ग्रह को लाल ग्रह कहा जाता है?
12. सर्च इंजन गुगल के हेडक्वार्टर का नाम क्या है?
13. यौगिक एचसीएल अम्ल है या क्षार?
14. जल जाने या फिर छिल जाने पर कौन-सा मीठा चिपचिपा पदार्थ एंटीसेप्टिक के रूप में प्रयोग किया जाता है?
15. सूर्य और चंद्रमा के बाद आकाश में चमकने वाला ग्रह कौन-सा है?
16. ट्रैक्टर का अविष्कार किसने किया था?

1.पानी की वजह से 2. 79 3. वायुमंडलीय दाब जानने के लिए 4. कार्बन डाई ऑक्साइड 5. ड्राई आइस 6. स्टोमेटा 7. बुध 8. तना। 9. H_2O 10. पांच 11. मंगल 13. अम्ल है (हाइड्रोक्लोरिक एसिड) 12. गूगलप्लेक्स 14. शहद 15. शुक्र 16. बेंजामिन होल्ट (1900)

अंतर ढूंढो

यहां दो चित्र दिए गए हैं, इन दोनों में कुछ अंतर है। आपको वो अंतर ढूंढने हैं। चलिए ढूढ़िए तो सही।

रंग भरो

इस तस्वीर में मिंकू पेड़ पर चढ़ा हुआ है और वो भी टिंकू और जॉनी के डर से। वह इतना डर गया कि उसे सब कुछ बिना रंग का ही दिख रहा है। आप इस तस्वीर में रंग भर कर मिंकू का डर दूर करने में मदद कीजिए। तो देर किस बात की...

जन्मदिन की पार्टी

मिक्की अपने जन्मदिन पर दोस्तों को मिठाई बांटना चाहता था, पर पैसा न होने के कारण ऐसा नहीं कर पाया। लेकिन जन्मदिन आने पर ऐसा काम किया कि वह अपने पर गर्व महसूस कर रहा था। ऐसा क्या किया उसने? जानने के लिए कहानी पढ़ें...

प्रिंस का जन्मदिन होने के कारण आज कक्षा में फिर मिठाई बांटी गई थी। अभी कुछ दिन पहले ही मिटूं ने सभी को रसगुल्ले खिलाए थे। क्योंकि उसका भी जन्मदिन था। स्कूल में ये सब देखकर मिक्की को खुशी भी होती और अफसोस भी। खुशी इस बात की कि महीने में दो-तीन बार मुफ्त में ही कुछ न कुछ खाने को मिल जाता है। लेकिन वो ये सोचकर उदास हो जाता कि जब उसका जन्मदिन आएगा, तब वह क्या करेगा। उसके मां-बाप गरीब हैं। बड़ी मुश्किल से उसकी फीस और कॉपी-किताबों का खर्च निकल पाता है। मिक्की के पिता जी एक प्राइवेट कम्पनी में काम करते हैं। गर्मियों में भी उन्हें लोहा पिघलाने वाली भट्टियों पर काम करना पड़ता है। उसकी मां को हौजरियों में से जर्सियां लाकर उन पर बटन टांकने का काम करना पड़ता है, ताकि परिवार की आमदनी में कुछ वृद्धि हो सके। किराए के मकान में रह रहे मिक्की के मन में प्राय: इस प्रकार के विचार कौंधते रहते। परिवार की आर्थिक स्थिति जानने के बावजूद वह सोचता कि परिवार वाले उसका जन्मदिन क्यों नहीं मनाते? वह सोचता कि काश उसके घर वाले भी उसे कक्षा में मिठाई बांटने के लिए पैसे देते। पहले मिक्की सरकारी स्कूल में पढ़ता था, इसलिए वहां पर ऐसा चलन नहीं था। मगर इस स्कूल में जन्मदिन मनाने वाला अजीब-सा चलन देखकर मिक्की को काफी आश्चर्य हुआ था।

परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण ज्यों-ज्यों मिक्की का जन्मदिन निकट आ रहा था, अपने आप पर नियंत्रण रख पाना उसके लिए कठिन हो रहा था।

और एक दिन उसने अपने पिता जी से अपने मन की बात कह दी थी।

'तुम्हारा दिमाग तो नहीं खराब हो गया,' उसके पिताजी थोड़ा क्रुद्ध होकर बोले- 'यहां दो वक्त की रोटी की चिंता सताए रहती है, और इसे जन्मदिन मनाने की पड़ी है।'

उसने इस बार ठान ली कि इस साल वह अपना जन्मदिन मनाकर रहेगा। उसे अपनी मम्मी पर भी गुस्सा आ रहा था, क्योंकि वो हर साल जन्मदिन वाले दिन थाली में थोड़े-चावल तथा एक गिलास में दूध डालकर देकर कहती- 'जा बेटे, मंदिर में चढ़ा आ... पुजारी के पांव छूकर आशीर्वाद भी ले लेना।'

उसकी जिद्द के कारण घर की शांति भी मानो भंग हो गई थी। आखिरकार जन्मदिन से एक दिन पहले पापा थोड़ा शांत हो गए थे। उन्होंने प्यार से मिक्की को समझाते हुए कहा- 'बेकार में अपनी वाह-वाह करवाने के लिए पैसे खर्च करना हमारे वश की बात नहीं है। यह सब तो अमीरों के काम हैं। हमजैसे लोगों के लिए दो समय की रोटी जुटा पाना मुश्किल होता है।' उन्होंने समझाते हुए कहा कि- यह लो पचास रुपए, कल अपने दो-चार मित्रों के संग पार्टी कर लेना। चाहो तो शाम को उन्हें अपने घर ही बुला लेना। बेटे, घर की हालत तो तुम जानते हो। सारी कक्षा को पार्टी देना हमारी क्षमता से बाहर है।'

उनके समझाने का मिक्की मान गया। वह सोचने लगा कि किस-किस को बुलाए। चिंटू तथा सोनू को तो अवश्य बुलाएगा। विक्की को नहीं बुलाएगा। वह तो बहुत अमीर है। कहीं उसके घर की दयनीय हालत देखकर बाद में मजाक न उड़ाने लग जाए।

जन्मदिन वाले दिन जब शाम को वह खाने-पीने के लिए कुछ लाने के लिए घर से निकला कि एकदम बारिश शुरू हो गई। हर तरफ भगदड़ मच गई। वह बारिश से बचने के लिए आगे रुक गया। घर का दरवाजा खुला था। वह बारिश से बचने के लिए अंदर चला गया। उसी समय भीतर से आवाज आई- 'बेटे, भीतर चले आ। कहीं बारिश में भीग कर बीमार न पड़ जाना।'

मिक्की भीतर चला आया। घर खस्ता हालत में था। कमरे की दीवारों से पलस्तर उतरा हुआ था। चारपाई पर एक दस-बारह वर्ष का लड़का लेटे हुए खांस रहा था।

'आप इसके लिए कोई दवाई क्यों नहीं ले आते? खांस-खांस कर इसकी बुरी हालत हो गई है। सुबह से कितना तेज बुखार है इसे।' वहां बैठी हुई औरत ने कहा तो वह आदमी थोड़ा क्रुद्ध होकर बोला- 'दवा कहां से लाऊं? जेब में तो फूटी कौड़ी भी नहीं है। चाय में तुलसी के पत्ते उबालकर पिला दे... स्वयं ही उतर जाएगा बुखार।'

'मगर चाय भी कैसे बनाऊं... न घर में शक्कर है न दूध?' कहते हुए उस औरत की जैसे आंखे भर आई थीं।

'मगर मैं भी क्या करूं। इस बरसात का सत्यनाश हो। दो दिन से दिहाड़ी ही नहीं लगी। भगवान भी जैसे हम गरीबों की परीक्षा ले रहा है।' कहते हुए उस आदमी का मन भी भर आया था।

उनकी बातें सुनकर मिक्की तो जैसे स्तब्ध रह गया था। उसे लगा कि उसके पापा उचित ही कहते हैं कि पार्टियों करना तो अमीर लोगों के ढकोसले हैं। आम आदमी को तो दो वक्त की रोटी के लाले पड़े रहते हैं।

वह कुछ पल सोचता रहा। आखिरकार उसने पचास का नोट उस आदमी की ओर बढ़ाते हुए कहा- 'अंकल जी, आप इन पैसों से इसके लिए दवा ले लाओ।'

'अरे नहीं बेटे... भगवान स्वयं ही कोई हल ढूंढ़ निकालेगा। तू क्यों कष्ट करता है?' 'नहीं अंकल जी, कष्ट वाली तो कोई बात नहीं है, फिर आज तो मेरा जन्मदिन है। मैं खुश होकर अपने छोटे भाई को दे रहा हूं...' न जाने क्यों, यूं कहते हुए मिक्की का मन भर आया था। कुछ समय पश्चात् बारिश बंद हो गई थी और मिक्की अपने घर की ओर चलने लगा था। लेकिन उसका मन खुशी से बल्लियां उछाल रहा था। उसे यूं प्रतीत होने लगा था जैसे वह अपने जन्मदिन की पार्टी किसी बहुत बड़े होटल में करके आ रहा हो।

विमान हादसे में पूर्व अंतरिक्ष यात्री विलियम एंडर्स का निधन, उड़ान भरने के बाद पानी में जा गिरा प्लेन

सिएटल, 08 जून (एजेंसियां) ।

अंतरिक्ष की दुनिया से एक दुखद खबर सामने आई है। बता दें कि एक हादसे में रिटायर्ड मेजर जनरल विलियम एंडर्स अपोलो 8 के पूर्व अंतरिक्ष यात्री का निधन हो गया। दरअसल वह जिस विमान को चला रहे थे वो पानी में गिर गया । वह 90 साल के थे। उनके बेटे रिटायर्ड वायु सेना लेफ्टिनेंट कर्नल ग्रेग एंडर्स ने एसोसिएटेड प्रेस को उनकी मृत्यु की पुष्टि की। ली थी पहली कलरफुल फोटो बता दें कि रिटायर्ड मेजर जनरल विलियम ने 1968 में अंतरिक्ष से ग्रह को छायादार नीले संगमरमर (ब्लू कलर फोटो) के रूप में दिखाने वाली पहली अर्थराइज फोटो ली थी।

विलियम एंडर्स ने इस फोटो को लेकर बताया था कि यह फोटो अंतरिक्ष कार्यक्रम में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान था। यह फोटो अंतरिक्ष से दिखने वाली पृथ्वी की पहली कलरफुल फोटो है, ये आधुनिक इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण फोटो में से एक है क्योंकि इसने मनुष्यों के ग्रह को देखने के तरीके को बदल दिया है। साथ ही इस फोटो को वैश्विक पर्यावरण आंदोलन को बढ़ावा देने का श्रेय दिया जाता है, जिसमें दिखाया गया है कि अंतरिक्ष से पृथ्वी कितनी नाजुक और अलग-थलग दिखाई देती है।

विमान में एक ही पायलट था

सैन जुआन काउंटी के शेरिफ एरिक पीटर ने इस मामले में बताया, सुबह करीब 11.40 बजे एक रिपोर्ट आई कि एक पुराने मॉडल का विमान जोन्स द्वीप के उत्तरी छोर के पास पानी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और डूब गया। फेडरल एविएशन एसोसिएशन के अनुसार, उस समय बीच ए45 हवाई जहाज पर केवल एक पायलट ही सवार था। अपोलो 8 मिशन को लेकर साझा किए अनुभव

विलियम एंडर्स ने 1997 में कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि अपोलो 8 मिशन आसान है। लेकिन मैंने राष्ट्र, देशभक्ति को ध्यान में रखते हुए अपने मिशन को पूरा किया। उन्होंने मिशन शुरू होने से पहले अनुमान लगाया था कि लगभग तीन में से एक प्रतिशत मौका हो सकता है कि हमें इसमें पूरी तरह सफल न हो। लेकिन ये सब अच्छे से हो गया। उन्होंने बताया कि उस वक्त हमने महसूस किया पृथ्वी कितनी नाजुक दिखती थी।

न्यूज ब्रीफ

ईयू चुनाव के लिए प्रचार करके लौट रहीं प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन पर हुआ हमला आरोपी गिरफ्तार

कोपेनहेगन । डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन पर कोपेनहेगन में एक शख्स ने अचानक हमला कर दिया। फिलहाल मेट सदमे में हैं। इस घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। वहीं, हमले की यूरोपीय संघ के प्रमुखों ने निंदा की। आरोपी गिरफ्तार मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि आरोपी ने पीछे से आकर फ्रेडरिक्सन को जोर से धक्का मारा। इससे वे लड़खड़ा गईं। हालांकि कोपेनहेगन पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। ईयू के चुनाव से पहले हमला यह हमला यूरोपियन यूनियन (ईयू) चुनाव से ठीक पहले हुआ है। ईयू के चुनाव नौ जून को होने हैं। डेनमार्क पीएम फ्रेडरिक्सन सोशल डेमोक्रेट्स यूरोपीय संघ के प्रमुख उम्मीदवार क्रिस्टेल शाल्डेमोस के साथ प्रचार कर रही हैं। घटना के वक्त वे प्रचार से ही लौट रही थीं। घटना से सदमे में हैं फ्रेडरिक्सन एक मीडिया रिपोर्ट में प्रधानमंत्री कार्यालय के हवाले से लिखा कि फ्रेडरिक्सन इस हमले से सदमे में हैं। घटना के चश्मदीदों मैरी एड्रियन और एना रेवन ने बताया कि एक आदमी दूसरी तरफ से आया और पीएम मेट के कंधे पर जोर से धक्का मारा। धक्का बहुत जोर से लगा था, लेकिन वह गिरने से बच गईं। इसके बाद वह एक कैफे में बैठ गईं। चश्मदीदों ने उस आदमी को लंबा और पतला बताया। साथ ही कहा कि शख्स ने सबकुछ बहुत जल्दी करने की कोशिश की थी, लेकिन सुरक्षा गार्डों ने उसे पकड़ लिया। यूरोपीय राजनेताओं पर हिंसक हमले बढ़े हाल के दिनों में यूरोपीय राजनेताओं पर हिंसक हमले बढ़े हैं। चार जून को मैनहेम में एक संदिग्ध व्यक्ति ने बॉक्स कटर से वार करके फार राइट अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी के एक राजनेता की हत्या कर दी थी। जर्मनी के सेंटर लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स के यूरोपीय पार्लियामेंट कैंडिडेट मैथियास एके पर भी हमला हुआ था, जिसमें उनके को भी ड्रेसडेन में हुए हमले में गाल और आंख की हड्डी टूट गई थी। 15 मई को हुआ था स्लोवाकिया के पीएम पर हमला बता दें, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की पिछले महीने हत्या करने की कोशिश की गई थी। पीएम फीको पर 15 मई को मध्य स्लोवाकिया के हंडलोवा शहर में एक बंदूकधारी ने हमला कर दिया था। हालांकि, अब वह खतरे से बाहर हैं। हमलावर ने उन पर पांच गोलियां दागीं, जिसमें से एक गोली उनके पेट में लगी थीं। पीएम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां साढ़े तीन घंटे तक उनकी सर्जरी चली थी। ये हमला तब हुआ जब प्रधानमंत्री हैंडलोवा शहर में एक सांस्कृतिक हॉल के बहार भाषण दे रहे थे।

डेनमार्क की पीएम मेट फ्रेडरिक्सन पर हमला, हमलावर गिरफ्तार, घटना के बाद सदमे में पहुंची प्रधानमंत्री

कोपेनहेगन। डेनमार्क की प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन पर सेंट्रल कोपेनहेगन में एक व्यक्ति ने हमला कर दिया।

कोपेनहेगन के एक निवासी ने इस बात की जानकारी दी है। स्थानीय निवासी का कहना है, प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन पर एक शख्स ने हमला किया और हमले के बाद वो भाग गया। इस घटना से पीएम घबरा गईं। हमले के बाद वहां मौजूद सुरक्षकर्मी प्रधानमंत्री को ले गए। शुक्र की बात ये रही कि उन्हें इस हादसे से कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हमलावर गिरफ्तार पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्होंने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और घटना की जांच कर रहे हैं, लेकिन अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। वहीं यूरोपियन कमिश्नर उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इसे नीच हरकत करार दिया है। पर्यावरण मंत्री ने कहा- सदमे में हैं डेनमार्क के पर्यावरण मंत्री मैग्नस ह्युनिके ने भी इस घटना को लेकर एक्स पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा, हमले से सदमे में हैं प्रधानमंत्री। इस हमले ने जो फ्रेडरिकसेन के करीब हैं, उन सभी को झकझोर दिया है। बता दें कि यह हमला डेन के यूरोपीय संघ चुनाव में मतदान से दो दिन पहले हुआ है। तीन हफ्ते पहले स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर जानलेवा हमला किया गया था। जिसके बाद वो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हमलावर ने उन पर पांच गोलियां चलाईं थीं, जिसमें से एक गोली उनके पेट में लगी थीं। पीएम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां साढ़े तीन घंटे तक उनकी सर्जरी चली थी। ये हमला तब हुआ जब प्रधानमंत्री हैंडलोवा शहर में एक सांस्कृतिक हॉल के बहार भाषण दे रहे थे। फिलहाल वो रिकवरी मोड पर हैं।

राष्ट्रपति जिनपिंग से मिले पाकिस्तानी पीएम शरीफ, दोनों के बीच सीपीईसी के काम को आगे बढ़ाने पर बनी सहमति

बीजिंग, 08 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बैठक हुई। इस दौरान दोनों नेता ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के सुधार और दूसरे चरण में अरबों डॉलर की इस परियोजना के विकास को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

चार जून से बीजिंग यात्रा पर

शहबाज शरीफ चीन की आधिकारिक यात्रा पर गए हुए हैं। वह यहां चार जून से पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। दोनों नेताओं ने बीजिंग के ऐतिहासिक ग्रेट हॉल ऑफ पीपुल में गहन चर्चा की। यहां दोनों नेताओं के अलावा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें, साल 2024 में पद संभालने के बाद से राष्ट्रपति शी के साथ शरीफ की यह पहली मुलाकात थी।

सरकारी मीडिया के अनुसार, दोनों नेताओं ने सीपीईसी के सुधार और इस बड़ी परियोजना को दूसरे चरण में आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

गौरतलब है, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ने वाला सीपीईसी चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। बीआरआई को चीन द्वारा दुनिया भर में चीनी निवेश द्वारा वित्तपोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से विदेशों में अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

ग्वादर से झिंजियांग तक फैला बीआरआई

बीआरआई पहली बार 2013 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा सिल्क रोड के रूप में एक भाषण में सामने आया था, जिसे अप्रैल 2015 में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की घोषणा के साथ हटा दिया गया था। बीआरआई ग्वादर से चीनी शहर झिंजियांग में काशगर तक फैला था।

परियोजनाओं का काम धीमा

चीन ने 65 अरब डॉलर की सीपीईसी योजना के तहत पाकिस्तान में विभिन्न बिजली परियोजनाओं और सड़क नेटवर्क में अरबों का निवेश किया है, लेकिन हाल के महीनों में विभिन्न परियोजनाओं का काम धीमा हो गया है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है, प्रधानमंत्री शरीफ ने राष्ट्रपति शी को आर्थिक सुधार और सतत वृद्धि, औद्योगिक विकास, कृषि आधुनिकीकरण और क्षेत्रीय संपर्क के लिए पाकिस्तान की नीतियों और पाकिस्तान के विकास में सीपीईसी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की 2015 में पाकिस्तान की ऐतिहासिक यात्रा को याद किया, जब सीपीईसी को औपचारिक रूप से शुरू किया गया था और द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय शुरू हुआ था। राष्ट्रपति शी की बेल्ट एंड रोड पहल और वैश्विक विकास पहल (जीडीआई) की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरआई की महत्वाकांक्षी परियोजना के तौर पर सीपीईसी ने पाकिस्तान के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है।

इन मुद्दों पर भी चर्चा

दोनों नेताओं ने कश्मीर सहित अफगानिस्तान, फलस्तीन और दक्षिण एशिया सहित क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रधानमंत्री के सम्मान में एक भोज की मेजबानी की, जहां आपसी हितों के विभिन्न मामलों पर चर्चा का एक और दौर आयोजित किया गया।

एक खबर के अनुसार शरीफ ने बैठक में पाकिस्तान में चीनी नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के प्रमुख हित के मुद्दों के लिए अपने चिरस्थायी समर्थन को दोहराया।

सैन्य सहायता पैकेज में देरी के लिए बाइडन ने मांगी यूक्रेन से माफी

कहा- हम आपका साथ नहीं छोड़ेंगे

वॉशिंगटन, 08 जून (एजेंसियां) ।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन शांति सम्मेलन के लिए सभी देशों को आमंत्रित किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस द्वारा अपहरण किए गए यूक्रेनी बच्चों को वापस लाने के लिए समय खत्म हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सैन्य सहायता पैकेज में देरी के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से माफी मांगी। बाइडन ने माफी तब मांगी, जब जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन के लिए नए सैन्य पैकेज की घोषणा की। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति से कहा कि आप जैसे लड़ रहे हैं वह अद्भुत है। बता दें कि रूस-यूक्रेन के बीच दो वर्षों से अधिक समय से संघर्ष जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जेलेंस्की से कहा, आप झुके नहीं हैं। आप जैसे लड़ रहे हैं, वह अद्भुत है। आप ऐसे ही लड़ना जारी रखें। हम आपका साथ नहीं छोड़ने वाले हैं। बाइडन ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें जो बिल पारित करवाना है, उसके लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहे है। सैन्य पैकेज में देरी को लेकर बाइडन ने मांगी माफी सैन्य पैकेज में देरी के लिए उन्होंने यूक्रेन से माफी मांगते हुए कहा, फंडिंग को लेकर क्या परशानी है, मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। जिस बिल को हम पारित कराना चाहते थे, उसके लिए हमें परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ ऐसे लोग भी इसमें शामिल थे, जो इसे रोक कर बैठे थे। लेकिन हमने सब ठीक कर दिया है। बाइडन ने आगे कहा, तब से आज तक मैंने छह पैकेज की घोषणा की है। आज मैं विद्युत ग्रिड के पुनर्निमाण के लिए 225 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक अतिरिक्त पैकेज पर भी हस्ताक्षर कर रहा हूं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन शांति सम्मेलन के लिए सभी देशों को आमंत्रित किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रूस द्वारा अपहरण किए गए यूक्रेनी बच्चों को वापस लाने के लिए समय खत्म हो रहा है। इसी के साथ उन्होंने आरोप लगाया कि रूस बच्चों को उनकी मातृभूमि से नफरत करना सिखा रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि पूरी दुनिया एकसाथ आकर सद्भाव के साथ काम करने में सक्षम होना चाहती है। शांति सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे राष्ट्रपति बाइडन जेलेंस्की ने बताया कि करीब 100 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।

बच्चों के खिलाफ अपराध के लिए वैश्विक अपराधियों की सूची में इजराइली सेना, इजराइल ने कहा- शर्मनाक फैसला

न्यूयॉर्क, 08 जून (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराध के लिए इजराइली सेना को अपराधियों की वैश्विक सूची में शामिल किया है। इजराइल के संयुक्त राष्ट्र दूत गिलाद एर्दन ने फैसले को शर्मनाक बताया। एक राजनयिक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद को भी सूचीबद्ध किया जाएगा।

एर्दन ने बताया कि उन्हें आधिकारिक तौर पर फैसले के बारे में सूचित किया गया। गुटेरेस 14 जून को बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर एक रिपोर्ट भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पेश करने वाले हैं।

इस रिपोर्ट में छह उल्लघनों को शामिल किया गया है, जिनमें हत्या और अपंगता, यौन हिंसा, अपहरण, बच्चों की भर्ती और उपयोग, सहायता पहुंच से इनकार और स्कूलों और अस्पतालों पर हमले शामिल हैं।

इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि इस फैसले का संयुक्त राष्ट्र के साथ इजराइल के संबंध पर असर पड़ेगा। इजराइल के

लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र के साथ विवादित संबंध रहे हैं, जो गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध से और खराब हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले महीने कहा था कि आठ महीने लंबे चले इस युद्ध के दौरान गाजा में कम से कम 7797 बच्चे मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक कुल मिलाकर करीब 15,500 बच्चे मारे गए हैं।

इजराइल के राष्ट्रीय बाल परिषद के मुताबिक, सात अक्तूबर को हमास के हमले में 38 बच्चे मारे गए। बंधक बनाए गए कुल 250 लोगों में 42 बच्चे भी थे। दो बच्चों क छोड़कर सभी को रिहा कर दिया गया है।

39 साल से खोई हुई बेटी की तलाश में मां...हर बार होता ये दावा

वॉशिंगटन, 08 जून (एजेंसियां) ।

साल 1985 की 22 फरवरी को जब एक 8 साल की लड़की को स्कूल बस ने उसके घर के पास वाले बस स्टैंड के पास छोड़ा। लेकिन लड़की अपने घर नहीं पहुंची। अचानक लड़की कहां गायब हो गई, किसी को पता नहीं चला। आखिरी बार उस मासूम बच्ची को देखने वालों ने बताया कि बस स्टैंड के पास एक रहस्यमयी नीले रंग की 1976 डॉज वैन खड़ी थी, जिसके पास वहां बच्ची थी।

उस वैन पर अजीब से चित्र बने थे। तब पुलिस में इसकी जानकारी भी दी गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। लड़की का नाम चेरी महान था, जिसे एक मां ने बच्ची को खो दिया। लेकिन अब 39 सालों बाद अचानक वहां लड़की 46 साल की महिला के रुप में सबके सामने आ गई। खुद को चेरी बताने वाली महिला ने दावा किया कि वह, वहीं लड़की है जो 39 साल से अधिक समय पहले गायब हो गई थी, लेकिन उसकी मां को इस बात पर विश्वास नहीं है। चेरी की मां जेनिस मैकिनी ने कथित तौर पर महिला के दावे को खारिज कर दिया है कि वह उनकी बहुत समय पहले खोई हुई बेटी है, जो अब 46 वर्ष की हो चुकी है। चेरी की मां मैकिनी ने अपनी शंकाएं जाहिर कर कहा, मुझे उस लड़की पर बिल्कुल विश्वास नहीं है। हो सकता है कि उसने अपने मन में सोचा होगा कि वह चेरी है, जबकि वह चेरी जैसी बिल्कुल भी नहीं दिखती। दरअसल, मामले में तब नया मोड़ आया जब पिछले महीने एक अनाम महिला ने मेमोरीज ऑफ चेरी महान फेसबुक ग्रुप पर पोस्ट कर खुद को चेरी बताया, जिसके बाद पुलिस को उसके आश्चर्यजनक दावों की जांच करनी पड़ी। बताया जाता है कि चेरी की तलाश में उसकी मां ने चेरी के बारे में सूचना देने वाले को तब 5,000 डॉलर (लगभग 4 लाख 17 हजार रुपए) का इनाम देने की घोषणा की थी। बावजूद, इसके कुछ जानकारी नहीं मिली। चेरी की मां मैकिनी ने कहा कि मेरी बेटी के लापता होने की तारीख या उसका जन्मदिन जैसे नजदीक आता है, तब अक्सर उसके खोजे जाने की जानकारी देते हैं। लेकिन असलियत में ऐसा कुछ नहीं होता।

कनाडा में लगे इंदिरा गांधी की हत्या से जुड़े पोस्टर सांसद ने जताई चिंता, कहा- डर पैदा करने की कोशिश

ओटावा, 08 जून (एजेंसियां) ।

खालिस्तानी समर्थक लगातार कनाडा में भारतीयों को धमका रहे हैं। अब एक पोस्टर के जरिए धमकी दी जा रही है, जिसमें इंदिरा गांधी की हत्या का दृश्य दिखाया गया है। इस पर भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने शनिवार को चिंता जताई। साथ ही खालिस्तानी समर्थकों से निपटने के लिए आवाज भी उठाई।

हिंदू-कनाडाई में हिंसा का डर

आर्य ने दावा किया कि खालिस्तानी समर्थक एक बार फिर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के पोस्टर लगाकर हिंदू-कनाडाई में हिंसा का डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें, पोस्टर में इंदिरा गांधी के शरीर में गोलियों के छेद दिखाए गए हैं। साथ ही हत्यारे बने उनके सिख अंगरक्षकों के हाथ में बंदूकें दिखाई गई हैं।

कनाडा के संसद सदस्य आर्य ने कहा कि कुछ साल पहले ऐसा ही डर का माहौल था। उन्होंने एक्स पर कहा, वैंकूवर में खालिस्तान समर्थक एक पोस्टर के साथ एक बार फिर हिंदू-कनाडाई लोगों में हिंसा का डर पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस पोस्टर में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का गोलियों से छलनी शव और उनके हत्यारे हाथों में बंदूकें लिए खड़े हैं।

धमकियों का सिलसिला जारी

उन्होंने आगे कहा, यह धमकियों का सिलसिला है, जिसमें कुछ साल पहले ब्रैम्पटन में इसी तरह की घटना देखी गई थी। वहीं कुछ महीने पहले सिख फॉर जस्टिस के पन्नू ने हिंदुओं से भारत वापस जाने के लिए कहा था। मैं फिर से कनाडा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों से तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान करता हूं।

अगर चुनौती नहीं दी जाती...

कनाडा के सांसद आर्य ने कहा कि अगर इसे चुनौती नहीं दी जाती है, तो सच में कुछ हो सकता है। उन्होंने एक्स पर कहा, संदेश देने के लिए आसानी से ऐसी तस्वीरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर इन्हें चुनौती दिए बिना जाने दिया गया तो यह सच में खतरनाक हो सकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इंदिरा गांधी के माथे पर बिंदी दिखाना यह सुनिश्चित करना था कि निशाना हिंदू-कनाडाई थे।

पिछले साल किया था प्रदर्शन

पिछले साल जून में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने के लिए कनाडा में एक झांकी परेड का आयोजन किया गया था, जिसकी नई दिल्ली से कड़ी आलोचना हुई थी। इस साल मार्च में खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में भारतीय दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने खालिस्तान समर्थक नारे लगाए थे और मौके पर मौजूद भारतीय मूल के पत्रकारों पर कथित तौर पर हमला किया था।

पाकिस्तान बोला- भारत के साथ चाहते हैं सहयोगात्मक संबंध, बातचीत के जरिए हो विवादों का समाधान

इस्लामाबाद । नरेंद्र मोदी के रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने से एक दिन पहले पाकिस्तान ने कहा कि वह भारत सहित भी पड़ोसियों के साथ सहयोगात्मक संबंध बनाना चाहता है और बातचीत के जरिए विवादों का समाधान चाहत है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की ओर से आ रही मुश्किलों और बयानबाजी के बावजूद पाकिस्तान जिम्मेदाराना तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने हमेशा भारत सहित सभी पड़ोसियों के साथ सहयोगी संबंध बनाने की इच्छा जाहिर की है। हमने जम्मू-कश्मीर के मुख्य विवाद सहित लंबित मुद्दों के समाधान के लिए रचनात्मक बातचीत की हमेशा वकालत की है। भारतीय संसद ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। जिसके बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया था। भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी जैसे संबंध चाहता है और इस बात पर जोर देता रहा है कि इस तरह के संबंध के लिए आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की है। बलोच ने कहा, पाकिस्तान शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में भरोसा करता है। हमें उम्मीद है कि भारत पाकिस्तान और भारत के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए शांति और वार्ता की प्रगति और लंबे समय से चल रहे विवादों के समाधान के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कदम उठाएगा। मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद पाकिस्तान की उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर बलोच ने कहा, यह सवाल जल्दबाजी है, क्योंकि सरकार गठन की प्रक्रिया चल रही है। इसलिए मैं आपके सवाल पर टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूं।

क्या आज महामुकाबले में विलेन बन सकती है बारिश शाम 7 बजे खेला जाना हैं भारत-पाकिस्तान मैच

न्यूयॉर्क, 08 जून (एजेंसियां) ।

क्रिकेट का सबसे बड़ा मुकाबला फिर होने वाला है। भारत और पाकिस्तान 9 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में एक दूसरे से भिड़ने को तैयार है। दुनिया भर के फैंस धमाकेदार मैच का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बारिश की वजह से पूरा 20 ओवर का मैच ना हो सके, इसकी भी संभावना है। दरअसल न्यूयॉर्क में बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है। मैच सुबह 10:30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8 बजे) शुरू होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, टॉस के वक्त 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत बारिश की संभावना है, जो दोपहर 1 बजे कम होकर 10 प्रतिशत हो जाएगी और फिर शाम 3 बजे 40 प्रतिशत तक वापस चली जाएगी। बारिश भारत और पाकिस्तान मैच में अहम भूमिका निभा सकती है, क्योंकि दोनों टीमें अभी भी नए मैदान के हालातों को समझने की कोशिश कर रही हैं। न्यूयॉर्क में पहले हुए भारत-आयरलैंड मैच में भारत ने आयरलैंड को सिर्फ 96 रनों पर आउट कर दिया था। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच भी कम स्कोर वाला मैच हुआ था, जिससे पता चलता है कि न्यूयॉर्क की नई पिच गेंदबाजों को मदद कर रही है। वहीं मौसम की भविष्यवाणी पर भरोसा करें, तब 42 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है। तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा और ह्यूमिडिटी 58 प्रतिशत रहेगी। बारिश से टॉस में देरी हो सकती है, लेकिन मौसम विभाग के मुताबिक मैच समय पर ही खेला जा सकता है।

मैच के लिए दोनों टीमें:

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सईम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से पहले रोहित फिर हुए चोटिल, अभ्यास करते समय अंगूठे में लगी चोट, फैंस हुए चिंतित

न्यूयॉर्क। टी20 वर्ल्ड कप में इंडिया टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान के साथ होगा। इस मैच से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आयरलैंड के खिलाफ मैच में घायल हो गए। रोहित को इस मैच में जोशुआ लिटिल की गेंद दाहिने बाजू में लगी थी। चोट से परेशान रोहित मैच के दौरान रिटायर हो गए थे। फिर रोहित शर्मा को चोट लगी है। रोहित का अंगूठा चोटिल हो गया है। कप्तान रोहित को यह चोट नेट्स प्रेक्टिस करते हुए लगी। जब वह नेट पर श्रीलंकाई थ्रोडाउन विशेषज्ञ नुवान के खिलाफ अभ्यास कर रहे थे, तभी गेंद उछली और उनके हाथ में जा लगी। रोहित ने इसके बाद कुछ देर दूसरे छोर से बैटिंग की और फिर नेट्स बाहर चले गए। रोहित की चोट पर बीसीसीआई ने कोई अपडेट नहीं दिया है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का मुकाबला काफी अहम है। यह मैच न्यूयॉर्क को नासाउ काउंटी स्टेडियम पर खेला जाएगा। पिच पूरी तरह गेंदबाजों को फायदा पहुंचाने वाली है। ऐसे में टीम को रोहित जैसे अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है। पाकिस्तान की टीम भी अच्छे फॉर्म में नहीं चल रही है। उसे अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ हार मिली थी। मेजबान टीम ने सुपर ओवर में मैच जीता था। उससे पहले इंग्लैंड दौरे पर भी पाकिस्तान की टीम टी20 सीरीज हारी है । आयरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान ने सीरीज तो जीता था लेकिन उसे एक मैच में हार भी झेलनी पड़ी थी। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 9 जून यानी भारतीय समय अनुसार रात 8 बजे शुरू होगा। इस मैच को देखन के लिए भारत-पाकिस्तान के लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

पैरालिंपिक पर हैं टेटे खिलाड़ी विजया की नजरें

हैदराबाद । यूटीटी पैरा टेबल टेनिस नेशनल चैंपियनशिप में सबसे कम उम्र की पदक विजेता विजया दीपिका गंगापट्टनम का लक्ष्य अब पैरालिंपिक में भारत के लिए पदक जीतना है। विजया ने राष्ट्रीय स्तर पर एकल में रजत और युगल में अपने जोड़ीदार के साथ कांस्य पदक जीता है। विजया का यहां तक का सफर जुझारु क्षमता की मिसाल है। वह हड्डियों की एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं जिसके कारण उसके शरीर में 45 फ्रैक्चर हैं। यहां तक कि झटके लगने पर भी हड्डी टूट जाती है। इसके बाद भी कठिन परिश्रम कर विजया ने टेबल टेनिस खेलकर अपनी किस्मत बदली है।विजया का भाई भी टेबल टेनिस खेलता है। उसे इस खेल में पिता का पूरा समर्थन मिला। विजया के पिता ने कहा कि उसे जन्म के दौरान भी फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा क्योंकि डॉक्टरों को उसकी पहले से स्थिति के बारे में पता नहीं था। विजया के ज्यादातर फ्रैक्चर तब हुए जब वह छोटी थी और घुटनों के बल चल रही थी। उसे अपने शरीर का भार अपने हाथों पर उठाना पड़ता था। वह अलग अलग तरह के व्हीलचेयर का उपयोग करती है। व्हीलचेयर बदलते समय वह कई बार गिर चुकी है। वह नहाने समय फिसल जाती थी, जिसके उसके पैर टूट गए। विजया को सात साल की उम्र तक चलने में दिक्कत होती थी, क्योंकि उसके कूल्हे और घुटने में फ्रैक्चर हो गया था। जिसके कारण सर्जरी करानी पड़ी। इन समस्याओं के कारण उसे अपने दिन-प्रतिदिन के कामों के लिए सहायता लेनी पड़ी।

एक दशक बाद वापसी करने वाली डब्ल्यूडब्लूई स्टार ग्लैमरस अंदाज में दिखीं

लंदन । एक दशक से अधिक समय तक कुश्ती से दूर रहने वाली डब्ल्यूडब्लूई महिला पहलवान लिंडसे के हेवर्ड अब ग्लैमरस अंदाज में नजर आयी हैं। हेवर्ड ने जो बदलाव किये हैं उससे वह खूबसूरत नजर आने लगी हैं। जिससे प्रशंसक हैरान हैं। ये साथ ही पूछ रहे हैं कि वह कब रिंग में वापसी करेंगी हालांकि हेवर्ड का अभी ऐसा कोई इरादा नजर नहीं आता। रिंग में आइसिस द अमेज़ॅन के नाम से मशहूर, 6 फुट से अधिक लंबी इस पहलवान को डब्ल्यूडब्लूई के नेक्सट शो के तीसरे सीजन में स्टार आकर्षण के तौर पर शामिल किया गया था। इसके बाद साल 2010 में एक कंपनी ने उन्हें साइन किया पर जल्दी ही उन्हें शो से हटा दिया गया। उस समय. कंपनी ने उनकी गैल्मरस तस्वीरें ऑनलाइन पाए जाने के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया। तब हेवर्ड काफी काफी हद तक छायी रहीं पर मई 2011 में हमेशा के लिए रिंग से बाहर हो गयीं। वह जब अब वापस आ गई हैं तो उनके सोशल मीडिया में 1.57 लाख से अधिक फॉलोअर्स के साथ हैं, जहां वह गांजा पीने, वजन घटाने और मॉडलिंग के गुणों के बारे में बात करती हैं।

अफगानिस्तान ने पहली बार न्यूजीलैंड को हराया : गुरबाज के 80 रन, फारूकी ने पहली गेंद पर विकेट लिया, फिर राशिद का मैजिक

न्यूयॉर्क, 08 जून (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी। इनिंग्स की पहली गेंद और स्टंप्स जमीन पर। अफगान पेसर फजल हक फारूकी ने न्यूजीलैंड बल्लेबाज का फिन एलन का विकेट लेकर टी- 20 वर्ल्ड कप 2024 के एक और बड़े उलटफेर की शुरुआत कर दी थी। ये मैच वेस्टइंडीज के गयाना में प्रोविडेंस स्टेडियम में शनिवार को खेला गया। फारूकी ने पहले ओवर के बाद कीवी बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। पावरप्ले में ही 3 विकेट लेकर न्यूजीलैंड के लिए जीत मुश्किल कर दी। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। अफगानिस्तान के ओपनर्स रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने 100 रन की साझेदारी कर स्कोर 159 तक पहुंचाया। अब बारी गेंदबाजों की थी। फजल हक फारूकी ने पावर प्ले और फिर राशिद खान ने मिडिल ओवर्स में 4-4 विकेट लेकर जीत पक्की कर दी। न्यूजीलैंड 75 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान ने पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड को हराया है। इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत के साथ अफगानिस्तान ग्रुप सी के टॉप पर है।

जीत के हीरो

1.रहमानुल्लाह गुरबाज - रहमानुल्लाह गुरबाज ने 56 बॉल में 80 रन की पारी खेली। टीम को शानदार शुरुआत देने के साथ ही इब्राहिम जादरान के साथ 103 रन की साझेदारी की।

2. फजल हक फारूकी-पावरप्ले - फजल हक फारूकी ने पारी की पहली ही बॉल पर फिन एलन का विकेट दिला दिया। अपने स्पेल में उन्होंने हर ओवर में एक-एक विकेट लिया। फारूकी ने 4 विकेट लिए। फिन एलन, डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल और मैट हेनरी। इनमें से 3 विकेट पावरप्ले में लिए थे।

3. राशिद खान-मिडिल ओवर मैजिक - फारूकी के बाद मिडिल ओवर्स में राशिद खान ने स्पिन का जादू दिखाया। राशिद ने पावरप्ले के तुरंत बाद विकेट न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का विकेट लिया। 9वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमेन के विकेट लेकर राशिद ने न्यूजीलैंड का मिडिल ऑर्डर ध्वस्त कर दिया। 13वें ओवर में उनका चौथा शिकार बने लॉकी फर्ग्यूसन।

टर्निंग पॉइंट

1. गुरबाज-जादरान की पार्टनरशिप- रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के बीच हुई 103 रन की पार्टनरशिप ने अफगानिस्तान को मजबूती दे दी। बाद में आने वाले खिलाड़ियों को डेथ ओवर्स में खुलकर खेलने की आजादी मिली। पार्टनरशिप मजबूत थी इसीलिए अजमतुल्लाह ओमरजई तीसरे नंबर पर आने का मौका मिला। उन्होंने 13 बॉल में 22 रन की पारी खेली। 169 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

2. केन विलियम्सन का विकेट- न्यूजीलैंड संकट में थी, लेकिन उनका मिडिल ऑर्डर 160 का टारगेट चेज करने की काबिलियत रखता था। खासतौर से कप्तान केन विलियम्सन जो स्पिन को बाकी बल्लेबाजों से बेहतर खेलते हैं। राशिद ने पावर प्ले खत्म होने के बाद पहली गेंद पर ही विलियम्सन को पवेलियन भेज दिया। विलियम्सन सिर्फ 9 रन बना पाए। इस विकेट के बाद न्यूजीलैंड की टीम मैच में वापसी नहीं कर पाई।

न्यूजीलैंड की हार की वजहें

1. खराब फील्डिंग- न्यूजीलैंड की खराब फील्डिंग टीम की हार की सबसे बड़ी वजहों में से एक रही है। टीम ने इब्राहिम जादरान को 3 जीवनदान दिए, जिसमें 2 कैच ड्रॉप और एक रनआउट का चांस शामिल रहा। टीम की खराब फील्डिंग के कारण शुरुआती ओवर्स में विकेट नहीं मिले और अफगानिस्तान ने बड़ा टोटल बनाया।

2. गुरबाज को किस्मत का साथ- अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को किस्मत का साथ मिला। चौथे ओवर में सेंटनर की बॉल पर गुरबाज चूक गए, बॉल स्टंप पर लग गई। इसके बावजूद गुरबाज आउट करार नहीं दिए गए, क्योंकि बेल्स नहीं गिरी थीं। 11वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स उनका कैच लेते हुए बाउंड्री के बाहर चले गए।

फाइटर ऑफ द मैच

मैट हेनरी फाइटर ऑफ द मैच रहे। हेनरी ने विकेट के चांस बनाए, लेकिन खराब फील्डिंग के कारण सफलता नहीं मिली। 14 ओवर बाद मैट हेनरी ने ही इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह ओमरजई दोनों को पवेलियन भेज दिया था। लेकिन तब तक ये दोनों बल्लेबाज न्यूजीलैंड को नुकसान पहुंचा चुके थे।

प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंड: फिन एलन, डेवोन कॉन्वे (विकेट कीपर), केन विलियमसन (कप्तान), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमन, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर, मैट हेनरी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्यूसन।

अफगानिस्तान: रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेट कीपर), इब्राहिम जादरान, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, राशिद खान (कप्तान), करीम जनत, नूर अहमद, नवीन-उल-हक और फजलहक फारूकी।

अब पाकिस्तान को करना होगा सुपर 8 में क्वालीफाई के लिए संघर्ष: अकरम

डलास, 08 जून (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने टी20 विश्व कप में मेजबान अमेरिका से सुपर ओवर में मिली हार के लिए पाकिस्तान टीम की आलोचना की है। वसीम ने कहा कि अब पाकिस्तान टीम के लिए 8वें चरण के लिए क्वालीफाई करने का रास्ता संघर्षपूर्ण रहेगा। टी20 विश्व कप में अमेरिका ने 2009 के विजेता पाकिस्तान को हराकर सुपर ओवर में जीत हासिल की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी सबसे बड़ी जीत में से एक है। पाकिस्तान-अमेरिका की टीमें अपने 50 ओवर में 159 रन बनाकर बराबरी पर थीं, इससे पहले कि अमेरिका ने सुपर ओवर में 18 रन बनाए। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कई वाइड बॉल फेंकी और घबराहट के कारण ओवरथ्रो के जरिए रन दिए जाने से भी अमेरिका को मदद मिली। जवाब में पाकिस्तान ने 13 रन बनाए और हार का मुंह देखना पड़ा। अकरम ने कहा कि खराब प्रदर्शन।

अमेरिका के खिलाफ खेलते समय मुझे यकीन था कि पाकिस्तानी समर्थक को यकीन था कि वे पहली पारी में जिस तरह से खेले, उसके बाद वे जीतेंगे। दूसरी पारी में अमेरिका लक्ष्य का पीछा करने उतरे और मेरा मतलब है कि सुपर ओवर में 19 रन बनाना सुपर ओवर में 36 रन बनाने जैसा है। इसलिए, अमेरिका टीम अच्छा खेली अब पाकिस्तान को सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी क्योंकि उन्हें भारत के साथ और दो और अच्छी टीमों आयरलैंड और कनाडा से मैच खेलना है। पाकिस्तान का न्यूयॉर्क में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से मुकाबला होना है।

अकरम को यह भी लगता है कि अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल के अर्धशतक और उनके प्रेरित नेतृत्व ने उन्हें खराब फॉर्म में चल रहे पाकिस्तान पर जीत दिलाने में बहुत बड़ा कारक बनाया जिन्हें शुरू से ही कड़ी निगरानी में रखा गया था। अकरम ने कहा कि मेरे लिए दिन का सबसे खास पल अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल की पारी थी जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और पूरी पारी के दौरान अपने बल्ले को आगे रखा। उन्होंने अपने टीम की कप्तानी की, यानी उन्होंने आगे से नेतृत्व किया।

देश में बढ़ रही महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) ।

देश में महिला फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही इसमें आने वाली प्रतिभाओं की तादाद भी बढ़ी है। महिला फुटबॉल लीग के शुरु होने से भी इस खेल के प्रति आकर्षण बढ़ा है। देश की कुछ खिलाड़ी अब विदेशी लीग में भी खेल रही हैं।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार पिछले दो साल में महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या में 138 फीसदी की बढ़त आई है। अभी भारतीय महिला टीम फीफा रैंकिंग में 66वें नंबर पर है। टीम की पांच खिलाड़ी मानुषा कल्याण, ज्योति चौहान, एमके कश्मीना, किरण पिस्दा और ई पान्थोई विदेश की बड़ी लीग में खेलती हैं। वहीं जानकारों के अनुसार महिला टीम के अब विश्व कप में क्वालीफाई करने की संभावना भी बढ़ती जा रही हैं। इसलिए फुटबॉल संघ को उनकी और अधिक सहायता करनी चाहिए। महिला फुटबॉल लीग में अब अब होम और अवे मैच (घरेलू और बाहर के मैदान) का प्रारुप भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इस सत्र में दूसरी श्रेणी की लीग आईडब्ल्यूएल 2 भी शुरू हुई है, जिसमें से 15 टीमों में से 2 टीमों को प्रमोशन मिलेगा। वहीं जितनी ज्यादा टीमें होंगी। उतने ही खिलाड़ियों को खेलने के अधिक अवसर मिलेंगे। अभी दो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की महिला टीमें भी हैं। साथ ही तीन बार की चैंपियन गोकुलम केरला भी है, जो विदेशों में प्रतियोगिता खेलने वाली भारत की पहली महिला टीम थी। अब यह भी बदलाव हुआ है कि महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को क्लब पेशेवर अनुबंध भी देने लगे हैं। इससे खिलाड़ियों को अच्छी रकम भी मिल रही हैं।

कार्लोस अल्काराज ने सेमीफाइनल में जानिक सिनर को दी मात, पहली बार खिताबी मुकाबले में किया प्रवेश

पेरिस, 08 जून (एजेंसियां) ।

स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को सेमीफाइनल में जानिक सिनर को हराकर पहली बार वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। अल्काराज इसके साथ ही तीन सतह पर ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। अल्काराज ने 2022 में हार्ड कोर्ट पर यूएस ओपन, 2023 में घासियाले कोर्ट पर विंबलडन जीता था और अब रोलां गैरो में लाल बजरी पर चैंपियनशिप के लिए खेलेंगे। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज ने सिनर को 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से मात दी। खेले जाने वाले पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज का सामने चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड में से किसी एक की चुनौती होगी।

पिछड़ने के बाद की शानदार वापसी अल्काराज ने सेमीफाइनल मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। उन्होंनें मैच के दौरान जकड़न और दर्द से निपटने के लिए ब्रेक लेकर अपने ट्रेनर की मदद ली। सिनर ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी स्थिति में थे, लेकिन अल्काराज ने इसके बाद शानदार वापसी की। उनके ड्रॉप शॉट और कर्लिंग लॉब्स का सिनर के पास कोई जवाब नहीं था। जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सिनर ने 2024 में ग्रैंडस्लैम खेल में 13-0 के रिकॉर्ड के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। वह इस हार के बावजूद अगले सप्ताह जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में पहली बार शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच पहले ही इस टूर्नामेंट से हट चुके हैं और लाल बजरी के बादशाह स्पेन के राफेल नडाल पहले ही दौर में इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, ऐसे में अल्काराज के पास अपना प्रभाव छोड़ने का शानदार अवसर होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश ने श्रीलंका को पहली बार हराया

दो विकेट से मुकाबला जीता, श्रीलंका की लगातार दूसरी हार

डलास, 08 जून (एजेंसियां) ।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 15वें मैच में बांग्लादेश ने 2014 की चैंपियन श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की श्रीलंका के खिलाफ यह पहली जीत है। इससे पहले दो मुकाबले खेले गए थे, दोनों श्रीलंका ने जीते थे। डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 124 रन बनाए और बांग्लादेश को 125 रन का टारगेट दिया। जवाब में बांग्लादेश ने 19 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। बांग्लादेश के स्पिनर रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह श्रीलंका की इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हार है। इससे पहले, श्रीलंका को साउथ अफ्रीका ने हराया था। वहीं बांग्लादेश का पहला मैच था।

जीत के हीरोज

मुस्तफिजुर रहमान : रिशाद हुसैन के अलावा मुस्तफिजुर रहमान ने भी मैच में तीन विकेट झटके। रहमान ने कमिंडु मेंडिस, पथुम निसांका और महीश तीक्षणा के विकट लिए। उन्होंने श्रीलंका के टॉप स्कोरर निसांका (47) को आउट कर टीम को मुश्किल में डाल दिया।

तौहीद हृदोय : बांग्लादेश की जीत में हृदोय का अहम योगदान रहा। वे टीम के टॉप स्कोरर रहे। हृदोय ने लिटन दास के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। जो इस मैच की इकलौती फिफ्टी पार्टनरशिप रही। टर्निंग पॉइंट मैच का टर्निंग पॉइंट श्रीलंका की पारी का 15वां ओवर रहा। जब रिशाद हुसैन ने इस ओवर में लगातार दो विकेट लिए। उन्होंने ओवर की पहली बॉल पर चरिथ असलंका और दूसरी पर श्रीलंकाई कप्तान वानिंदु हसरंगा को आउट किया। इसके बाद उन्होंने 17वें ओवर की पहली बॉल पर धनंजय डी सिल्वा को पवेलियन भेजा।

फाइटर ऑफ द मैच

नुवान थुषारा फाइटर ऑफ द मैच रहे। नुवान थुषारा ने अपने स्पेल में 4 विकेट झटके, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने तंजीद हसन, नजमुल हुसैन शांतो, रिशाद हुसैन और तस्कीन अहमद का विकेट लिया।

बांग्लादेश की पारी : तौहीद हृदोय टॉप स्कोरर टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश के लिए तौहीद हृदोय टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 20 बॉल पर 40 रन की पारी खेली। उनके अलावा लिटन दास ने 36 रन और महमुदुल्लाह ने नाबाद 16 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से नुवान थुषारा ने 4 विकेट झटके। वानिंदु हसरंगा ने 2 विकेट लिए। मथीश पथिराना और धनंजय डी सिल्वा को 1-1 विकेट मिला।

श्रीलंका की पारी : निसांका अर्धशतक से चूके श्रीलंका ने बांग्लादेश को 125 रन का टारगेट दिया। श्रीलंका के लिए ओपनर पथुम निसांका ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए। उनके अलावा धनंजय डी सिल्वा ने 21 और चरिथ असलांका ने 19 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन ने 3-3 विकेट लिए। तस्कीन अहमद ने 2 विकेट झटके। तंजीम हसन साकिब को 1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

श्रीलंका: वानिंदु हसरंगा (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कमिंडु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा, चरिथ असलंका, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, महीश तीक्षणा, मथीश पथिराना और नुवान थुषारा।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्या सरकार, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान और तंजीम हसन साकिब।

शुभ लाभ

दिल्ली हवाई अड्डे की रनवे क्षमता 30 फीसदी बढ़ेगी, तीन साल में 110 उड़ानें प्रति घंटा संभव

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) । दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परिचालन को अनुकूल एवं सुगम बनाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डा सरकार-के भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) और एक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। इससे रनवे क्षमता तीन साल में करीब 30 प्रतिशत तक बढ़ाकर प्रति घंटे 110 आवाजाही की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डा अगले 6 से 12 महीनों में अपनी अंतर्राष्ट्रीय यात्री प्रबंधन क्षमता को 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहता है क्योंकि घरेलू-से-अंतर्राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय-से-अंतर्राष्ट्रीय पारगमन यातायात तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली हवाई अड्डे से इस समय सालाना 10 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही होती है। इस क्षमता का करीब 82-83 प्रतिशत घरेलू उड़ानों के लिए है जबकि शेष अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए। जीएमआर समूह के नेतृत्व वाला डायल भारत के सबसे बड़े दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का परिचालन करता है। इस हवाईड्डे पर व्यस्त समय के दौरान हर घंटे 84 विमानों की आवाजाही होती है। उन्होंने कहा कि हमारे पास चार रनवे हैं। हम अपना परिचालन सुगम बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार और एएआई के साथ काम कर रहे हैं।

2-3 वर्षों में हमारी अधिकतम रनवे क्षमता प्रति घंटे लगभग 110 विमानों की आवाजाही तक पहुंच जाएगी। यह हवाई अड्डा हर दिन एयरलाइनों के लिए 1,500 स्लॉट की पेशकश करता है और संचालन सुगम बनाए जाने के बाद यह संख्या बढ़कर 2,000 से ज्यादा हो जाएगी। एयरपोर्ट स्लॉट किसी विमान के हवाई अड्डे पर उतरने या रवाना होने के लिए निर्धारित विशेष समय होता है। उन्होंने कहा कि डायल गुरुग्राम और दिल्ली हवाई अड्डे के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए दिल्ली और हरियाणा की सरकारों के साथ भी काम कर रहा है। दिल्ली हवाई अड्डा, एयरपोर्ट ऑपरेशंस सेंटर (एपीओसी) में एक एआई इंजन स्थापित कर रहा है, जो यात्रियों की आवाजाही का अध्ययन करेगा और एयरलाइन, आव्रजन कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य को सूचित करेगा ताकि वे तुरंत अपने कर्मचारियों की संख्या में बदलाव कर सकें। चूंकि दिल्ली हवाई अड्डा विमानन केंद्र बनना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी पोर्ट्स को मिला कोलकाता बंदरगाह के संचालन का कॉन्ट्रैक्ट कंपनी का दावा- कनेक्टिविटी बेहतर होगी

कोलकाता । अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन लिमिटेड ने बताया कि कंपनी को अगले पांच वर्षों के लिए कोलकाता बंदरगाह के रखरखाव और संचालन का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है। कंपनी ने बयान में बताया कि स्वीकृति पत्र मिलने के सात महीने के भीतर बंदरगाह पर कार्गो हैंडलिंग उपकरण तैनात कर दिए जाएंगे। पांच साल के लिए मिला है कॉन्ट्रैक्ट कंपनी ने बयान में कहा कि एपीएसईजेड ने कोलकाता को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह के पांच साल के संचालन और रखरखाव के लिए कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया है। कंपनी ने नीलामी प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा करके यह कॉन्ट्रैक्ट जीता। एपीएसईजेड की बंदरगाह पर उपस्थिति से टर्मिनल और इसके कंटेनर बंदरगाह पर कनेक्टिविटी बेहतर होगी। खासकर विझिनजाम और कोलंबो से आने जाने वाले शिपमेंट की कनेक्टिविटी अच्छी होगी। इस साल से ही संचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत के पूर्वी तट का सबसे बड़ा डॉक एपीएसईजेड के निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने बताया कि नेताजी सुभाष डॉक के संचालन और रखरखाव का कॉन्ट्रैक्ट मिलना एपीएसईजेड के देश के बंदरगाहों और लॉजिस्टिक ढांचे को विकसित करने के समर्पण को दर्शाता है। हम अपने दो दशकों लंबे अनुभव का इस्तेमाल करते हुए कंटेनर टर्मिनल को विकसित करेंगे, जिससे राज्य के लोगों समेत ग्राहकों को फायदा होगा। भारत के पूर्वी तट पर स्थित नेताजी सुभाष डॉक सबसे बड़ा कंटेनर टर्मिनल है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस डॉक पर 0.63 मिलियन टीईयू का रखरखाव और संचालन हुआ।

कई शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता, कहीं महंगा

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें 75.38 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई है।

हालांकि, क्रूड में गिरावट का पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि कुछ शहरों में ईंधन की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया है। आंध्रा प्रदेश में पेट्रोल 0.26 पैसे तो डीजल 0.22 पैसे महंगा हुआ है। बिहार में 0.5 पैसे, हरियाणा में 0.13 पैसे, जम्मू-कश्मीर में 0.56 पैसे, कर्नाटक 0.15 पैसे और उत्तर प्रदेश में 0.21 पैसे महंगा हुआ। वहीं उत्तराखंड, केरल और हिमाचल प्रदेश ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.42 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.27 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर, आगरा में पेट्रोल 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर है।

वीवो ने अपना नया इन्नोवेशन वीवो एक्स फोल्ड पेश किया

नई दिल्ली । स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वीवो ने भारत में अपना नया इन्नोवेशन मेक इन इंडिया वीवो एक्स फोल्ड 3 प्रो को लांच करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 159999 रुपए है। इस नए स्मार्टफोन से वनप्लस ओपन और सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 5 को टक्कर मिल सकती है। वीवो एक्स फोल्ड 3 प्रो में 8.03 इंच का 2के ई7 एमोलेड डिस्प्ले है। एक्स फोल्ड3 प्रो में उद्योग-प्रथम कार्बन-फाइबर अल्ट्रा-टिकाऊ लाइटवेट हज है। स्क्रीन में पीक ब्राइटनेस, डॉल्बी विजन और एचडीआर 10 का सपोर्ट है। इसमें 6.53 इंच का एमोलेड कवर डिस्प्ले भी है, दोनों ही 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करते हैं। इसमें एलटीवीओ पैनल है, इसलिए कंटेंट के आधार पर रिफ्रेश रेट को 1हर्ट्ज से 120 हर्ट्ज के बीच एडजस्ट किया जाता है। अल्ट्रा-थिन ग्लास प्रोटेक्शन और आर्मर ग्लास कोटिंग के साथ, डिवाइस टिकाऊपन सुनिश्चित करता है। यह ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 एसओसी द्वारा संचालित है, जो 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और एक टीबी तक यूएफएस 4.0 स्टोरेज द्वारा समर्थित है। इसके अतिरिक्त, इसमें वीवो की कस्टम वी3 इमेजिंग चिप भी शामिल है।

शक्तिकांत दास बोले–

आरबीआई पर बढ़ने लगा रेपो दर घटाने का दबाव, एमपीसी के फैसलों की दी जानकारी

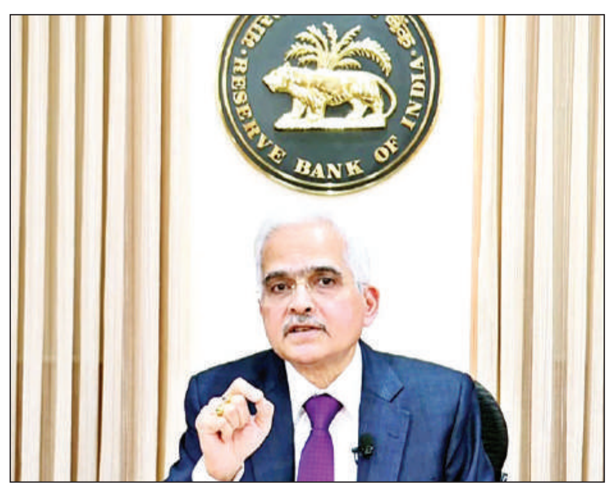

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) । आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। खुदरा महंगाई एक बार जब चार फीसदी पर आ जाए तो इसे वहीं रहना चाहिए।

मजबूत आर्थिक वृद्धि और महंगाई घटने के साथ आरबीआई पर रेपो दर में कटौती का दबाव बढ़ने लगा है। केंद्रीय बैंक की ब्याज दर निर्धारण समिति के बाहरी सदस्य जयंत आर वर्मा लंबे समय से रेपो दर में कम-से-कम 0.25 फीसदी की कटौती की वकालत कर रहे हैं। अब समिति की दूसरी बाहरी सदस्य आशिमा गोयल भी इस मांग में शामिल हो गई हैं। हालांकि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास समेत चार सदस्यों ने प्रमुख नीतिगत दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। खुदरा महंगाई एक बार जब चार फीसदी पर आ जाए तो इसे वहीं रहना चाहिए। हमें जब भरोसा हो जाएगा कि यह चार फीसदी पर स्थिर रहेगी और आगे नहीं बढ़ेगी, तभी हम रेपो दर में कटौती के बारे में सोचेंगे। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक दरों के मोर्चे पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।

दास ने कहा, वृद्धि और महंगाई का सफर उम्मीदों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है। लेकिन, यह चार फीसदी की तरफ यात्रा का अंतिम पड़ाव है, जो सबसे मुश्किल और पेचीदा होगा। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों से आरबीआई के नीतिगत कदम को अलग रखे जाने पर कहा, फेड रिजर्व के ब्याज घटाने पर भी आरबीआई रेपो दर में कटौती नहीं कर सकता है। आरबीआई के अनुमानों के मुताबिक, खुदरा महंगाई दिसंबर तिमाही में 3.8 फीसदी पर आई है, लेकिन बाद में फिर से बढ़कर पांच फीसदी पर पहुंच रही है। उधर, दरों में कटौती की वकालत करने वाले दोनों सदस्यों वर्मा और गोयल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब स्विट्जरलैंड, स्वीडन, कनाडा और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं के कुछ केंद्रीय बैंक 2024 में दरों में ढील देने की शुरुआत कर चुके हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार : 651.5 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 651.51 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। 31 मई को समाप्त सप्ताह में इसमें 4.837 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.027 अरब डॉलर घटकर 646.673 अरब डॉलर रहा था। 31 मई वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 5.065 अरब डॉलर बढ़कतर 572.564 अरब डॉलर पहुंच गई। हालांकि, सोने का भंडार 21.2 करोड़ डॉलर घटकर 56.501 अरब डॉलर रह गया।

कर्ज और जमा के बीच बने अंतर को खत्म करें बैंक

आरबीआई ने कहा, बैंकों को कर्ज और जमा वृद्धि के बीच लगातार बने अंतर का खत्म करने के लिए अपनी कारोबारी रणनीति में नए सिरे से बदलाव करने की जरूरत है। जरूरत पड़ी तो बिना गारंटी वाले यानी असुरक्षित कर्ज में वृद्धि को कम करने के लिए आगे भी कदम उठाए जा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने नवंबर, 2023 में असुरक्षित खुदरा कर्ज अत्यधिक वृद्धि और बैंक वित्तपोषण पर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की अत्यधिक निर्भरता को लेकर चिंता जताई थी। दास ने कहा, आरबीआई वित्तीय क्षेत्र, विशेषकर बैंकों के हर पहलू पर नजर रख रहा है। जब भी कुछ और उपायों की जरूरत होगी, हम कदम उठाएंगे।

ब्रिटेन से वापस लाए सोने का और मतलब न निकालें

दास ने कहा, आरबीआई ब्रिटेन से 100 टन सोना भारत लाया है, क्योंकि देश में पर्याप्त भंडारण क्षमता है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। 1991 में विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए सोने के बड़े हिस्से को गिरवी रखने के लिए तिजोरियों से बाहर निकाला गया था। हाल के वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि आरबीआई अपने भंडार के हिस्से के रूप में सोना खरीद रहा है और इसकी मात्रा बढ़ रही है। इसलिए, ब्रिटेन से सोना लाकर भारत में रखने का फैसला लिया गया। भारत में 100 टन सोना वापस आने से स्थानीय भंडार में पड़े स्वर्ण की मात्रा बढ़कर 408 टन से अधिक हो गई है। यानी स्थानीय और विदेशी होल्डिंग अब लगभग बराबर है।

फेमा को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव

कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा)-1999 के तहत वस्तुओं-सेवाओं के निर्यात और आयात के लिए दिशानिर्देशों को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव किया है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बदलाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इससे न सिर्फ कारोबार करना आसान होगा बल्कि अधिकृत डीलर बैंक अधिक जुझारू क्षमता से परिचालन कर सकेंगे। मसौदा जल्द जारी किया जाएगा।

चंद्रबाबू परिवार की संपत्ति 5 दिन में 858 करोड़ बढ़ी

35.71 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले हेरिटेज फूड्स के शेयर 55 प्रतिशत चढ़े, आंध्र-केंद्र में जीत से बढ़ा भरोसा

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां) । चंद्रबाबू नायडू परिवार की संपत्ति पिछले 5 दिनों में ही 858 करोड़ रुपए बढ़ी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हेरिटेज फूड्स के शेयरों में इस दौरान 55 प्रतिशत का उछाल आने से ऐसा हुआ है। हेरिटेज फूड्स के प्रमोटर पार्टी प्रमुख चंद्र बाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश हैं। चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी। यह कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है। हाल ही में हुए आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू का शानदार प्रदर्शन रहा है। इससे उनकी कंपनी पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

कंपनी में चंद्र बाबू नायडू पत्नी की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी

चंद्रबाबू नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी के पास कंपनी में 24.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जबकि बेटे लोकेश और बहू ब्राह्मणी के पास 10.82 प्रतिशत और 0.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नायडू के पोते देवांश के पास इसमें 0.06 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यानी चंद्रबाबू नायडू के परिवार की कंपनी में कुल हिस्सेदारी 35.71 प्रतिशत है हेरिटेज फूड्स का शेयर 10 प्रतिशत चढ़ा शुक्रवार 7 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 10 प्रतिशत की तेजी के साथ 661.25 रुपए पर बंद हुआ। वहीं बीते 5 दिनों में इसमें 55 प्रतिशत की तेजी रही है। 4 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 455.45 रुपए पर था जो 7 जून को 661.25 रुपर पर पहुंच गया। हेरिटेज फूड्स का मार्केट कैप 2,400 करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ा वहीं हेरिटेज फूड्स का मार्केट कैप इस हफ्ते 2,400 करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 7 जून को 6,136 करोड़ रुपए हो गया। यह एक सप्ताह पहले 3,700 करोड़ रुपए था। चंद्रबाबू नायडू 12 जून को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ तेलुगु देशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वे चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जवाहर लाल

से सांसदों के नाम आगे बढ़ाएंगे। एलजेपी और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी को एक-एक मंत्री पद मिलेगा।महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी पार्टी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिव-सेना को भी मोदी कैबिनेट में एक सीट मिल सकती है। एकनाथ शिंदे गुट से एक सांसद मंत्री पद की शपथ लेंगे। इनमें शिवसेना के सबसे वरिष्ठ नेता प्रतापराव जाधव का नाम सबसे आगे है। इसके अलावा श्रीरंग बारणे का नाम भी मोदी कैबिनेट के लिए चल रहा है। हालांकि, अभी तक सीएम एकनाथ शिंदे ने इस बारे में कोई भी घोषणा नहीं की है। महाराष्ट्र में एनसीपी में फूट करने वाले अजित गुट को भी मोदी टीम में जगह मिलना लगभग तय है। एनसीपी का एक मंत्री शपथ ले सकता है। इसमें प्रफुल्ल पटेल की दावेदारी मजबूत है।उत्तर प्रदेश से मोदी टीम में इस बार क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरण साधने के साथ ही नए और पुराने चेहरों में संतुलन बिठाने की चुनौती पार्टी नेतृत्व के सामने होगी। पुराने चेहरों की बात करें तो राजनाथ सिंह, अनुप्रिया पटेल और रालोद मुखिया जयंत चौधरी का मंत्रिमंडल में आना लगभग तय है। दो दलित चेहरों को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। शाहजहांपुर के सांसद अरुण सागर को भी मौका मिल सकता है। महेंद्रनाथ पांडे के हारने के बाद ब्राह्मण चेहरे के रूप में जितिन प्रसाद, दिनेश शर्मा, महेश शर्मा और लक्ष्मीकांत वाजपेयी में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।उल्लेखनीय है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार के कई कैबिनेट और राज्य मंत्रियों को हार का मुंह देखना पड़ा है। इस सूची में स्मृति ईरानी से लेकर राजीव चंद्रशखर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। मोदी कैबिनेट के अन्य जो मंत्री इस बार चुनाव हारे हैं उनमें अजय मिश्रा टेनी, सुभाष सरकार, कौशल किशोर, अर्जुन मुंडा, कैलाश चौधरी, कल्याण, एल मरुगन, निसिथ प्रमाणिक, संजीव बालियान, भगवंत खूबा, महेंद्रनाथ पांडेय, कपिल पाटिल, रावसाहेबी दानवे, भारती पवार, साधवी निरंजन ज्योति, भानुप्रताप, वी मुरली धरन और आरके सिंह शामिल जैसे नाम शामिल हैं।

शपथ ग्रहण

के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे को आमंत्रित किया गया है। इन विशिष्ट अतिथियों ने शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण स्वीकार करते हुए अपने आने की पुष्टि कर दी है।मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू शनिवार 8 जून को नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उनके साथ उनकी सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी भी भारत आएंगे। इससे पहले मुइज्जू ने लोकसभा चुनाव में जीत के लिए पीएम मोदी को बधाई भी दी थी। मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है। राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी।शपथ ग्रहण समारोह में सफाईकर्मी और सेंट्रल विस्टा परियोजना में काम करने वाले श्रमिकों को भी आमंत्रित किया गया है। विशेष आमंत्रितों में केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थी और विकसित भारत के प्रतिनिधि-दूतों को भी शामिल किया गया है। वंदे भारत और मेट्रो ट्रेनों पर काम करने वाले रेलवे कर्मचारियों को भी शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है।

ताकि पूर्व

इन सैन्य सुधारों के तहत सेना के तीनों अंगों थलसेना, वायुसेना और नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड बनाए जाएंगे। एकीकृत थिएटर कमांड बनाने के साथ ही सरकार वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और डिप्टी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की भी नियुक्ति करेगी। अगले साल जून 2025 तक एकीकृत थिएटर कमांड बनाने का काम खत्म हो जाएगा। सरकार ने एकीकृत थिएटर कमांड बनाने के लिए जनवरी 2020 में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद भी बनाया था। मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान के कंधे पर यह जिम्मेदारी है कि काम समय पर पूरा हो जाए। इसके तहत जयपुर में पश्चिमी थिएटर कमांड का मुख्यालय बनाया जा सकता है, जहां सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान स्थित है। जबकि लखनऊ में उत्तरी थिएटर कमांड बनाया जा सकता है। समुद्री खतरों से निपटने के लिए मैरीटाइम थिएटर कमांड का बेस कोयंबटूर में बनाए जाने की संभावना है, साथ ही इसमें भारतीय वायुसेना की प्रयागराज-हैडक्वॉर्टर वाली सेंट्रल कमांड और तिरुवनंतपुरम में मौजूद दक्षिणी वायु कमान शामिल होगी। सरकार की योजना गोवा के नजदीक कर्नाटक के कारवार में समुद्री थिएटर कमांड बनाने की है। मौजूदा समय में थल सेना और भारतीय वायु सेना के पास सात-सात कमांड हैं, जबकि नौसेना के पास तीन हैं। इसके अलावा, मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (एचक्यू आईडीएस) के अलावा दो ट्राई-सर्विस कमांड हैं इनमें अंडमान और निकोबार कमांड और स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड (एसएफसी) शामिल हैं।

सेना में ब्रिगेडियर और वायुसेना और नौसेना में कमोडोर रैंक के सैन्य अफसरों को नई इंटीग्रेटेड पोस्टिंग पर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। ये नई पोस्टिंग मुख्य रूप से जयपुर (पाकिस्तान केंद्रित कमांड), लखनऊ (चीन केंद्रित कमांड) और विशाखापत्तनम (नौसेना केंद्रित कमांड) के लिए हैं। वहीं सेना में कर्नल और उससे नीचे रैंक के अधिकारी, वायु सेना में ग्रुप कैप्टन और उससे नीचे रैंक के अधिकारी, नौसेना में कैप्टन और उससे नीचे रैंक के अधिकारी लगभग एक साल पहले से ही इन कमांडों में जाना शुरू कर चुके हैं।वहीं नए रक्षा मंत्री के लिए एक और बड़ी चुनौती होगी कि कैसे हथियारों के मामले में भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर से कम की जाए। सरकार की योजना आयात घटा कर निर्यात बढ़ाने की है। हाल ही में स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) ने इस साल 10 मार्च को अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत ने दुनिया के शीर्ष हथियार आयातक देशों में शामिल है। सिपरी दुनियाभर में हथियारों की बिक्री पर नज़र रखता है और एक सालाना रिपोर्ट तैयार करता है। इसमें कहा गया है कि भारत ने 2019-2023 के बीच सभी दुनियाभर से 9.8 फीसदी हथियार आयात किए हैं। वहीं, सरकार की कोशिश आयात घटा तक निर्यात बढ़ाने की होगी। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत का सैन्य निर्यात 21,083 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। तेजस लड़ाकू विमान, आईएनएस अरिहंत परमाणु पनडुब्बी और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे एडवांस हथियार और प्लेटफॉर्म बनाने के बावजूद भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना हुआ है।नए रक्षा मंत्री के सामने चीन से निपटने की बड़ी चुनौती भी होगी। 15 जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद से एलएसी पर हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। चीन के साथ 21 दौर की सैन्य वार्ता के बावजूद, स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति बहाल नहीं हुई है। भारत की सीमा को सबसे ज्यादा खतरा चीन और पाकिस्तान से है। सेना के सूत्रों का कहना है कि भारतीय सेना में 14 लाख से ज्यादा जवान हैं। इनमें से अकेले तकरीबन 6 लाख नफरी चीनी सीमा पर तैनात हैं। और तकरीबन इतने ही जवान पाकिस्तान सीमा पर हैं। सेना के सूत्रों ने बताया कि इस समय एलएसी पर चीन का मुकाबला सात कोर कर रही हैं, जिनमें 14, 18, 33, 4, 3, 1 और 17 कोर हैं। वहीं लगभग 90 हजार सैनिक कश्मीर घाटी में राष्ट्रीय राइफल्स के साथ आतंकियों का मुकाबला कर रहे हैं। रक्षा मंत्री के लिए एलएसी पर शांति और स्थिरता बनाए रखना बड़ी चुनौती होगी।

पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को काफी बढ़ावा दिया है, जिससे भारत में रक्षा साजो सामान की मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ी है। इससे रक्षा क्षेत्र को काफी फायदा पहुंचा है। सेना के पास स्वदेशी हथियार आ रहे हैं। साथ ही, एलसीए तेजस विमान और स्कॉर्पिन क्लास की पनडुब्बी जैसी स्वदेशी परियोजनाएं को बढ़ावा देना होगा। भारतीय हथियारों की विदेश में मांग बढ़ रही है। ब्रह्मोस मिसाइल के बाद फिलीपींस और नाइजीरिया ने तेजस और प्रचंड हेलीकॉप्टर के अलावा लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर (एलयूएच) और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव में रुचि दिखाई है। वहीं भारत की कोशिश है कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत स्वदेशी हथियारों के लिए नया बाजार तैयार किया जाए। इसके लिए कई देशों में डिफेंस अताशे की नियुक्ति करने की बात कही है। ये नियुक्तियां अफ्रीकी देशों, पोलैंड और फिलीपींस समेत कई देशों में की जानी हैं। नए रक्षा मंत्री के लिए आत्मनिर्भर भारत इनिशिएटिव को बढ़ावा देने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। ताकि भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़े। हाल ही में राजनाथ सिंह ने कहा था कि पिछले कुछ सालों में भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है, जो 2014 में 1,000 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्तमान में 16,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। जिसके 2028-29 तक 50,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की जरूरत है।सरकार बनने से पहले ही अग्निपथ योजना को लेकर विवाद शुरू हो गया है। एनडीए के प्रमुख घटक दल जदयू और लोजपा रामविलास ने अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग की है। बिहार में अगले साल चुनाव होने हैं। वहां यह बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। लोकसभा चुनाव में भी विपक्षी दलों ने अग्निवीरों को लेकर बड़ा मुद्दा बनाया था। कई राज्यों में युवाओं ने इस योजना के विरोध में भाजपा के खिलाफ वोट भी किया था। हालांकि रक्षा मंत्रालय ने इस योजना को लेकर फीडबैक कार्यक्रम शुरू किया है। रक्षा मंत्रालय के पास अग्निपथ योजना को लेकर कुछ सुझाव आए हैं। नई सरकार बनने के उन पर अमल करना होगा।कुल मिला कर नए रक्षा मंत्री का कार्यकाल बेहद चुनौतियों भरा रहने वाला है। जिसमें सुधार, स्वदेशी हथियारों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बीच संतुलन बनाना शामिल होगा। नए रक्षा मंत्री इन मुद्दों पर जो फैसला लेंगे वह आने वाले सालों में भारत के डिफेंस सेक्टर को नई ऊंचाई देंगे।

क्यों किया जाता है जनेऊ संस्कार

जानिए क्या है इसका सही समय

सनातन धर्म में जनेऊ संस्कार को बहुत महत्वपूर्ण कार्य माना जाता है। यह 16 संस्कारों में से एक है, जिसे उपनयन संस्कार या जनेऊ संस्कार भी कहा जाता है। जनेऊ संस्कार के दौरान बालक के शरीर पर एक पवित्र धागा बांधा जाता है, जो उसके किशोरावस्था में प्रवेश का प्रतीक होता है। जनेऊ संस्कार से जुड़ी कुछ जरूरी बातें सभी लोगों को पता होना चाहिए।

जनेऊ संस्कार का सही समय

जनेऊ संस्कार 8 से 16 वर्ष की आयु के बीच होता है। कुछ लोग इसे शादी से पहले भी करते हैं। जनेऊ संस्कार को लेकर कई तरह की मान्यताएं हैं। लेकिन माना जाता है कि किशोरावस्था में पहुंचने से पहले ही जनेऊ संस्कार किया जाना चाहिए। यह कार्य किसी अनुभवी पुजारी द्वारा किया जाता है। जनेऊ बाएं कंधे पर और दाईं बांह के नीचे पहना जाता है।

सनातन धर्म में जनेऊ विशेष महत्व रखती है। कहा जाता है कि इसे पहनने से बच्चे को ज्ञान प्राप्त करने और अपने नैतिक मूल्यों को बनाए रखने की शक्ति प्राप्त होती है। जनेऊ पहनने और इसके नियमों का पालन करने से बच्चों में अनुशासन आता है। क्योंकि, इससे जुड़े कुछ पवित्र नियमों का पालन करना सिखाया जाता है।

क्यों धारण किया जाता है जनेऊ?

सनातन धर्म के अनुसार, उपनयन नकारात्मक ऊर्जाओं और विचारों से सुरक्षा का कवच माना जाता है। इसमें मौजूद तीन धागे मां सरस्वती, मां पार्वती और मां लक्ष्मी का प्रतीक होते हैं। जनेऊधारी हर तरह की अशुद्धियों से सुरक्षित रहता है। जनेऊ धारण करने वाले व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यह आध्यात्मिक विकास और शिक्षा के लिए ध्यान केंद्रित करने में जनेऊ लाभकारी है।

इन दिन भूलकर भी न करें तुलसी की पूजा

वरना नाराज हो सकती हैं मां लक्ष्मी

सनातन धर्म में कई पेड़-पौधे का किसी न किसी देवी-देवता से संबंध है। ठीक इसी प्रकार तुलसी का पौधा जगत के पालनहार भगवान विष्णु को प्रिय है और इसमें मां लक्ष्मी का वास माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी की पूजा और दीपक जलाने से जातक को धन की प्राप्ति होती है और घर में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

इस दिन न करें तुलसी की पूजा

वैसे तो नियमित रूप से तुलसी की पूजा और जल देने का विधान है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं की मानें तो मंगलवार, रविवार और एकादशी पर तुलसी के पौधे में जल देने की मनाही है। साथ ही इसकी पूजा भी नहीं करनी चाहिए। पौराणिक मान्यताओं की मानें तो रविवार और एकादशी पर मां लक्ष्मी श्री हरि के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। ऐसे में रविवार और एकादशी के दिन तुलसी में जल देने से व्रत खंडित होता है। इसी वजह से इन दोनों दिन तुलसी के पौधे में जल नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक शक्तियों का आगमन होता है। इसके अलावा मंगलवार को तुलसी में जल अर्पित करने से भगवान शिव नाराज हो सकते हैं।

इस दिन लगाएं तुलसी का पौधा

धार्मिक मान्यता के अनुसार, घर में तुलसी के पौधे को लगाने के लिए गुरुवार और शुक्रवार का दिन उत्तम माना गया है। इस दिन तुलसी लगाने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

इस दिन न तोड़ें तुलसी के पत्ते

द्वादशी, चंद्र ग्रहण, सूर्य ग्रहण और सूर्यास्त के बाद तुलसी के पत्तों को नहीं तोडना चाहिए।क्योंकि इन तिथियों पर तुलसी जी भगवान विष्णु के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इसलिए इन तिथियों पर तुलसी दल नहीं तोड़ने चाहिए।

भगवान महाकाल की कृपा पाने के लिए करें यह एक कार्य

जीवन सदैव रहेगा खुशहाल

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर अधिक प्रसिद्ध है। यह मंदिर भगवान महादेव के बारह 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इसकी एक खासियत है कि यहां दिन में 6 बार भगवान महाकाल की आरती होती है और विशेष श्रृंगार किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान महाकाल के दर्शन करने जातक का जीवन-मृत्यु का चक्र खत्म हो जाता है और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। अगर आप भी महाकाल को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो पूजा के दौरान महाकाल चालीसा का पाठ करें। मान्यता है कि ऐसा करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और जीवन सदैव खुशहाल रहेगा। आइए पढ़ते हैं महाकाल चालीसा।

महाकाल चालीसा

।। दोहा ।।

श्री महाकाल भगवान की महिमा अपरम्पार,
पूरी करते कामना भक्तों की करतार।
विद्या-बुद्धि-तेज-बल-दूध-पूत-धन-धान,
अपने अक्षय कोष से भगवान करो प्रदान।।

।। चौपाई ।।

जय महाकाल काल के नाशक। जय त्रिलोकपति मोक्ष प्रदायक।।
मृत्युंजय भवबाधा हारी। शत्रुंजय करो विजय हमारी।।
आकाश में तारक लिंगम्। पाताल में हाटकेश्वरम्।।
भूलोक में महाकालेश्वरम्। सत्यम्-शिवम् और सुन्दरम्।।
क्षिप्रा तट ऊखर शिव भूमि। महाकाल वन पावन भूमि।।
आशुतोष भोले भण्डारी। नटराज बाघम्बरधारी।।
सृष्टि को प्रारम्भ कराते। कालचक्र को आप चलाते।।
तीर्थ अवन्ती में हैं बसते। दर्शन करते संकट हरते।।
विष पीकर शिव निर्भय करते। नीलकण्ठ महाकाल कहाते।।
महादेव ये महाकाल हैं। निराकार का रूप धरे हैं।।
ज्योतिर्मय-ईशान अधीश्वर। परम् ब्रह्म हैं महाकालेश्वर।।
आदि सनातन-स्वयं ज्योतिश्वर। महाकाल प्रभु हैं सर्वेश्वर।।
जय महाकाल महेश्वर जय-जय। जय हरसिद्धि महेश्वरी जय-जय।।
शिव के साथ शिवा है शक्ति। भक्तों की है रक्षा करती।।
जय नागेश्वर-सौभाग्येश्वर। जय भोले बाबा सिद्धेश्वर।।
ऋणमुक्तेश्वर-स्वर्ण जालेश्वर। अरुणेश्वर बाबा योगेश्वर।।
पंच-अष्ट-द्वादश लिंगों की। महिमा सबसे न्यारी इनकी।।
श्रीकर गोप को दर्शन दे तारी। नंद बाबा की पीढ़ियाँ सारी।।
भक्त चंद्रसेन राजा शरण आए। विजयी करा रिपु-मित्र बनाये।।
दैत्य दूषण भस्म किए। और भक्तों से महाकाल कहाए।।
दुष्ट दैत्य अंधक जब आया। मातृकाओं से नष्ट कराया।।
जगज्जननी हैं माँ गिरि तनया। श्री भोलेश्वर ने मान बढ़ाया।।
श्री हरि की तर्जनी से हर-हर। क्षिप्रा भी लाए गंगाधर।।
अमृतमय पावन जल पाया। 'ऋषि' देवों ने पुण्य बढ़ाया।।
नमः शिवाय मंत्र पंचाक्षरी। इनका मंत्र बड़ा भयहारी।।
जिसके जप से मिटती सारी। चिंता-क्लेश-विपद् संसारी।।
सिर जटा-जूट-तन भस्म सजै। डम-डम-डमरू त्रिशूल सजै।।
शमशान विहारी भूतपति। विषधर धारी जय उमापति।।
रुद्राक्ष विभूषित शिवशंकर। त्रिपुण्ड विभूषित प्रलयंकर।।
सर्वशक्तिमान-सर्व गुणाधार। सर्वज्ञ-सर्वोपरि-जगदीश्वर।।
अनादि-अनंत-नित्य-निर्विकारी। महाकाल प्रभु-रूद्र-अवतारी।।
धाता-विधाता-अज-अविनाशी। मृत्यु रक्षक सुखराशी।।
त्रिदल-त्रिनेत्र-त्रिपुण्ड-त्रिशूलधर। त्रिकाय-त्रिलोकपति महाकालेश्वर।।
त्रिदेव-त्रयी हैं एकेश्वर। निराकार शिव योगीश्वर।।
एकादश-प्राण-अपान-व्यान। उदान-नाग-कुर्म-कृकल समान।।
देवदत्त धनंजय रहें प्रसन्न। मन हो उज्जवल जब करें ध्यान।।
अघोर-आशुतोष-जय औढरदानी। अभिषेक प्रिय श्री विश्वेश्वर ध्यानी।।
कल्याणमय-आनंद स्वरुप शशि शेखर। श्री भोलेशंकर जय महाकालेश्वर।।
प्रथम पूज्य श्री गणेश हैं , ऋद्धि-सिद्धि संग। देवों के सेनापति, महावीर स्कंध।।
अन्नपूर्णा माँ पार्वती, जग को देती अन्न।महाकाल वन में बसे, महाकाल के संग।।

।। दोहा ।।

शिव कहें जग राम हैं, राम कहें जग शिव,
धन्य-धन्य माँ शारदा, ऐसी ही दो प्रीत।
श्री महाकाल चालीसा, प्रेम से, नित्य करे जो पाठ,
कृपा मिले महाकाल की, सिद्ध होय सब काज।।
।।इति श्री महाकालेश्वर चालीसा सम्पूर्ण।।

जन्म के बाद क्यों जरूरी माना जाता है मुंडन संस्कार

स्वास्थ्य की दृष्टि से भी है फायदेमंद

हिंदू धर्म में मुंडन एक विशेष समारोह के रूप में किया जाता है। जब किसी शिशु का जन्म होता है, तो एक निश्चित समय बाद उसका मुंडन करवाना जरूरी समझा जाता है। मुख्य रूप से जन्म के 1 साल, तीसरे, पांचवें या फिर सातवें साल में शुभ मुहूर्त देखकर ही मुंडन संस्कार (चींपवरप डरपीज्ञरी) कराने की प्रथा है। तो चलिए जानते हैं कि हिंदू धर्म में मुंडन का क्या महत्व है और यह बच्चे के स्वास्थ्य के लिए क्यों जरूरी माना गया है।

ये है धार्मिक कारण

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शिशु के सिर पर उगने वाले बालों को पिछले जन्म के कर्मों से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में मुंडन कराने और बालों का विसर्जन करने से बच्चे को पूर्व जन्म के कर्मों से मुक्ति मिल जाती है और नई शुरुआत की अनुमति मिलती है। इसके साथ ही यह माना जाता है कि मुंडन संस्कार से जातक को दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

ये हैं वैज्ञानिक कारण

मुंडन के बाद सिर की त्वचा आसानी से सूर्य की रोशनी के संपर्क में आ जाती है, जिससे त्वचा को विटामिन डी अवशोषित करने में सहायता मिलती है। इसके साथ ही मुंडन के द्वारा बच्चे की गर्भावस्था की अशुद्धियां भी दूर हो जाती हैं। ऐसे में मुंडन संस्कार बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी माना गया है।

मुंडन संस्कार विधि

मुंडन संस्कार, शुभ मुहूर्त में घर के आंगन में तुलसी के पास या फिर किसी धार्मिक स्थल पर भी किया जा सकता है। मुंडन से पहले हवन करवाया जाता है।

मां बच्चे को अपनी गोद में लेकर बैठती हैं। इस दौरान मुंह पश्चिम दिशा की ओर रखा जाता है। इसके बाद बच्चे के बाल उतारकर, सिर को गंगाजल से धुलवाया जाता है। इसके बाद सिर पर हल्दी का लेप लगाया जाता है।

कौन-सी तिथि है शुभ

हिंदू पंचांग के अनुसार, मुंडन के लिए द्वितीया, तृतीया, पंचमी, सप्तमी, दशमी, एकादशी और त्रयोदशी तिथि शुभ मानी जाती है। इसके साथ ही अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, हस्त, पुनर्वसु, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठ, श्रवण, धनिष्ठा और शतभिषा नक्षत्र में भी मुंडन करवाना बेहतर माना जाता है।

गंगा दशहरा पर स्नान-दान करने से पापों का होता है नाश

जानें इसका धार्मिक महत्व

पंचांग के अनुसार, गंगा दशहरा पर मां गंगा की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही गंगा स्नान और दान करने का विशेष महत्व है। इस वर्ष गंगा दशहरा का पर्व 16 जून को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। इसलिए इस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस पर्व पर गंगा स्नान कर कुछ विशेष चीजों का दान करने से जातक के पापों का नाश होता है और जीवन सुखमय होता है। ऐसे में आइए जानते हैं गंगा दशहरा पर स्नान और दान के धार्मिक महत्व के बारे में।

गंगा दशहरा पर स्नान और दान धार्मिक महत्व

शास्त्रों के अनुसार, गंगा दशहरा के अवसर पर श्रद्धा अनुसार विशेष चीजों का दान करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। गंगा दशहरा पर दान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और जीवन के ग्रह दोष खत्म होते हैं। इस दिन अपनी कमाई का कुछ हिस्सा दान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं, गंगा स्नान करने से जातक के मन में मन में सकारात्मक विचार आते हैं और बुरे पापों से छुटकारा मिलता है।

गंगा दशहरा 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 16 जून को देर रात 02 बजकर 32 मिनट पर होगी और वहीं, इसका समापन 17 जून को सुबह 04 बजकर 43 मिनट पर होगा। ऐसे में गंगा दशहरा 16 जून को मनाया जाएगा।

पूजा के दौरान करें इन मंत्रो का जप

नर्मदे सिन्धु कावेरी जले अस्मिन् सन्निधिम् कुरु।।

ॐ नमो गंगायै विश्वरुपिणी नारायणी नमो नमः।।

गंगागंगेति योब्रूयाद् योजनानां शतैरपि। मच्यते सर्व पापेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति।।

गांगं वारि मनोहारि मुरारिचरणच्युतम्। त्रिपुरारिशिरश्चारि पापहारि पुनातु माम्।।

इन शुभ योग के बीच होगा निर्जला एकादशी व्रत का पारण

हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी का व्रत बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन श्री हरि विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा का विधान है। यह ज्येष्ठ माह 18 जून, 2024 को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है कि जो भक्त इस दिन का उपवास रखते हैं, उन्हें जीवन में कभी परेशान नहीं होना पड़ता है। साथ ही घर में कभी धन-दौलत की कमी नहीं होती है। वहीं, इस दिन कई शुभ योग का निर्माण हो रहा है, तो चलिए जानते हैं।

निर्जला एकादशी शुभ योग

इस साल निर्जला एकादशी पर 3 शुभ योग का निर्माण एक साथ हो रहा है। इस वजह से यह तिथि बेहद शुभ होने वाली है। दरअसल, इस दिन त्रिपुष्कर योग, शिव योग और स्वाति नक्षत्र का अद्भुत संयोग बन रहा है। त्रिपुष्कर योग 18 जून दोपहर 03 बजकर 56 मिनट से 19 जून सुबह 05 बजकर 24 मिनट तक रहेगा।

साथ ही स्वाति नक्षत्र भोर से दोपहर 03 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा शिव योग सुबह से लेकर रात्रि 09 बजकर 39 मिनट तक रहेगा।

इन शुभ योग के बीच होगा पारण

निर्जला एकादशी का पारण 19 जून को सुबह होगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और अमृत सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। ये तीनों शुभ योग 19 जून को शाम 05 बजकर 23 मिनट से अगले दिन 20 जून को 05 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस दिन पारण करने से अक्षय फलों की प्राप्ति होगी।

मुश्किल भरा रहा करियर के लिए परिवार को राजी करना : शांभवी सिंह

आगामी थ्रिलर शो 10:29 की आखिरी दस्तक में मुख्य भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस शांभवी सिंह ने बताया कि अपने करियर के लिए अपने परिवार को राजी करना सबसे कठिन संघर्षों में से एक था।पटना की रहने वाली शांभवी सिंह ने कहा, टीवी अभिनय के क्षेत्र में प्रवेश करना मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। खासकर एक छोटे शहर से आने के कारण, जहां अभिनय में करियर बनाना आसान नहीं था, क्योंकि हर कोई सोचता था कि यह एक स्थिर पेशा नहीं है। मेरे पिता शुरू में मेरे इस फैसले के खिलाफ थे। अपने करियर के लिए उन्हें राजी करना सबसे कठिन संघर्षों में से एक था।उन्होंने कहा, अपने माता-पिता को मनाने के बाद भी टीवी में एक अच्छी भूमिका पाना अपने आप में एक अलग चुनौती थी। साथ ही मुंबई आकर खुद से चीजों को संभालना एक बड़ा काम था। हालांकि मैंने पहले एक शो किया था, लेकिन 10:29 की आखिरी दस्तक में मुख्य भूमिका निभाना मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है।अपने किरदार के बारे बात करते हुए शांभवी ने कहा, मैं इस शो में प्रीति का किरदार निभा रही हूं, यह मेरे पिछले किरदार से बहुत अलग है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो को पसंद करेंगे और मेरे किरदार को प्यार देंगे।उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित चैनल पर शो के साथ अपना करियर शुरू करना एक शानदार अवसर है। मैं शो की अनूठी और आकर्षक कहानी में काम करने को लेकर रोमांचित हूं। इस शो में राजवीर सिंह, आयुषी भावे और कृप सूरी भी हैं।शो 10:29 की आखिरी दस्तक जून में स्टार भारत पर प्रसारित होगा।

जुग जुग जियो का सीक्वल बनाने में जुटे करण जौहर

टाइगर श्रॉफ आएंगे नजर

करण जौहर आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्में दर्शकों के बीच पेश करेंगे। वह अब जल्द ही अपनी एक और फिल्म का ऐलान करने वाले हैं।खबर है कि करण अपनी हिट फिल्म जुग जुग जियो का सीक्वल लेकर आ रहे हैं और आजकल वह इसकी की तैयारी में लगे हैं। खबर यह भी है कि इस बार फिल्म में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की एंट्री होने वाली है।आइए जानते हैं क्या कुछ जानकारी मिली है।रिपोर्ट के मुताबिक, करण जुग जुग जियो के निर्देशक राज मेहता के साथ इसके दूसरे भाग की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।वरुण धवन फिल्म में वापसी करने वाले हैं, वहीं फिल्म में टाइगर भी हो सकते हैं। हालांकि, किसी के भी नाम पर निर्माता-निर्देशक की मोहर नहीं लगी है।पहले वरुण और टाइगर को लेकर राज एक एक्शन फिल्म बनाने वाले थे। हालांकि, बजट ज्यादा होने की वजह से उन्होंने वो फिल्म ठंडे बस्ते में डाल दी।राज फिलहाल अपनी टीम के साथ मिलकर एक ऐसी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, जो पूरी तरह से एक फैमिली एंटरटेनर हो और पहली किस्त से ज्यादा मनोरंजक हो।उधर करण भी फिल्म की कहानी के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते, इसलिए वह इससे जुड़े हर छोटे-बड़े पहलू पर खास ध्यान दे रहे हैं।स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद सीक्वल का ऐलान किया जाएगा और इससे जुड़ीं अन्य जानकारियां सामने आएंगी।जुग जुग जियो 24 जून, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया. फिल्म में दो पीढ़ियों के रिश्ते और रोमांस को दिखाया गया है। ये एक फैमिली कॉमेडी मूवी है, जिसने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था।इस फिल्म में वरुण के अलावा कियारा आडवाणी, अनिल कपूर, नीतू कपूर, मनीष पॉल और प्राजक्ता कोली भी नजर आई थीं। सिनेमाघरों के बाद यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर आई।करण के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले कई फिल्में बन रही हैं।एक तरफ जहां वह आलिया भट्ट की जिगरा पर काम कर रहे हैं, वहीं विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की फिल्म बैड न्यूज बनाने का जिम्मा भी उन्हीं पर है।अक्षय कुमार और अनन्या पांडे की शंकरा, सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क 2 भी करण के पास है। सरजमीं, नादानियां, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और द बुल पर भी करण काम कर रहे हैं।

रवितेजा के भतीजे माधव स्टारर पहली फिल्म मिस्टर इडियट का टीजर जारी

मास महाराज रवितेजा के भतीजे माधव अभिनीत फिल्म मिस्टर इडियट में नायिका के रूप में सिमरन शर्मा हैं। जेजेआर एंटरटेनमेंट्स और सुश्री यालामांची रानी के बैनर तले जेजेआर रविचंद द्वारा निर्मित, यह फिल्म गौरी रोनांकी द्वारा निर्देशित है, जिन्होंने पेली सांडा डी से व्यावसायिक सफलता हासिल की थी। आज रवितेजा ने सोशल मीडिया पर मिस्टर इडियट का टीजर जारी किया।टीजर

में सत्या (सिमरन शर्मा द्वारा अभिनीत) का परिचय दिया गया है, जो ध्रुव फैशन डिजाइनिंग कॉलेज की एक शीर्ष छात्रा है, जो अपने अद्वितीय डिजाइन कौशल के लिए जानी जाती है।

इस दौरान, हीरो (माधव) कॉलेज में प्रवेश करता है और सत्या को मल्टीपल कहकर चिढ़ाता है। टीजर दिलचस्प ढंग से दिखाता है कि कैसे उनकी उथल-पुथल भरी दोस्ती प्यार में बदल जाती है। माधव रवितेजा के ऊर्जावान सार को प्रस्तुत करते हैं और अपनी स्टाइलिश उपस्थिति और प्रदर्शन दोनों से प्रभावित करते हैं।मिस्टर इडियट, जिसने सभी निर्माण चरण पूरे कर लिए हैं, जल्द ही एक भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है। रिलीज डेट की घोषणा मेकर्स द्वारा की जाएगी।

बॉलीवुड में डेब्यू करना किसी सपने के सच होने जैसा है : निमृत कौर अहलूवालिया

थ्रिलर ड्रामा के साथ फिल्मों की दुनिया में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया ने बताया कि फिल्म के लिए रोल पाना जबरदस्त एक्सपीरियंस था।निमृत ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी शो छोटी सरदारनी से की थी। वह कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 16 में भी नजर आई थीं और फिलहाल वह खतरों के खिलाड़ी के 14वें सीजन के लिए रोमानिया रवाना हो गई हैं।उनकी अपकमिंग फिल्म, जिसका टाइटल अभी तय नहीं हुआ है, अजय राय के प्रोडक्शन हाउस, जार पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है।

निमृत ने कहा, बिग बॉस सीजन 16 में अपनी जर्नी के बाद, मैं अपने एक्टिंग करियर में नए रास्ते तलाशने के लिए काफी एक्साइटेड हूं, और यह प्रोजेक्ट सही अवसर पेश करता है।ऐसी टैलेंटेड टीम और मशहूर डायरेक्टर के साथ काम करना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा है।उन्होंने कहा, मेरे एजेंट ने अजय से मिलवाया और उन्होंने इस रोल के लिए मुझे चुना।

कई राउंड ऑडिशन होने के बाद, उन्हें यकीन हो गया कि मैं उनकी फिल्म में बड़े पर्दे पर डेब्यू के लिए बिल्कुल सही हूं। फिल्म में रोल मिलना मेरे लिए खास एक्सपीरियंस है।अनटाइटल्ड थ्रिलर ड्रामा अलग सिनेमाई एक्सपीरियंस देता है। फिल्म की कहानी और कलाकारों के बारे में जानकारी अभी भी गुप्त रखी गयी है।इस प्रोजेक्ट की शूटिंग इस साल की तीसरी तिमाही में शुरू होने वाली है।

रेड आउटफिट पहन शरवरी वाघ ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपने स्टनिंग फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर खूब लाइमलाइट बटौर रही हैं। उनका हॉट अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही इंटरनेट पर कहर बरपा रहा है। हाल ही में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर यूजर्स खुद को कॉमेंट करने से नहीं रोक पा रहे हैं।एक्ट्रेस शरवरी वाघ किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने रेड कलर की बेहद स्टाइलिश स्कर्ट और टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर फैंस खुद को कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पा रहे हैं और साथ ही लाइक्स देते हुए दिलखोलकर अपना प्यार बरसा रहे हैं।शरवरी वाघ की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक यूजर ने तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए- हॉटनेस अलर्ट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- सो एलिगेंट एंड सिंपल। फिर तीसरे यूजर ने लिखा है- हॉटनेस।एक्ट्रेस शरवरी वाघ सोशल मीडिया स्टार हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।बता दें कि इन दिनों एक्ट्रेस शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म मुंज्या के लेकर काफी लाइमलाइट बटौर रही हैं।

जॉन अब्राहम की वेदा को मिली रिलीज तारीख

बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 से होगा सामना

पठान के बाद जॉन अब्राहम एक और एक्शन थ्रिलर से पर्दे पर धमाल मचाते हुए नजर आएंगे। इसी साल अभिनेता की फिल्म वेदा की अनाउंसमेंट हुई थी। फिल्म के धमाकेदार टीजर के बाद दर्शक जुलाई में इसके रिलीज का इंतजार कर रहे थे। मगर अब फिल्म जुलाई में थिएटर्स में दस्तक नहीं देगी।निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम के साथ लीड रोल में शरवरी वाघ पर्दे पर दिखाई देंगी। यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया है। जॉन अब्राहम की तरफ से वेदा का धांसू पोस्टर के साथ नई रिलीज डेट का एलान किया गया है। इंसाफ की जंग लड़ने के लिए जॉन अब्राहम ने स्वतंत्रता दिवस का दिन चुना है। जी हां, मूवी 15 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, इस स्वतंत्रता दिवस, वो आ रहे हैं, इंसाफ की जंग लड़ने। वेदा 15 अगस्त को रिलीज

हो रही है।जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा की टक्कर किसी और के साथ नहीं बल्कि अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 के साथ होने वाली है। यह फिल्म भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। 2021 में आई अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसके सीक्वल को लेकर खूब बज बना हुआ है। ऐसे में पुष्पा 2 के साथ क्लैश वेदा का खेल बिगाड़ सकता है। जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा की टक्कर किसी और के साथ नहीं बल्कि अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 के साथ होने वाली है। यह फिल्म भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। 2021 में आई अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इसके सीक्वल को लेकर खूब बज बना हुआ है। ऐसे में पुष्पा 2 के साथ क्लैश वेदा का खेल बिगाड़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप सूर्य नमस्कार करते रहें दिन शानदार गुजरेगा । पुराने साथियों से मुलाकात होगी। आज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। आज सकारात्मकता ज्यादा रहेगी।छात्रों को लाभ होगा। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर सहयोगियों के साथ मधुरता रहेगी। नया काम शुरू कर सकते हैं। लाइफ पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नए विचार आएंगे। धन लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। दिनचर्या में बदलाव होगा। रिश्तेदारों के यहां धार्मिक काम पूजा पूठा का कार्यक्रम रहेगा आप व्यस्त रहेंगे ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज छात्रों को कडी महनत करने पर प्रतियोगीता मे कामयाबी मिलेगी । कारोबार की स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। चुनौतियों का बखूबी मुकाबला कर पाएंगे। आपके शासकीय कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। विद्यार्थियों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। धन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी। सेहत का ख्याल रखें। प्रभु की आराधना करें। मानसिक शांति मिलेगी। निवेश को फिलहाल टाल दें। पदोन्नति और तबादला हो सकता है,व्यर्थ का खर्चा करने की आदत को सुधारें उन्नति निश्चित होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज विरोधी आप को नुकसान पहुंचा सकते हैं । विरोधियों से सावधान रहना होगा । अनजान लोगों के सामने निजी चर्चा करने से बचें। कोई आपके सरल स्वभाव का फायदा उठा सकता है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ज्यादा खर्च हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश कर सकते हैं। बुजुर्गों की सेहत बिगड़ सकती है। सगे संबंधियों से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। अपने काम के प्रति जिम्मेदार रहें। डिनर मे कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य बहतर रहेगा सुबह योग और व्यायाम भी करते रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लक्ष्मी जी को कनेर के पुष्प से सहस्त्रार्चन करें धन कोष मे वृद्धि होगी रुकी हुई रकम वापस मिलेगी। आपको मित्रों से लाभ होगा। घूमने के लिए जाएंगे। पारिवारिक आयोजन होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। पुरानी रूकी हुई रकम मिलेगी। आपकी आर्थिक समस्या का हल होगा। युवाओं के लिए रिश्ते की बात चल सकती है। सामाजिक आयोजन में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी का ख्याल रखें। सेहत ठीक रहेगी। निवेश के मौके मिल सकते हैं। छात्रों को पढ़ाई अव्वल आना हो तो अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धन से जुडी हुई दिक्कतें दूर होंगी आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी रहेगी। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव हो सकती है। आज जीवनसाथी भरपूर सहयोग मिलेगा। नया काम शुरू कर सकते है। छात्रों को सफलता मिलेगी। यात्रा कर सकते हैं। परिवार की स्थिति बेहतर होगी। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। जोखिम वाले कार्य सावधानी से करें। हर किसी पर भरोसा न करें। सरकारी कार्य मे रुकावटें आ रही हैं तो नंदी को गेहूं का दलीया खिलाए कार्य मे तेजी आएगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अपिरिचित लोगों से धन का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें क्योंकि आप के विरोधी सक्रिय रहेंगे। आपको सतर्क रहना होगा। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। आज आपको आवश्यक काम में परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में लाभ होगा। दंपत्ति धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर है। सेहत अच्छी रहेगी। जोखिम न लें। अगर आप आलस्य को दूर करते हैं आप के सभी काम पूरें होंगे आप शाम का वक्त सुकून से गुजारेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन उर्जा से भरपूर रहेगा तरक्की के रास्ते खुलेंगे आपको खुशखबरी मिलेगी। आपका कार्य आसानी से पूरा है। सामाजिक जिम्मेदारियों को आज पूरा कर पाएंगे। आज मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। निवेश कर सकते हैं। व्यवसायियों के लिए आज का दिन अच्छा है। धार्मिक काम में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। यात्रा कर सकते हैं। संतान आप को खुशखबरी वाली खबर सुनाएंगे परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परेशानियों में बीत सकता है। जोखिम वाले कार्य करते समय लापरवाही न करें। चोट लगने की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को काम का तनाव रहेगा। धन लाभ होगा। परिवार के लोगों के साथ दिन बिता सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। यात्रा करने के दौरान अनजान लोगों के संपर्क में न रहें। शत्रु शांत रहेंगे। सेहत का ख्याल रखें। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। खानपान को लेकर लापरवाही न करें पेट सम्बंधित तकलीफ आप को परेशान करेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पारिवारिक जीवन ते उत्सव का माहौल रहेगा । रिश्तेदारों का आनाजाना लगा रहेगा । आज आपका खर्च ज्यादा होगा। कुसंगति से हानि हो सकती है। किसी के बहकावे में आकर अपने परिवार के लोगों पर संदेह न करें। जुआ, सट्टा, लाटरी जैसे व्यसनों से दूर रहें। नुकसान की आशंका है। लाइफ पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिलेगी। कैरियर मे दिक्कतें आ रही हैं तो रोज हनुमानजी को तेल सिन्दूर का श्रृंगार करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन जोरदार रहेगा परन्तु अतिउत्साही नही होना हैं परिवार का सहयोग मिलेगा। लेकिन अपनी निजी बात किसी से शेयर न करें। नए लोगों से मुलाकात होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। कारोबार ठीक चलेगा। सेहत ठीक रहेगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी। आपकी योजना फलीभूत होने की संभावना है। आपका आध्यात्मिकता की ओर रूझान रहेगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति रहेगी दिनजनो की सेवा करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को धन की सेवींग जरूर करना चाहिए आने वाले समय मे परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ने से आप चिंतित रहेंगे। मासिक बजट बिगड़ सकता है। तनाव दूर करने के लिए ईश्वर की आराधना करें। कठिन परिस्थिति निर्मित हो सकती है। किसी मित्र की मदद से आपका राहत मिल सकती है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। यात्रा करते समय सतर्क रहें। किसी की बातों में न आएं। व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी। अनजान लोगों पर भरोसा करना आप को जोखिम मे डाल सकता हैं व्यापार मे सतर्कता जरुरी हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को अपने क्रोध पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी हैं किसी के साथ तनाव हो सकता है। अपरिचित लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल रहेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर पाएंगे। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतर है। कारोबारियों को आर्थिक लाभ होगा। सेहत का ध्यान रखें। जोखिम न लें। खर्च सावधानी से करें। दफ्तर का माहौल सामान्य रहेगा।बेरोजगारी दूर होने का समय हैं नौकरी की तलाश जारी रखें।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 09 जून 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 03:46 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 08:21 तक
योग : वृद्धि सायं 05:20 तक
करण : गर दोपहर 03:46 तक
चन्द्रराशि : मिथुन दोपहर 02:08 तक
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : महाराणा प्रताप जयंती , भद्रा रात्रि 03:55 से , रविपुष्य सिद्धि योग रात्रि 08:22 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मालेरा में एंबुलेंस में 9 कट्टों में ले जाया जा रहा 180 किलोग्राम डोडा पोस्त जब्त, आरोपी फरार

सिरोही,08 जून (एजेंसियां)। पिंडवाड़ा पुलिस ने उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर मालेरा में एंबुलेंस में नौ कट्टों में ले जाया जा रहा 180 किलोग्राम डोडा पोस्त जब्त किया है। हालांकि इस मामले में आरोपी जंगलों में फरार हो गए। पकड़े गए डोडा पोस्त की कीमत 9 लाख रुपये बताई गई है।

पिंडवाड़ा पुलिस थानाधिकारी हमीर सिंह भाटी की अगुवाई में टीम ने मालेरा में नाकाबंदी की। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने वहां से गुजर रही एंबुलेंस को रुकवाकर तलाशी ली तो उसमें 9 कट्टों में भरा डोडा पोस्त पाया गया। सबसे बड़ी बात ये है कि इस मामले में आरोपी पुलिस को चकमा देकर जंगलों में भागने में सफल हो गए। इसकी कीमत 9 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई में पिंडवाड़ा पुलिस थाना के उपनिरीक्षक जगदीश सिंह, हेड कांस्टेबल जगदीश कुमार, कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, आईदान सिंह, मुकेश कुमार और अरूण कुमार सम्मिलित रहे।

एसआई भर्ती परीक्षा मामले में महिला प्लाटून कमांडर हिरासत में

जोधपुर,08 जून (एजेंसियां)। एसओजी की टीम आज मंडोर स्थित राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में एसआई भर्ती परीक्षा के मामले में महिला प्लाटून कमांडर से पूछताछ करने पहुंची। एसओजी लगातार एसआई भर्ती परीक्षा मामले में कार्रवाई कर रही है। एसओजी ने जयपुर में भी इस संबंध में कार्रवाई की। दोपहर में जोधपुर के मंडोर स्थित राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पहुंची टीम ने वहां से आरएसी प्लाटून कमांडर प्रभा विश्नोई को हिरासत में लिया और ट्रेनिंग सेंटर परिसर में ही पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरएसी प्लाटून कमांडर के घबराने पर टीम का शक पुख्ता हो गया।

दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस वे पर एक बार फिर हुआ हादसा

नींद की झपकी आने से कार पलटी, तीन घायल

दौसा,08 जून (एजेंसियां)। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर सुबह नींद की झपकी आने से हाईवे पर चलती कार अचानक पलटी गई। जिसके चलते तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए दौसा के रामकरण जोशी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांदीकुई थाना सब इंस्पेक्टर भरतलाल ने बताया कि गुजरात के पालनपुर निवासी एक परिवार के पांच लोग शनिवार सुबह दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कार चालक को नींद की झपकी आने से कार सोमाडा गांव के पास पलटकर डिवाइडर के बीच आ गई। घटना में कार सवार तीन जने घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल दौसा में भर्ती करवाया गया है। घटना में शांताबाई पत्नी नानजी उम्र 60 साल और प्रयाग पुत्र महेश चौधरी उम्र 7 साल को अधिक घायल होने के कारण जयपुर रैफर किया गया है। एक जने के मामूली चोट आई है। पुलिस घटना की जानकारी ले रही है। अब बांदीकुई थाना पुलिस सारे मामले की जांच में जुटी है।

अंबाजी मार्ग पर अनियंत्रित ऑटो पलटने से 11 लोग घायल, पांच की हालत गंभीर

सिरोही,08 जून (एजेंसियां)। आबूरोड रीको पुलिस थानांतर्गत आबूरोड-अंबाजी मार्ग पर सियावा गांव के समीप अनियंत्रित ऑटो पलटने से 11 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल आबूरोड के आकराभट्टा स्थित सरकारी अस्पताल लाया गया। नरसिंगकर्मी भेरूलाल और मुकेश गरासिया की टीम ने घायलों का इलाज किया। प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को रेफर कर दिया गया।

अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना में पीपरमाल निवासी गली पत्नी (52) रूपाराम गरासिया, लसमा (50) पुत्र भगा गरासिया, अर्जुन (42) पुत्र काला गरासिया, भावा (53) पुत्र कसना गरासिया एवं हूसा पुत्र (45) नोवा गरासिया गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक इलाज के बाद इन्हें अग्रिम इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। इसी प्रकार वीरमा पुत्र धरमा गरासिया, वीरा (45) पुत्र अनदा गरासिया, भावा (50) पुत्र बदा गरासिया, रूपा (55) पत्नी भारमा गरासिया, रनौरा निवासी सूरमा (23) पुत्र लसमा तथा राजू (19) पुत्र लसमा गरासिया घायल हो गए।

सराधना रीको एरिया में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

180 लीटर घी और मिर्ची पाउडर को सीज कर भरे सैंपल

पाली,08 जून (एजेंसियां)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा विभाग के खाद्य सुरक्षा दल ने शनिवार को सराधना रीको एरिया में कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब सात हजार किलोग्राम मिर्ची, धनिया और हल्दी पाउडर के सैंपल लिए तथा नकली घी के संदेह पर 180 लीटर घी जब्त कर सैंपल जांच के लिए प्रयो-गशाला में भिजवाया है।

आमजन को शुद्ध और पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा और स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह और राज्य खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशानुसार शनिवार को पाली क्षेत्राधिकार के अधीन सराधना रीको एरिया (रायपुर) में आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण जयपुर से संयुक्त आयुक्त डॉ. एसएन धौलपुरिया और पाली सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल के संयुक्त नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा दल ने सराधना रीको एरिया रायपुर में चल रही अरिहंत फूड प्रोडक्ट में मसाला मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा दल ने 5450 किलोग्राम मिर्ची पाउडर को सीज कर नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाए गए। इसी फैक्ट्री से 750 किलो ग्राम हल्दी पाउडर और 750 किलो ग्राम धनिया पाउडर जब्त कर सैंपल लिए गए। टीम ने इसी फैक्ट्री से नकली घी के संदेह पर 180 लीटर श्री अरिहंत ब्रांड नाम से घी को जब्त कर सैंपल लेकर नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाए गए।शनिवार को की गई कार्रवाई में आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण जयपुर से संयुक्त आयुक्त डॉ. एसएन धौलपुरिया, पाली सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी केंद्रीय दल के विनोद शर्मा, अमित शर्मा, देवेंद्र सिंह राणावत, पाली से खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह इंदा, डीईओ ओम प्रकाश प्रजापत भी साथ रहे।

व्हाट्सएप पर सुसाइड नोट का स्टेटस डालकर जहर खाया

झुंझुनू,08 जून (एजेंसियां)। पत्नी, सास और साले पर 15 लाख की मांग करने का आरोप लगाते हुए एक युवक ने 6 जून को जहर खाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले युवक ने एक सुसाइड नोट भी व्हाट्सएप स्टेटस पर लगाया। मृतक के परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर अब तक युवक का शव नहीं उठाया है।मामला झुंझनू जिले के पिलानी क्षेत्र के डुलानिया गांव का है। पिलानी थाना इंचार्ज ने जानकारी देते हुए बताया कि पिलानी के डुलानिया गांव में राकेश केडिया किराने की दुकान चलाता था। 6 जून को उसने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर सुसाइड नोट लगाते हुए अपनी पत्नी समेत ससुराल वालों को मौत का जिम्मेदार बताया और कड़ी सजा देने की मांग की। इसके बाद जहर खाकर आत्महत्या कर ली।अपने सुसाइड नोट में युवक ने लिखा कि मैं राकेश केडिया अपनी पत्नी सुमन केडिया के टॉर्चर से परेशान हूं। सुमन मेरी मां का अपमान करती है और मेरे बच्चों की सार-संभाल भी नहीं करती है।

15वीं विधानसभा के पांच हजार से अधिक प्रश्नों के जवाब लंबित

स्पीकर देवनानी ने अफसरों को दी नसीहत

जयपुर,08 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा का बजट सत्र जल्द ही शुरू होने वाला है, लेकिन अब तक पांच हजार से ज्यादा सवालों के जवाब सरकार में लंबित चल रहे हैं। विपक्ष इसे मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

वहीं, स्पीकर वासुदेव देवनानी ने भी इस मामले में ब्यूरोक्रेसी को लताड़ लगाई है। हाल ही में देवानी ने लंबित जवाबों को लेकर संबंधित विभागों के अफसरों को विधानसभा बुलाया था। इसमें उन्होंने कहा था कि पिछले कुछ वर्षों से कार्यपालिका विधायी कार्यों को गंभीरता से नहीं ले रही है। कार्यपालिका की विधायी कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्पीकर देवनानी ने अधिक प्रश्नों के बकाया जवाबों वाले आठ विभागों चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खान, नगरीय विकास एवं आवासन, राजस्व, शिक्षा, स्वायत शासन, सार्वजनिक निर्माण विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों से रूबरू हुए और उनसे प्रश्नों के जवाब नहीं आने के कारणों की जानकारी ली। चिकित्सा विभाग में 1056 प्रश्नों के जवाब नहीं आने पर नाराजगी जाहिर की। देवनानी ने कहा कि मुख्य सचिव के प्रयासों से गत चार माह में 1940 प्रश्नों, 274 ध्यानाकर्षण प्रस्तावों और 85 विशेष उल्लेख प्रस्तावों के जवाब आए हैं। देवनानी ने कहा कि प्रदेश के सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को विधानसभा कार्यों की गंभीरता को समझें। उन्होंने कहा कि विधायकगण जनता के प्रति जवाबदेही होते प्रश्नों के जवाब समय पर आए, इसके लिए अधिकारी जवाबदेही है।

दुष्कर्म पीड़िता ने दौसा के युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया

वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहे थे

दौसा,08 जून (एजेंसियां)। जिले की एक गैंग रेप पीड़ित छात्रा ने दौसा के दो लड़कों के खिलाफ जयपुर के मामला दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपियों ने पढ़ाई करने जयपुर गई पीड़िता का लगातार पीछा किया और मौका मिलते ही उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपियों ने उसके वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी थी।

पुलिस में दर्ज नामजद रिपोर्ट के अनुसार आशीर्वाद उर्फ लक्की शर्मा और उसके दोस्त सुनील मीणा के खिलाफ जयपुर के शिप्रा पथ थाने में गैंगरेप का मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि दौसा शहर के रहने वाले लक्की उर्फ आशीर्वाद तथा सुनील मीणा उसके जयपुर रहने के दौरान कई दिनों तक उसका पीछा करते थे और एक दिन दोनों मौका देखकर लड़की को बहला-फुसलाकर कर मानसरोवर इलाके की एक जगह ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया, साथ ही उसका वीडियो भी बना लिया। पीड़िता की मानें तो इन लड़कों ने वर्ष 2019 में उसके परिजनों के खिलाफ न्यायालय में प्रोटेक्शन प्रार्थना पत्र भी पेश करवा दिया तथा पीड़िता के परिजनों को जान से मारने की धमकी के साथ वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगे और पीड़िता को ब्लैकमेल करके पैसे ऐंठते रहे।

पीड़िता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस अब इन दोनों लड़कों की तलाश में जुटी है लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। शुक्रवार को भी पुलिस ने एक आरोपी के घर दबिश दी थी लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

सनकी आशिक: महिला की हत्या कर परिजनों को किया फोन

बोला- शिवानी मेरी नहीं तो किसी की भी नहीं होगी, शव ढूंढ लेना

बहादुरगढ़,08 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के बहादुरगढ़ शहर में एक सनकी आशिक ने एक तरफा प्रेम के चलते महिला की हत्या कर दी। इतना ही नहीं हत्या के बाद सनकी प्रेमी ने महिला के परिजनों को फोन भी किया और बोला कि शिवानी मेरी नहीं हो सकती तो किसी और की भी नहीं होगी, मैंने उसे मार दिया है। सुबह उसका शव ढूंढ लेना।

आरोपी आशिक और उत्तर प्रदेश के हरदोई गांव अरिरोरी की रहने वाली 22 साल की महिला के परिजनों की एक कॉल रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें सनकी आशिक शिवानी की हत्या करने की बात कबूल रहा है। शव शनिवार की सुबह जाखौदा गांव से आसौदा जाने वाली सड़क किनारे रेलवे फाटक के नजदीक एक खेत में मिला।

घटना की सूचना मिलते ही आसौदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। मृतका की मां उषा ने बताया कि सौरभ शुक्रवार की देर शाम शिवानी को जबरदस्ती अपने साथ ले गया। शिवानी के माता-पिता ने बेटी को तलाशने का खूब प्रयास किया और जब उन्होंने शिवानी के मोबाइल पर कॉल किया तो फोन सौरभ ने उठाया।फोन उठते ही सौरभ ने कहा कि शिवानी अगर उसकी नहीं हो सकती तो किसी और की भी नहीं होगी। शिवानी अब इस दुनिया में नहीं है, मैंने उसे मार दिया है। कफन का इंतजाम कर लो उसके जनाजे में काम आएगा। कल सुबह शव मिल जाएगा। आरोपी आशिक सौरभ और शिवानी के परिजनों की फोन पर हुई बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग सामने आई है।

इसमें सौरभ का गुस्सा सातवें आसमान पर है। सौरभ बार-बार यह भी कहता सुनाई दे रहा है कि मैंने कहा था कि शिवानी को समझा लो, लेकिन तुमने समझाया ही नहीं और ना ही बात मानी। इसलिए मैंने उसे मौत के घाट उतार दिया है। फोन कॉल रिकॉर्डिंग में आरोपी शिवानी के परिवार के अन्य सदस्यों को भी जान से मारने की धमकी देता हुआ सुनाई दे रहा है। परिजनों के बयान पर आरोपी सौरभ के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश जारी है, लेकिन सौरभ फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही सौरभ को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शिवानी प्लास्टिक का दाना बनाने की एक फैक्टरी में काम करती थी। उसका एक दो वर्षीय बेटा है। शिवानी की शादी के बाद अपने पति से अनबन हो गई थी और वह अलग रहने लगी थी। इसी बीच सौरभ नामक एक युवक के साथ उसका प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। इसके बाद शिवानी अपने परिवार को छोड़ कर सौरभ के साथ हरिद्वार चली गई थी। कुछ दिनों ठीक-ठाक चला, लेकिन बाद में सौरभ शिवानी के साथ मारपीट करने लगा था।

दूसरे के स्थान पर बीएड की परीक्षा देते धरी गई छात्रा

केस दर्ज कर पुलिस कर रही पूछताछ

कैथल,08 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल के पूंडरी क्षेत्र में बीएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के आरोप में पुलिस ने एक छात्रा के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में केंद्र अधीक्षक की ओर से शिकायत दी गई थी। पुलिस आरोपी छात्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पूंडरी स्थित केएमवी कॉलेज में शनिवार को बीएड का एसेसमेंट फार लर्निंग की परीक्षा थी। इसमें 180 बच्चों का सेंटर था। 180 में से 178 बच्चे परीक्षा में उपस्थित थे। ठीक साढ़े नौ बजे पेपर शुरू हो गया और सभी विद्यार्थी परीक्षा देने लगे। करीब 10 बजे परीक्षा केंद्र अधीक्षक विनेश वालिया ने जब रोल नंबर और विद्यार्थियों की जांच करना शुरू किया तो छात्रा की फोटो परीक्षार्थी की फोटो से नहीं मिल पाई। केंद्र अधीक्षक को जब शक हुआ तो उन्होंने महिला प्राध्यापिका की मदद से छात्रा से पूछताछ की। इसके बाद भी वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। जब छात्रा के दस्तावेज जांचे गए तो पता चला कि छात्रा अपनी बुआ की लड़की की जगह पेपर देने आई थी। तब तक विश्वविद्यालय की ओर से उड़नदस्ते की टीम भी मौके पर पहुंच गई, जिसमें डॉ. रेनू गुप्ता और डॉ. राजेंद्र अरोड़ा शामिल थे। टीम ने भी छात्रा के कागजों की जांच की और पाया गया कि वो दूसरी छात्रा की जगह परीक्षा दे रही थी। टीम ने एक अन्य छात्रा को भी पकड़ा वो एक पर्ची लिए हुए थी। जिस पर टीम ने उसका पेपर छीन कर पर्ची उसके साथ अटैच कर दी। केंद्र अधीक्षक विनेश वालिया ने बताया कि जो छात्रा दूसरी छात्रा के स्थान पर पेपर दे रही थी। उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दी गई है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

माले के राष्ट्रीय महासचिव बोले

30 लाख करोड़ के घोटाले की जांच हो, अग्निवीर योजना पर कही यह बात

पटना (एजेंसियां)। भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने एनडीए पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल की आड़ में 30 लाख करोड़ रुपए का एक बड़ा घोटाला सामने आया। चुनाव परिणाम के बाद शेयर बाजार काफी गिरा। इससे छोटी कंपनियों को काफी नुकसान हुआ और विदेश कंपनियों को फायदा हुआ। इसकी जांच ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी द्वारा करवानी चाहिए। उन्होंने मोदी और शाह पर आरोप लगाया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शेयर खरीदने की बात कर रहे थे। इसके बाद लोग शेयर खरीदने लगते हैं। चार जून को जब परिणाम आया तो लोगों को काफी नुकसान हुआ। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र द्वारा अग्निवीर भर्ती योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। युवाओं के बीच आज भी अग्निवीर योजना को लेकर काफी आक्रोश है। केंद्र सरकार इसपर विचार करे।

कहा कि केंद्र को जाति जनगणना कराने और राज्य के समग्र विकास के लिए बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की भारत गुट की मांग पर विचार करना चाहिए।

सीएम नीतीश कुमार को लेकर जो बातें हुई वह काफी दुखद है। नरेन्द्र मोदी से जाति जनगणना, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा जैसी गारंटी नीतीश कुमार को लेनी चाहिए। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की पार्टी की मांग के बारे में बताते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार को बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए। हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो एनडीए गठबंधन का हिस्सा हैं, इस पर दबाव डालेंगे। बिहार को विशेष दर्जा देने से राज्य को तेज गति से विकास करने में मदद मिलेगी, इससे अधिक रोजगार और राज्य में निवेश को भी आमंत्रित किया जा सकेगा।

माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हमलोग तीन सीट पर चुनाव लड़ें। इसमें से दो सीट पर जीते। नालंदा में कड़ी टक्कर दी। संदीप सौरभ दूसरे नंबर पर रहे। हमें जो उम्मीद थी लेकिन, वैसा परिणाम बिहार में नहीं मिला। हमें लगा था 2020 से विधानसभा चुनाव में जिस तरह का परिणाम आया था, उसके इर्द गिर्द ही परिणाम आएगा। ऐसा हो नहीं पाया। कायदे से इंडी गठबंधन को 20 सीटें आने की उम्मीद थी। पूर्णिया सीट जोड़ कर देखें तो इंडी गठबंधन को दस सीटें मिली। हम इसकी समीक्षा करेंगे। लेकिन, जो जनादेश आया है वह मोदी सरकार के खिलाफ है। खासकर 2019 के चुनाव की तुलना में काफी बेहतर परिणाम है। बिहार में 40 और देश में 400 पार की बात कहने वाले को करारा जवाब मिला है।

उत्तर प्रदेश जो मोदी, शाह, योगी का गढ़ है। चुनाव परिणाम आने के बाद वहां लोगों ने यह मैसेज दिया कि मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल किया जाए।

समूह लोन से परेशान महिला की संदिग्ध मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में लोन जमा नहीं करने पर एक कर्मचारी द्वारा प्रताड़ित किए जाने से परेशान महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतका का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला है। आशंका जताई जा रही है कि उसने आत्महत्या की है। महिला की मौत के बाद उसके परिजनों में कोहराम मच गया। यह मामला जिले के पियर थाना क्षेत्र का है। घटना की खबर मिलने के बाद मौके पर जुटे लोगों ने घटना की सूचना पियर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में भेज दिया है। उसके बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान पियर थाना क्षेत्र के सिमरा गांव निवासी उर्मिला देवी (35) के तौर पर की गई है। मृतका के परिजन ने बताया कि देर शाम के बाद समूह लोन से जुड़ा एक व्यक्ति घर पर आया और कुछ देर बाद चला गया। उसके बाद महिला ने अपना कमरा बंद कर लिया। काफी देर तक कमरा नहीं खुला तो हमें लगा कि रात को सो गई है। उसके बाद आज सुबह भी काफी देर तक कमरा नहीं खुला। कमरे का तोड़ा तो अंदर देखा कि उसका शव फंदे से लटका हुआ है। उसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है, पुलिस जांच कर रही है। हमें आशंका है कि प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने आत्महत्या की है।

पूरे मामले में पियर थाना के एसएचओ सह प्रभारी पंकज यादव ने बताया कि एक महिला का शव उसके कमरे में मिला है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है। देर रात किसी समूह से जुड़े हुए शख्स के आने की चर्चा है, जिसके बाद तंग आकर उसके द्वारा आत्महत्या करने की बात बताई जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। परिजनों का बयान लिया जा रहा है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजद ने कहा: बिहार को विशेष दर्जा दिलाएं

नीतीश ने कहा : खुद जेल के दर्जे की सोचें

पटना, 08 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में शपथ ग्रहण समारोह से पहले बिहार की सियासत गरमा गई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीएम नीतीश कुमार मजबूत स्थिति में आ गए हैं। इससे चिढ़े इंडी गठबंधन के नेता लगातार सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी पर हमला बोल रहे हैं। उनके कई सवाल पूछ रहे हैं। राजद विधायक भाई वीरेंद्र और कांग्रेस नेता प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार अब केंद्र सरकार के अंग हो गए हैं। 12 सीटें जीतकर उनकी भूमिका केंद्र सरकार में बढ़ गई है।

उनसे अपील है वह बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएं। बिहार के विकास पर फोकस करें। इतना ही नहीं कांग्रेस नेता ने पटना विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि कई साल से पटना विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलाने की मांग हो रही है। पीएम मोदी जब पटना विवि आए थे तब भी यह मांग उठी थी। अब सीएम नीतीश कुमार से लोगों को उम्मीद है कि वह बिहार को विशेष राज्य और पटना विवि को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलाएंगे।

जदयू ने कहा, जदयू के कितने सांसद मंत्री बनेंगे या नहीं, इसकी चिंता किसी को नहीं करनी चाहिए। इसका निर्णय प्रधानमंत्री को लेना है। बिहार के लिए जो भी शुभ होगा, वह करेंगे। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की दिशा में भी काफी काम हो रहा है। सीएम नीतीश कुमार स्पष्ट कर चुके हैं कि हमलोग बिहार की जरूरत पीएम मोदी जरूर पूरा करेंगे। जदयू प्रवक्ता ने राजद नेता लालू प्रसाद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष विशेष राज्य के दर्जे की चिंता न करें। जेल में विशेष दर्जा मिले इसकी चिंता करें। लैंड फॉर जॉब केस में अंतिम आरोप पत्र दाखिल हो गया है। अब जल्द ही कार्रवाई होगी।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में रहेंगे एनएसजी कमांडो

20 हजार अतिरिक्त बल देने की केंद्र से मांग

जम्मू, 08 जून (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से 20 हजार अतिरिक्त बल तैनात करने की मांग की है। इसके अलावा एनएसजी कमांडो भी तैनात किए जाएंगे और बड़ी संख्या में ड्रोन की भी सहायता ली जाएगी।

29 जून से शुरू हो रहे अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए केंद्रीय गृहमंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम को कश्मीर में डेरा डालने के निर्देश गृहमंत्री द्वारा दिए गए हैं। अमरनाथ यात्रा के दौरान आशंकित आतंकी हमले को देखते हुए केंद्र सरकार ने एनएसजी कमांडो की कई टुकड़ियों को कश्मीर में तैनात करने का फैसला लिया है। श्रीनगर शहर के अलावा दक्षिण कश्मीर में भी इन जवानों को तैनात किया जाएगा। सुरक्षा कारणों से इनकी लोकेशन को गुप्त रखा गया है। यह खतरा लोकसभा चुनावों में आतंकियों द्वारा कुछ न कर पाने से परेशान पाकिस्तान के कुत्सित इरादों के कारण दिख रहा है।

अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित सम्पन्न करवाने के लिए सुरक्षाबलों ने रणनीति तैयार कर ली है।

यात्रा मार्ग पर स्थित आधार शिविरों के अलावा 300 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मल्टी टीयर सुरक्षा बंदोबस्त रहेंगे। सुरक्षा के पहले घेरे में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के जवान तैनात रहेंगे और सेना के जवान बाहरी सुरक्षा घेरे को मजबूती प्रदान करेंगे। इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रियों के वाहनों पर नजर रखने के लिए उन्हें जीपीएस तथा आरएफआईडी तकनीक से लैस किया जा रहा है। सीआरपीएफ के जवान जीपीएस तकनीक का संचालन करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग तथा आधार शिविरों पर शरारती तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सैंकड़ों ड्रोन की मदद ली जाएगी।

सेनगुप्ता कमेटी की रिपोर्ट ठंडे बस्ते में डाल दी

जम्मू, 08 जून (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रशासन काल की यह तीसरी अमरनाथ यात्रा है। सरकार पुनः इसे पर्यटन के रूप में लेना चाहती है ताकि अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वालों के बीच कश्मीर की खूबसूरती को बेचा जा सके। इसी कारण अमरनाथ यात्रा के लिए तैयार डॉ. नितिन सेनगुप्ता की रिपोर्ट को एक बार फिर ठंडे बस्ते में डाल 8 से 10 लाख के करीब श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल होना का न्यौता देने के साथ ही उनके लिए प्रबंध किए जा रहे हैं।

दूसरे शब्दों में कहा जाए तो अमरनाथ यात्रा भी अजीब दास्तान बन गई है। आधिकारिक तौर पर संख्या को लेकर कुछ नहीं कहा जाता है। पर जो आंकड़ा प्रतिदिन श्रद्धालुओं को भिजवाने का तय किया गया है वह ही इस संख्या को 10 लाख तक पहुंचाता है। अर्थात प्रतिदिन 20 हजार श्रद्धालुओं को ही इसमें शामिल होने की अनुमति दी जानी है जिसमें हेलीकाप्टर से शिरकत करने वाले नहीं गिने गए हैं। मजेदार तथ्य इन आंकड़ों का यह है कि अक्सर इस यात्रा में कश्मीर से भी हजारों स्थानीय निवासी शामिल होते हैं।

कांग्रेस कार्यकारिणी ने पारित किया प्रस्ताव

राहुल को नेता विपक्ष बनाने की मुहिम

नई दिल्ली, 08 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस कार्यसमिति ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद स्वीकार करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता पद के लिए राहुल गांधी सबसे उपयुक्त व्यक्ति है। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी कहा, राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए। यही सबकी मांग है और यही कांग्रेस को मजबूती देगी। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा, जब भी कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी से कुछ अपेक्षा की है तो उन्होंने पार्टी की ख्वाहिश पूरी की है। आज कांग्रेस पार्टी उनसे गुजारिश करती है कि वो देश की आवाज़ सदन में उठाएं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, सबने यही बोला है कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बनें। यही होना भी चाहिए।

वहीं कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को सर्वसम्मति से कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुना गया है। कांग्रेस संसदीय दल की शनिवार शाम को यहां संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित नव निर्वाचित सांसदों तथा राज्यसभा सदस्यों की बैठक में श्रीमती गांधी को दोबारा निर्विरोध संसदीय दल का नेता चुना गया है। श्रीमती गांधी लोकसभा में कांग्रेस के नेताओं को नामित करेंगी। पार्टी ने संसदीय दल के नेता का चुनाव करने के लिए आज संसदीय दल की बैठक बुलाई थी। श्रीमती गांधी ने संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का इस चुनाव में पुनरुद्धार हुआ है लेकिन उसके सामने चुनौतियां भी उतनी ही बढ़ गई हैं। उनका कहना था कि पार्टी ने लोकतंत्र की रक्षा की है और उसके लिए लड़ते रहे हैं इसलिए अब उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 22°

सर्राफा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,480/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 91,203/- (प्रति किलोग्राम)

परिवारवाद की राजनीति लोकतंत्र का नासूर है!

पर संसद में दिखेंगे मुलायम के पांच रिश्तेदार

लखनऊ, 08 जून (एजेंसियां)। परिवारवाद पर जोरदार प्रहार करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार संसद में परिवारवाद की फलित राजनीति से मुखातिब होंगे। मुलायम परिवार के नौ सांसद लोकसभा और राज्यसभा में अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लेकिन ये सब इटावा से जुड़े हुए हैं। पहली बार लोकसभा में इटावा के सात लोग पहुंचे हैं। इनमें पांच सांसद मुलायम परिवार के सदस्य हैं। राज्यसभा में इटावा जिले के दो सदस्य पहले से हैं। इनमें से भी एक सांसद मुलायम परिवार के हैं। देश में 28 राज्य और आठ केंद्र शासित प्रदेश हैं। इनमें कुल 797 जिले हैं।

मुलायम सिंह यादव और उनके परिवार की वजह से इटावा की इन सभी जिलों में पहले से ही अलग धाक रही है। लेकिन इस बार संसद में इटावा सबसे मजबूत है। जहां एक ओर सपा ने लोकसभा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करके 37 जीती हैं। वहीं इनमें से सात सांसद इटावा से ही हैं।

अकेले सैफई से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मुलायम परिवार से स्वयं कन्नौज से, उनकी पत्नी डिंपल यादव मैनपुरी से, चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव आजमगढ़ से, चचेरे भाई अक्षय यादव फिरोजाबाद से, चचेरे भाई आदित्य यादव बदायूं से सांसद बने हैं। इटावा के सांसद जितेंद्र दोहरे के साथ ही एटा के सांसद देवेश शाक्य भी इटावा के निवासी हैं। राज्यसभा में प्रो. रामगोपाल यादव और भाजपा से गीता शाक्य राज्यसभा सदस्य हैं। गीता शाक्य का पैतृक गांव भरथना क्षेत्र का सिन्हुआ है। वह वर्तमान बिधूना में बनवाए नए आवास में रहती हैं।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। मुलायम सिंह परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। 2012 से 2017 तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। 2022 में विधानसभा करहल से विधायक बने थे। साथ ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए वह कन्नौज से चुनाव लड़े और यहां से भी लगभग 1.70 लाख वोटों से बड़ी जीत दर्ज की है। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पत्नी पुत्र वधू और अखिलेश यादव की पत्नी हैं। 2012 में वह कन्नौज में हुए उपचुनाव में निर्विरोध सांसद बन चुकी हैं। 2022 में मुलायम सिंह के निधन के बाद मैनपुरी में हुई रिक्त सीट से उपचुनाव में सपा की तरफ से उन्होंने चुनाव लड़ा था। उस समय उन्होंने लगभग 2.88 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सपा ने उन्हें ही चुनाव लड़ाया था। इस बार उन्होंने 2.21 लाख वोटों से जीत दर्ज की है।

इटावा के नौ सांसद, एक रिश्तेदार राज्यसभा में भी

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव से तीन साल छोटे भाई अभयराम यादव के बेटे हैं। अभयराम यादव राजनीति से दूर हैं और वह गांव में खेती-बाड़ी का काम देखते हैं। मुलायम सिंह यादव ने 2004 में अपनी पैतृक सीट मैनपुरी देकर पहली बार धर्मेंद्र यादव को सांसद बनाया था। इसके बाद वह एक मैनपुरी और एक बार बदायूं के सांसद रहे। 2019 में उन्हें भी बदायूं से हार का सामना करना पड़ा था। 2022 में उन्हें आजमगढ़ से टिकट दिया गया था। यहां से उन्होंने 1.61 लाख वोटों से जीत दर्ज की है।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के चचेरे भाई और सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल के बेटे हैं। अक्षय 2014 से 2019 तक फिरोजाबाद से सांसद रह चुके हैं। 2019 में भी सपा ने फिरोजाबाद से ही उन्हें प्रत्याशी बनाया था, लेकिन उस समय परिवार में फूटन की वजह से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी सपा ने उन्हें फिरोजाबाद से ही टिकट दिया था। उन्होंने 89312 वोटों से जीत दर्ज की है।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के बेटे हैं। सपा ने इस बार बदायूं में कार्यकर्ताओं की नाराजगी को देखकर शिवपाल सिंह यादव को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा था। शिवपाल सिंह यादव के मैदान में आने के बाद बदायूं के लोगों की नाराजगी दूर हो गई थी। कुछ दिन बाद पार्टी की ओर से शिवपाल के स्थान पर उनके स्थान पर आदित्य यादव को टिकट दिया था। आदित्य ने यहां से तमाम खींचतान के बीच लगभग 35 हजार वोटों से जीत दर्ज की है।

महेबा ब्लाक के सुनवर्षा गांव के मूल रूप से निवासी हैं। लगभग 20 साल से वह शहर में ही घर बनाकर रह रहे हैं। वह बसपा की पृष्ठभूमि से हैं। 2005 से लेकर 2020 तक बसपा में जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव समेत तमाम पदों पर रहे हैं। 2020 में वह सपा में शामिल हुए। इसके बाद 2018 में हुए चुनावों में उनकी पत्नी ने सपा के टिकट से महेवा ब्लॉक प्रमुख के रूप में जीत दर्ज की थी। 2024 में सपा ने उन्हें सांसद का टिकट दिया था। उन्होंने लगभग 58 हजार वोटों से जीत दर्ज की है।

बसपा सरकार में 2002 में बिधूना से विधायक और बाढ़ सहायता मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार मंत्री रहे विनय शाक्य के भाई हैं। देवेश शाक्य भी मूल रूप से शुरुआत में बसपा में रहे हैं।

चीनी नागरिक ने जेल में की आत्महत्या की कोशिश

पटना (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के अमर शहीद खुदीराम बोस सेंट्रल जेल में चीनी नागरिक ने आत्महत्या की कोशिश की है। वह अपने चश्मे को काटकर अपने प्राइवेट पार्ट को काट रहा था। अत्यधिक खून बहने से बेहोश हो गया। हॉस्पिटल के वार्ड के शौचालय में घायल अवस्था में बेहोश मिला। इसके बाद जेल की प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल की प्रशासन ने उसे बेहतर इलाज के लिए शुक्रवार की देर रात को इयचकअ मेडिकल में भर्ती कराया है। सेंट्रल जेल प्रशासन का कहना है कि चीनी नागरिक ली जियाकी ने आत्महत्या का प्रयास किया है। उसे बीते दिनों ब्रह्मपुरा थाने की पुलिस ने लक्ष्मी चौक के पास से संदिग्ध देखे जाने के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जेल प्रशासन जेल के हॉस्पिटल वार्ड में सजायफ्ता साथी बंदियों से पूछताछ की है। यह बताया जा रहा है चीनी नागरिक ने अपने चश्मे का शीशा को तोड़कर उससे अपने प्राइवेट पार्ट को काटने का प्रयास किया था। उसे गहरा जख्म आया और अत्यधिक खून के रिसाव से वह शौचालय में ही बेहोश हो गया था। इसके बाद उसको तुरंत ही वहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में बेहतर इलाज हेतु भर्ती कराया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लांट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com